जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

अजमेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 36 संख्याः 297 प्रभात अजमेर, शुक्रवार 5 जून, 2026 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

टीएमसी के विधायकों ने जो किया वही सांसद भी करने जा रहे हैं

अटकलें हैं कि लगभग 20 सांसद टीएमसी छोड़ने की तैयारी में हैं, उन्हें भी अभिषेक बनर्जी के नियंत्रण से परेशानी महसूस हो रही है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 जून। पश्चिम बंगाल विधानसभा के नवनिर्वाचित सदस्यों के बाद अब बारी तृणमूल कांग्रेस के सांसदों की है।

ऐसी जोरदार अफवाहें चल रही हैं कि सांसद भी उसी राह पर बढ़ रहे हैं, जिस पर पहले विधायक चले थे। कहा जा रहा है कि तृणमूल कांग्रेस के अधिकांश सांसद अब अभिषेक बनर्जी और ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पार्टी को छोडकर बागी विधायकों के साथ जाने पर विचार कर रहे हैं।

हालाँकि सांसदों के पलायन के स्पष्ट संकेत अभी तक सामने नहीं आए हैं, लेकिन खबरें हैं कि उनमें से कुछ अलग समूह बनाने और विधानसभा में अपने बागी साथियों के साथ जुड़ने की योजना बना रहे हैं। इस विद्रोह का निशाना इस बार भी ममता बनर्जी से अधिक, उनके उत्तराधिकारी माने जाने वाले अभिषेक बनर्जी हैं।

- पार्टी के आंतरिक सूत्रों का कहना है कि जल्दी ही अधिकांश सांसद पार्टी छोड़कर ऋतब्रत के खेमे में आ जाएंगे।
- टीएमसी में ऐसे नेताओं की संख्या बढ़ती जा रही है, जो अभिषेक बनर्जी के मातहत काम करना नहीं चाहते हैं लेकिन, ममता बनर्जी का अपने भतीजे पर अगाध स्नेह है। यह भी खबरें हैं कि चुनावी हार के बाद हुई मीटिंग में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को भी खड़े होकर अभिषेक बनर्जी के लिए ताली बजाने को मजबूर किया गया।
- पार्टी नेताओं द्वारा एक के बाद एक मिल रहे झटके के बीच तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी को अपने पूर्व सहयोगी के हाथों सार्वजनिक रूप से अपमानित होना पड़ा। ममता भवानीपुर से चुनाव हार चुकी हैं और वे विधानसभा सदस्य नहीं हैं। ममता के पूर्व विश्वस्त हुमायूँ कबीर ने चुनाव से पहले ही टीएमसी छोड़ दी थी, वे दो सीटों से विजयी हुए हैं। उन्होंने एक सीट ममता को देने की पेशकश की और कहा, ममता बनर्जी खुद उनके पास आकर सीट देने की याचना करें।

ऐसे विद्रोह और राजनीतिक संकट के बीच ममता बनर्जी को उनके ही एक पूर्व करीबी सहयोगी से सार्वजनिक अपमान का सामना करना पड़ा। मुस्लिम वोटों को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले पूर्व तृणमूल नेता हुमायूं कबीर चुनाव से पहले ही ममता का साथ छोड चुके थे। उन्होंने दो सीटों से चुनाव जीता था और अब उन्हें एक सीट खाली करनी है।

अब वे उन दोनों सीटों में से एक सीट ममता बनर्जी को देने की पेशकश कर रहे हैं, ताकि उन्हें विधानसभा में वापसी का एक जरिया मिल सके। ममता अपने गृह क्षेत्र भवानीपुर से वर्तमान मुख्यमंत्री के हाथों चुनाव हार गई थीं।

लेकिन हुमायूं की एक शर्त है- ममता बनर्जी को स्वयं उनके पास जाकर उस सीट के लिए अनुरोध करना होगा। हुमायूं को भी पार्टी पर अभिषेक बनर्जी के बढ़ते नियंत्रण से नाराज़गी थी।

अब पार्टी का कोई भी सदस्य अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व में काम करने को राजी नहीं है और अब ये लोग

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जल जीवन मिशनः पूर्व आईएएस सुबोध अग्रवाल के खिलाफ चालान पेश

जयपुर 4 जून। एसीबी मामलों की विशेष अदालत में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर जल जीवन मिशन में करोड़ों रुपए के ठेके से जुड़े मामले में पूर्व आईएएस और तत्कालीन अतिरिक्त मुख्य जलदाय सचिव सुबोध अग्रवाल के खिलाफ आरोप पत्र पेश किया है। वहीं, मामले में पूर्व जलदाय मंत्री महेश जोशी और संजय बडाया सहित, अन्य के खिलाफ जांच लंबित रखी गई है।

- भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने पूर्व मंत्री महेश जोशी व संजय बडाया आदि के खिलाफ जाँच लंबित रखी।

अदालत ने फिलहाल आरोप पत्र को रिपोर्ट कैटेगरी में रखा है।

एसीबी की ओर से आरोप पत्र के साथ बड़ी संख्या में दस्तावेज पेश कर अपराध की कड़ी जोड़ने की कोशिश की गई है। बताया जा रहा रहा है कि दस्तावेजों सहित संपूर्ण आरोप पत्र करीब 17 हजार पांच सौ पेज का है। पूर्व में विभाग के रिटायर व वर्तमान अधिकारियों दिनेश गोयल, कृष्णदीप गुप्ता, शुभांशु दीक्षित, सुशील शर्मा, विशाल सक्सेना, अरुण श्रीवास्तव, डीके गौड़, महेन्द्र प्रकाश सोनी, मुकेश पाठक और निरिल कुमार के खिलाफ आरोप पत्र पेश किया जा चुका है। इसके

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सीजेपी को रैली की अनुमति नहीं देगी केन्द्र सरकार

सीजेपी फाउण्डर 6 जून को दिल्ली पहुंचेंगे और सीधे ही पुलिस थाने जाकर जंतर-मंतर पर रैली की अनुमति मांगेंगे

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 जून। सूत्रों के अनुसार, कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके को 6 जून को दिल्ली हवाई अड्डे पर पहुंचने के बाद सीधे गिरफ्तार किए जाने की संभावना कम है, लेकिन उन्हें उसी दिन जंतर-मंतर पर एक रैली आयोजित करने के लिए केन्द्र सरकार से अनुमति नहीं मिलेगी। यह रैली नीट परीक्षा पेपर लीक विवाद के चलते शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग के लिए की जानी है।

आमतौर पर जंतर-मंतर पर किसी प्रदर्शन के लिए कम से कम एक सप्ताह पहले अनुमति लेनी होती है, लेकिन दिपके ने कहा है कि दिल्ली पहुंचते ही वे सीधे संसद मार्ग थाने जाएंगे और उसी दिन रैली की अनुमति मांगेंगे। यह दावा एक ओर भोला-भाला और वास्तविकता से दूर लगता है, तो दूसरी तरफ संदेह पैदा करता है। इसको लेकर तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। इनमें से एक यह है कि सीजेपी को आरएसएस का समर्थन और वित्तीय सहायता प्राप्त है, ठीक वैसे ही, जैसे अपने शुरुआती दिनों में आम आदमी पार्टी के बारे में आरोप लगाए गए थे। दूसरी ओर, कांग्रेस ने सीजेपी को केवल दिखावटी संगठन बताया है और कहा है कि उसके पास कोई गहरी नीतिगत सोच नहीं है। कुछ विपक्षी दल चाहते हैं कि सीजेपी खुद को अधिक स्पष्ट रूप से भाजपा-विरोधी रुख के साथ जोड़े, बजाय इसके कि वह केवल "सत्ता विरोधी रुख" का एक आम दावा करे।

- यह भी अटकलें हैं कि उन्हें दिल्ली आते ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा, लेकिन सरकार ने इस संभावना से इन्कार किया है।
- सीजेपी ने यह रैली नीट परीक्षा प्रणाली की विफलता के खिलाफ आयोजित की है, उनकी मुख्य मांग शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा है।
- नियमानुसार जंतर-मंतर पर रैली के लिए एक सप्ताह पहले अनुमति लेनी पड़ती है, पर, दिपके 6 जून को दिल्ली पहुँचेंगे और उसी दिन रैली के आयोजन की अनुमति मांगेंगे और पूरी संभावना है कि उन्हें अनुमति नहीं मिलेगी।
- सीजेपी को लेकर कई अटकलें चल रही हैं। इनमें सबसे प्रमुख है कि जैसे आप को आरएसएस का समर्थन था, वैसे ही सीजेपी को भी संघ से समर्थन व सहायता मिल रही है।

मई के मध्य में, बॉस्टन यूनिवर्सिटी से पढ़े एक युवा द्वारा शुरु किया गया, सीजेपी एक व्यंग्यात्मक युवा आंदोलन है, जो बेरोजगारी, परीक्षा पेपर लीक (विशेषकर नीट 2026), शिक्षा व्यवस्था की खामियों और शासन की विफलताओं जैसे मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित करता है। अस्तित्व में आए मात्र 15 दिनों के भीतर ही सीजेपी ने सोशल मीडिया पर भारी लोकप्रियता हासिल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

केरल में मानसून ने दी दस्तक, दिल्ली हुई तरबतर

दिल्ली एनसीआर में मौसम ने नाटकीय करवट ली और भारी वर्षा हुई, जिससे गर्मी से राहत मिली

- जाल खंबाता -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 जून। गुरुवार को मौसम ने नाटकीय करवट ली और दिल्ली तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (नैशनल कैपिटल रीजन एनसीआर) में दोपहर का समय सांझ जैसा दिखाई देने लगा। घने बादलों और जबरदस्त धूलभरी आंधियों ने पूरे क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया।

जिस दिन (गुरुवार) दक्षिण-पश्चिम मानसून ने केरल में प्रवेश किया, उसी दिन दिल्ली और एनसीआर में भी मौसम ने अप्रत्याशित रूप से करवट बदली। काले बादल, तेज धूलभरी आंधियां और भारी वर्षा ने अपरान्ह काल में ही अंधेरे जैसा माहौल पैदा कर दिया।

दोपहर 2 बजे से 3 बजे के बीच, नोएडा और आसपास के इलाकों में आसमान इतना काला हो गया कि लोगों को रात जैसा महसूस होने लगा। वाहन चालकों को कम दृश्यता के कारण हेडलाइट्स जलानी पड़ीं। हालांकि इस तूफान ने भीषण गर्मी से राहत दी, लेकिन तेज हवाओं और उड़ती धूल ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया।

- इतने घने बादल छाए कि भरी दोपहरी में अंधकार सा लगने लगा, लोगों को गाड़ियों की हैडलाइट्स जलानी पड़ीं। बारिश से शहर के तापमान में 4 से 6 डिग्री तक गिरावट आ गई।
- भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने 5 जून तक के लिए क्षेत्र में यलो अलर्ट जारी किया है और दिल्ली एनसीआर में आँधी-तूफान की संभावना जताई है।
- भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने अधिकृत घोषणा की कि केरल में दक्षिण-पश्चिम मानसून पहुँच गया है और इसके साथ वर्षा ऋतु के आगमन की घोषणा कर दी गई।

अचानक हुए इस मौसमी बदलाव के कारण जबरदस्त धूलभरी आंधियां चलीं, जिनके कारण सडकों पर पड़ा मलबा, पत्ते और धूल उड़ने लगी। इससे प्रमुख मार्गों पर पैदल और वाहन यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ।

अंधकार और तेज हवाओं के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चने की दाल के 12 दानों पर 12 ज्योतिर्लिंग

भोपाल, 04 जून (हि.स.)। मध्य प्रदेश के उज्जैन की बेटी दीक्षा कुशवाह ने मात्र 22 मिनट में आठ मिलीमीटर आकार के चने की दाल के 12 दानों पर 12 ज्योतिर्लिंगों की पेंटिंग बनाकर वर्ल्ड

- मध्यप्रदेश उज्जैन की दीक्षा कुशवाह ने 22 मिनट में चने की दाल के 12 दानों पर 12 ज्योतिर्लिंगों की पेन्टिंग बनाई और वर्ल्ड वाइड बुक ऑफ रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कराया।

वाइड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में अपना नाम दर्ज कराया है। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस उपलब्धि पर दीक्षा को बधाई दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरुवार को सोशल मीडिया एक्स पर बधाई दी।

उज्जैन के ऋषि नगर निवासी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'ईरान वॉर से अमेरिकन सैनिक वापस बुलाए जाएं'

अमेरिका में हाउस ऑफ रैप्रेज़ेंटेटिव्स ने प्रस्ताव पारित कर ट्रंप को निर्देश दिया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 जून। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने बुधवार को एक प्रस्ताव पारित किया, जिसमें ईरान युद्ध से अमेरिकी सैनिकों को वापस बुलाने का आदेश दिया गया है। यह कदम मुख्य रूप से प्रतीकात्मक माना जा रहा है, लेकिन इससे राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप को एक राजनीतिक झटका जरुर लगा है।

ट्रंप की बहुमत वाली रिपब्लिकन पार्टी के चार सदस्यों ने इस कदम का समर्थन करने में डेमोक्रैट्स का साथ दिया। यह प्रस्ताव 215-208 वोटों से पारित होकर सीनेट में गया है, लेकिन अंततः इसे राष्ट्रपति के वीटो का सामना करना पड़ेगा।

हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी के डैमोक्रैट सदस्यों ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, "यह अमेरिकी जनता की ओर से डॉनल्ड ट्रंप को दिया गया जोरदार और स्पष्ट संदेश है कि अब समय आ गया है कि ईरान में उनके बेहद अलोकप्रिय और अवैध युद्ध को समाप्त किया जाए।"

- हालांकि, हाउस ऑफ रैप्रेज़ेंटेटिव्स का यह प्रस्ताव एक प्रतीकात्मक कदम है। पर, यह राष्ट्रपति ट्रंप के लिए एक करारा झटका है और सबसे महत्वपूर्ण बात, ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी के चार सदस्यों ने प्रस्ताव का समर्थन किया, जिसकी वजह से 215 के मुकाबले 218 मतों से प्रस्ताव पारित हो गया। ऐसा पहली बार हुआ, जब रिपब्लिकन्स के नियंत्रण वाले हाउस ऑफ रैप्रेज़ेंटेटिव्स में ट्रंप के खिलाफ प्रस्ताव पारित हुआ है।
- डैमोक्रैट्स का आरोप है कि ट्रंप ने ईरान पर हमला कर संविधान का उल्लंघन किया है। वॉर पावर्स एक्ट के तहत किसी युद्ध में अमेरिकी सेना तैनात करने के बाद 60 दिनों में कांग्रेस की अनुमति लेनी चाहिए। पर वह अवधि कई सप्ताह पहले ही गुजर चुकी है।

ऐसा पहली बार हुआ है, जब रिपब्लिकन बहुमत वाली प्रतिनिधि सभा ने युद्ध शुरु होने के तीन महीने बाद ऐसा कोई प्रस्ताव पारित किया है, जिसका उद्देश्य ट्रंप को तेहरान के खिलफ सैन्य युद्ध सीमित करने के लिए मजबूर करना है।

डैमोक्रैट्स का मानना है कि यह मतदान युद्ध और शांति से जुड़े फैसलों में कांग्रेस की संवैधानिक भूमिका को फिर से स्थापित करने के उनके प्रयासों में एक संभावित निर्णायक मोड़ साबित हो सकता है।

ऐसा ही एक प्रस्ताव मई के अंत में सीनेट में एक महत्वपूर्ण प्रतीकात्मक चरण पार कर चुका है। रिपब्लिकन बहुमत वाली सिनेट में भी इसे इसी सप्ताह पारित किया जा सकता है। हालांकि रिपब्लिकन नेतृत्व अंतिम मंजूरी को रोकने की कोशिश कर सकता है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिल्ली अग्निकांड पर होटल मालिक चार दिन की पुलिस हिरासत में

नई दिल्ली, 04 जून। दिल्ली के साकेत कोर्ट ने मालवीय नगर अग्निकांड के मामले में गिरफ्तार किए गए होटल मालिक लवकेश बजाज को चार दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। दिल्ली पुलिस ने उसे गिरफ्तार

- दिल्ली पुलिस ने होटल मालिक लवकेश बजाज को गिरफ्तार कर गुरुवार को अदालत में पेश किया।

करने के बाद गुरुवार को कोर्ट में पेश किया।

पेशी के दौरान दिल्ली पुलिस ने चार दिनों की हिरासत की मांग की। सुनवाई के दौरान लवकेश बजाज के वकील ने कहा कि उन्हें एफआईआर की कॉपी नहीं मिली है। इस पर दिल्ली

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ओटीएस चौराहे पर फ्लाईओवर बनाने के लिए नई डी.पी.आर. बनाने का आदेश रद्द

हाईकोर्ट ने पूर्व में जेसीएल इंफ्रा कंपनी को सौंपे गए प्रोजेक्ट की निविदा रद्द करने के आदेश को भी निरस्त किया

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर । जेएलएन मार्ग स्थित ओटीएस चौराहे, जो ट्रैफिक जाम के लिए सबसे कुख्यात चौराहा है, को जाम फ्री और सिग्नल फ्री करने तथा एक फ्लाईओवर, सब-वे निर्माण व सौंदर्यीकरण कार्य के 184.30 करोड़ रुपए के 2022 के टैंडर को रद्द करने पर राजस्थान हाईकोर्ट ने जयपुर डैवलपमैंट अथॉरिटी (जेडीए) को फटकार लगायी है।

ज्ञात रहे कि यह निविदा पूर्ववर्ती सरकार के समय वर्ष 2022 में जारी हुई थी। कंपनी को 5 जनवरी 2024 तक यह यह प्रोजेक्ट पूरा करना था, लेकिन जेडीए प्रशासन ने एमएनआईटी और ओटीएस से जमीन ही अवाप्त नहीं की। इसके विपरीत, जेडीए ने इस निविदा को 24 अप्रैल 2024 को रद्द करते हुए ओटीएस चौराहे पर फ्लाईओवर के लिए 83 करोड़ रुपए की लागत से फ्लाई ओवर की नई डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डी.पी.आर.) बनाने की निविदा जारी कर दी। जेडीए द्वारा पूर्व के टैंडर निरस्त करने को चुनौती देते हुए जेसीएल इंफ्रा प्रा. लि. ने राजस्थान हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

इस प्रकरण पर सुनवाई करते हुए, राजस्थान हाईकोर्ट के जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने 83 करोड़ रुपए की लागत से डीपीआर बनाने के टैंडर

- अदालत ने मुख्य सचिव को आदेश दिए हैं कि, जेडीए और जेसीएल इंफ्रा के बीच हुए अनुबंध को निरस्त करने के कारणों की जांच करवाएं, साथ ही दोषी अफसरों पर 2 माह में कार्रवाई करें।
- अदालत ने जेडीए को फटकारते हुए कहा कि "इस प्रकरण में जेडीए के प्रभारी अधिकारी की ओर से कोर्ट में गलत बयानबाजी की गई है, जिसके तथ्य रिकॉर्ड से अलग पाए गए हैं, इसे नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता।"
- अधिवक्ता एस.एस. होरा ने कहा कि, याचिकाकर्ता कंपनी को दिया हुआ ठेका अकारण और सुनवाई किए बिना जेडीए ने वापस लिया है, जबकि कंपनी ने ड्रॉइंग्स और डिज़ाइन तैयार कर अनुमोदन के लिए पेश कर दिए थे। यहां तक कि प्रोजेक्ट के लिए पर्याप्त संसाधन भी जुटा लिए थे, लेकिन जरूरी अनुमतियां व साइट पर जमीन मुहैया नहीं करवाने के कारण काम आगे नहीं बढ़ सका।"

आदेश को रद्द कर दिया है। अदालत ने जेडीए को कहा है कि वह पूर्व में हुए अनुबंध के आधार पर ही प्रोजेक्ट को आगे बढ ए। साथ ही, हाईकोर्ट ने पूर्व का अनुबंध निरस्त करने के कारणों की जांच करने के आदेश दिए हैं, ताकि जिम्मेदार अफसरों की जवाबदेही तय की जा सके। अदालत ने मुख्य सचिव को कहा है कि वे दोषी अफसरों पर 2 माह में उचित कार्रवाई करें। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने ये आदेश जेसीएल इंफ्रा प्रा. लि. की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए। हाईकोर्ट में याचिकाकर्ता कंपनी जेसीएल इंफ्रा की ओर से अधिवक्ता एस.एस.होरा तथा जेडीए की ओर से अधिवक्ता अमित कुडी व अभियांत्रिकी निदेशक देवेन्द्र गुप्ता पैरवी के लिए पेश हुए थे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राज्यसभा के लिए कांग्रेस ने 7 प्रत्याशी घोषित किए

नई दिल्ली, 04 जून। कांग्रेस ने राज्यसभा के द्विवार्षिक चुनाव 2026 के लिए अपने उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की मंजूरी के बाद सात उम्मीदवारों के नामों पर अंतिम मुहर

- राजस्थान से नीरज डांगी और कर्नाटक से मल्लिकार्जुन खड़गे, पवन खेड़ा के नाम घोषित

लगाई गई है। सूची में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा को कर्नाटक से उम्मीदवार बनाया गया है।

कांग्रेस की ओर से जारी सूची के अनुसार, कर्नाटक से मल्लिकार्जुन खड़गे, पवन खेड़ा और मंसूर अली खान को उम्मीदवार बनाया गया है। वहीं मध्य

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

बुद्धि से विचार कर किए गए कर्म ही सफल होते हैं। –महाभारत

तरसेंगे हम पीने के पानी को

पानी.... जीवन की वह मूलभूत आवश्यकता है जिससे मानव, पशु, और सारा जीव–जंतु जुड़ा हुआ है। परंतु आज जब हम शुद्ध पानी की बात करते हैं, तो यह केवल एक भौतिक आवश्यकता नहीं रह जाती; यह हमारे सभ्य जीवन का दर्पण बन जाती है। जिस देश में नदियाँ बहती हैं और वर्षा होती है, वहां भी अनेक स्थानों पर लोग उस एक गिलास साफ पानी के लिए तरस रहे हैं। यह त्रासद स्थिति सिर्फ संसाधन की कमी नहीं, बल्कि नीतियों, प्रवर्तन, नेतृत्व, और समाज की प्राथमिकताओं की विफलता का संकेत है।

भारत विविधता की भूमि है। हिमालय की हिम–जलधाराएँ, समुद्रतटों की वर्षा–पवन प्रणालियाँ, पश्चिमी और पूर्वी नदी घाटियाँ सब मिलकर जल की एक समृद्ध तस्वीर पेश करते हैं। फिर भी स्नान के लिए पानी है, खेती के लिए पानी है, उद्योगों को पानी मिल जाता है, किंतु पीने के शुद्ध जल की उपलब्धता असमान और अक्सर अपर्याप्त है। शहरी और ग्रामीण दोनों ही क्षेत्र पीने के पानी की चुनौती से जूझ रहे हैं, पर कारण और प्रभाव भिन्न हैं। शहरी क्षेत्रों में स्वच्छता, पाइपलाइन नेटवर्क, रिचार्ज की कमी, और प्रदूषण बड़े कारण हैं; ठाामीण क्षेत्रों में पक्की इन्फ्रास्ट्रक्चर की कमी, भूजल का प्रदूषण, तथा जल–व्यवस्थापन की अपर्याप्त समझ मुख्य बाधाएँ हैं।

भूजल पर अत्यधिक निर्भरता ने समस्या को और जटिल बना दिया है। खेती में अनियंत्रित बोरवेल ड्रिलिंग, उद्योगों का अतिव्यापी उपयोग, और शहरी उपभोक्ता मांग ने पानी के स्तर को लगातार कम कर दिया है। परिणामस्वरूप नल सूखते हैं, हैंडपम्प गड़बड़ा जाते हैं, और जो मिल भी जाता है वो अक्सर प्रदूषित। प्रदूषण का स्त्रोत भी बहुस्तरीय है: औद्योगिक अपशिष्ट, कृषि रसायन (कीटनाशक और उर्वरक), घरेलू सीवेज, तथा ठोस अपशिष्ट जो जल स्त्रोतों में जा कर जल को जहरीला बना देते हैं। नदी और झीलें न केवल गंदी होती जा रही हैं, बल्कि हमारे औचित्यहीन उपयोग से कमजोर भी होती जा रही हैं।

जल संकट केवल भौतिक अभाव नहीं है; यह असमानता भी है। शहरों के धनी मोहल्लों में पानी की उपलब्धता बेहतर होती है जबकि झुग्गी–झोपड़ी और ग्रामीण ग्रामीण क्षेत्र अभी भी रोज पानी लाने के लिए लंबी दूरी तय करते हैं। यह असमानता स्वास्थ्य, शिक्षा और आर्थिक अवसरों पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है। पानी से जुड़ी बीमारियाँ डायरिया, स्कर्वी नहीं, बल्कि जलीय रोगों की पुनरावृत्ति बच्चों की मृत्युदर और काम करने की क्षमता को कम करती हैं। महिलाएँ और बालिकाएँ पानी लाने की जिम्मेदारी में समय खो देती हैं, जिससे उनके शिक्षा और सामाजिक भागीदारी प्रभावित होती है।

समस्या की जड़ में जननीति और कार्यान्वयन की कमी भी है। कई योजनाएँ और नियम तो बने हैं, पर उनका क्रियान्वयन कमजोर है। जलमंडल पर आधारित योजना, लोकभागीदारी, और संस्थागत सहकारिता की आवश्यकता है। स्थानीय समाजों को सशक्त करके, पानी का सुरक्षित प्रबंधन और संरक्षण सुनिश्चित किया जा सकता है। केवल नीतियाँ बनाना पर्याप्त नहीं; निगरानी, पारदर्शिता, और जवाबदेही उतनी ही जरूरी हैं ताकि योजना जमीन पर दिखे और असर दे।

हमारे पास समाधान भी हैं, और वे तकनीकी से लेकर पारंपरिक तक विस्तारित हैं। सबसे पहले जल संरक्षण और पुनः उपयोग को प्राथमिकता देनी होगी। वर्षा जल संचयन सरल और प्रभावी उपाय है, जिसे शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में अपनाया जा सकता है। छतों, सडक़ों और सार्वजनिक स्थलों पर जल संचयन संरचनाएँ बनाकर वर्षा के पानी को रोक कर भूमिगत जलस्त्रोतों को रिचार्ज किया जा सकता है। साथ ही छोटे बाँध, तालाब, और अपशिष्ट जल के उपचार के बाद पुनः उपयोग, विशेषकर बागवानी और उद्योगों के लिए, पानी की मांग को कम कर देते हैं।

हमारे पास समाधान भी हैं, और वे तकनीकी से लेकर पारंपरिक तक विस्तारित हैं। सबसे पहले जल संरक्षण और पुनः उपयोग को प्राथमिकता देनी होगी। वर्षा जल संचयन सरल और प्रभावी उपाय है, जिसे शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में अपनाया जा सकता है। छतों, सडक़ों और सार्वजनिक स्थलों पर जल संचयन संरचनाएँ बनाकर वर्षा के पानी को रोक कर भूमिगत जलस्त्रोतों को रिचार्ज किया जा सकता है। साथ ही छोटे बाँध, तालाब, और अपशिष्ट जल के उपचार के बाद पुनः उपयोग, विशेषकर बागवानी और उद्योगों के लिए, पानी की मांग को कम कर देते हैं।

कृषि में पानी की बचत के लिए ड्रिप इरिगेशन, सूखी फसल चक्र और जल कुशल फसलें अपनाने की आवश्यकता है। किसान को प्रशिक्षित कर, सस्ता और उपलब्ध तकनीक प्रदान करके बड़े पैमाने पर जल उपयोग को घटाया जा सकता है। सिंचाई की योजना बनाते समय स्थानीय जल–स्तर और मौसमी पैटर्न का ध्यान रखना होगा, ताकि जमीन की उर्वरता और जल–स्तर दोनों सुरक्षित रहें।

नियमन और प्रदूषण नियंत्रण का कठोर पालन जरूरी है। उद्योगों और कस्बों से निकलने वाले सीवेज का उपचार अनिवार्य बनाना होगा। नदी घाटियों और जलाशयों के किनारों पर अतिक्रमण रोका जाए, और गंदगी ढेर करने वाले स्थानों पर निगरानी बढ़ाई जाए। सार्वजनिक स्वास्थ्य और पर्यावरण सुरक्षा के लिए जल गुणवत्ता मानक सख्त किए जाएँ और उनका पालन सुनिश्चित करने के लिए स्वच्छता जांच तंत्र को प्रभावी बनाना होगा।

जल प्रशासन में लोगों की भागीदारी अहम है। जल उपयोग, संरक्षण और वितरण से जुड़े निर्णयों में स्थानीय समुदायों को शामिल करना पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक विज्ञान का समन्वय कर सकता है। पंचायत स्तर पर जल समितियाँ काम कर सकती हैं जो पानी के उपयोग के नियम बनाएँ, रिचार्ज परियोजनाओं पर निगरानी रखें और हितधारकों के बीच समन्वय स्थापित करें। शिक्षा और जागरूकता कार्यक्रमों से लोग सरल व्यवहारिक बदलाव जैसे नल बंद रखना, गंदा पानी न बहाना, और घरेलू उपचार अपनाना करने के लिए प्रेरित होंगे।

प्रौद्योगिकी भी इस संकट में सहायक हो सकती है। सस्ती जल परीक्षण किटें, स्मार्ट मीटरिंग, और डेटा–आधारित जल प्रबंधन से आपूर्ति और मांग का संतुलन बनाया जा सकता है। उपग्रह और जियो डेटा भूजल स्तर की निगरानी में मदद करते हैं और समय पर हस्तक्षेप संभव बनाते हैं। पर तकनीक तभी फलदायी होगी जब वह स्थानीय संदर्भ में लागू हो और समुदाय के हाथ में सेवा की तरह पहुँचे, न कि महँगी और जर्जर परियोजनाओं की तरह।

अर्थव्यवस्था भी एक कारक है। पानी को सस्ती और असीम संसाधन मानकर उपयोग करना महँगा पड़ रहा है। पानी की असल कीमत और उसकी बाह्य लागतों (जैसे स्वास्थ्य, पर्यावरण, पुनर्स्थापन) को समझ कर नीति निर्माताओं को पानी के प्रबन्धन के आर्थिक मॉडल बनाए जाने चाहिए। टैक्स नीति, सब्सिडी का निर्धारण और पानी के उचित मूल्य निर्धारण से गैर–जरूरी उपयोग को रोका जा सकता है, किन्तु इसके साथ सामाजिक सुरक्षा की भी व्यवस्था आवश्यक है ताकि गरीबों की आजीविका प्रभावित न हो।

हमारे सांस्कृतिक और आध्यात्मिक मूल भी पानी की रक्षा के लिए प्रेरणा दे सकते हैं। इतिहास में जल–पूजन, तालाब, और पवित्र नदियों की परंपरा रही है जो केवल जल का धार्मिक महत्व ही नहीं, सामाजिक साझा करने का बोध भी देती है। इस संवेदनशीलता को फिर से जगाकर और इसे आधुनिक सबक के साथ जोड़कर हम पानी के प्रति सम्मान और संरक्षण का भाव बढ़ा सकते हैं।

यदि हम आज भी देर करें तो आने वाली पीढ़ियाँ वही सवाल करेंगी जो हमने पूछा: हमने क्या किया? क्या हमने अपने नदियों, तालाबों और भूमिगत जल को बचाया? जवाब तभी सकारात्मक होगा जब नीति, तकनीक, समुदाय और संस्कृति एक साथ काम करें। पानी के हर एक बूंद का महत्त्व समझें; नल से बहती पानी की हर बूँद की कीमत जानें; वर्षा को रोकें नहीं, सम्हालें; और अपने बच्चों को पानी का सम्मान सिखाएं। तभी हम उस दिन से बच पाएँगे जब सचमुच हर गली, हर घर में "तरसेंगे हम पीने के पानी को" केवल एक कड़वी याद न बन कर एक चेतावनी ही बनी रहे।

–अतिथि संपादक
अविनाश जोशी,
वरिष्ठ पत्रकार एवं कॉरपोरेट सलाहकार

विश्व पर्यावरण दिवस विशेष (5 जून)......

जयपुर: छह सौ बावड़ियों का विलाप

भू-जल के अंधाधुंध दोहन, कंक्रीट विस्तार और नीतिगत लापरवाही ने पारंपरिक जल संरचनाओं को किया खत्म

मणिमाला शर्मा

एक समय जल–संरक्षण की मिसाल रहा जयपुर आज अति–दोहित भू–जल, प्रदूषण और अतिक्रमण के बोझ तले कराह रहा है। सवाल यह है कि क्या शहर अपनी खोई हुई जल–स्मृति को वापस पा सकेगा

हम एक ऐसे आत्मघाती और संवेदनहीन दौर में जी रहे हैं जहाँ प्यास से तड़पते गले और सूखती नदियां भी हमारी सोई हुई चेतना को जगाने में नाकाम साबित हो रही हैं। हर साल पांच जून को पर्यावरण दिवस के नाम पर रस्मी तौर पर कुछ सरकारी पौधे रोप देना, वातानुकूलित कमरों में बैठकर जल संकट पर चिंता जताना और प्रकृति–प्रेम का ढोंग रचना हमारी आदत बन चुकी है। लेकिन इस पाखंड की ओट में छिपा डरावना सच यह है कि जब हम मंचों से पानी बचाने की खोखली दुहाई दे रहे होते हैं, तब तक राजधानी जयपुर की एक बड़ी आबादी पानी की एक–एक बूंद के लिए सड़कों पर टैंकरों के पीछे भागने को अभिशप्त हो चुकी होती है। शहर अब पूरी तरह कंक्रीट के जंगल में तब्दील होने के कगार पर पहुँच चुका है। पहले चारों ओर जहाँ हरियाली दिखाई देती थी वहीं अब बहुमंजिली इमारतों ने हरियाली की जगह ले ली है। हरियाली अब बस बालकनी और छतों पर तखे हुए गमलों में सिमट कर रह गई है। इसका मुख्य संकट जल संकट के रूप में सामने आया है।

जयपुर का जल संकट अब कोई दूर की कौड़ी या भविष्य की चेतावनी नहीं है; यह हमारे वर्तमान का वह जलता हुआ यथार्थ है जो हमारी चौखट तक आकर हमें निगलने को तैयार खड़ा है। इस संकट का सबसे खौफनाक चेहरा देखना हो, तो हमें जयपुर की मरती हुई कोख को समझना होगा। केंद्रीय भू–जल बोर्ड और राज्य सरकार की संयुक्त गतिशील भू–जल संसाधन आकलन की ताज़ा रिपोर्ट किसी भी संवेदनशील समाज को हिलाकर रख देने के लिए काफी है।

इस रिपोर्ट के चौंकाने वाले आधिकारिक आंकड़े बताते हैं कि जयपुर जिला पूरी तरह अति–दोहित यानी क्षमता से अधिक शोषित की श्रेणी में आ चुका है। इस रिपोर्ट के चौंकाने वाले आधिकारिक आंकड़े बताते हैं कि राजस्थान के कुल तीन सौ दो भू–जल क्षेत्रों में से सत्तर प्रतिशत से अधिक यानी दो सौ चौदह क्षेत्र अति–दोहित यानी क्षमता से अधिक शोषित की श्रेणी में आ चुके हैं। जयपुर शहर के भीतर और बाहरी औद्योगिक क्षेत्रों में पानी का दोहन इसकी प्राकृतिक पुनर्भरण क्षमता से कई गुना ज्यादा है। हम पाताल से लगातार पानी खींच रहे हैं, जिसे वैज्ञानिक भाषा में भू–जल का क्रूर खनन कहा जाता है। राज्य में भू–जल निकालने की रफ्तार इसके रीचार्ज होने की रफ्तार से 149 फीसदी अधिक है। यानी हम आने वाली पीढ़ियों के हिस्से का पानी आज ही निचोड़ रहे हैं। हम केवल अपना आज नहीं उजाड़ रहे, बल्कि अपनी आने वाली पीढ़ियों के हिस्से का जीवन भी आज ही खींचकर ख़त्म कर रहे हैं।

इस भयानक तबाही का सबसे बड़ा कारण यह है कि हमने आधुनिकता के नशे में चूर होकर जयपुर की सदियों पुरानी जल–प्रणालियों की बेरहमी से हत्या कर दी।

महाराजा सवाई जयसिंह और उनके बाद के दूरदर्शी शासकों ने जब इस शहर को बसाया था, तो इसके जल प्रबंधन के लिए एक अभूतपूर्व ढांचा तैयार किया था। इतिहासकारों के अनुसार, जयपुर के परकोटे और उसके आस–पास पानी सहेजने के लिए छह सौ से अधिक कुओं और बेजोड़ बावडियों का एक ऐतिहासिक जाल बिछाया गया था। लेकिन तथाकथित स्मार्ट और आधुनिक बनने की होड़ में हमने क्या किया? हमने उन छह सौ ऐतिहासिक जल–स्त्रोतों को ज़मीदोज़ कर दिया। आज हालत यह हैं कि उन छ सौ जल स्त्रोतों में से आज गिनती की बीस बावडियां भी ठीक से सांस नहीं ले पा रही हैं। पन्ना मीणा का कुंड, सागर बावड़ी या चीला बावड़ी जैसी चंद बची हुई धरोहरें भी आज पानी सहेजने के बजाय सिर्फ पर्यटन का केंद्र बनकर रह गई हैं। जबकि बाकी की सैकड़ों बावडियों को हमने कचराघर बना दिया या उन पर बहुमंजिला इमारतें खड़ी कर दीं। जब पूरे शहर की जमीन पर कंक्रीट और डामर की अभेद्य परत बिछ जाएगी, तो मानसून का पानी धरती के भीतर जाएगा कैसे?

द्रव्यवती नदी को संवारने के नाम पर उसे कंक्रीट के नाले में बदल दिया गया, और रामगढ़ बांध से लेकर आमेर की झीलों के भराव क्षेत्र पर भू–माफियाओं ने नेताओं और नौकरशाहों की साठगांठ से कब्जा कर लिया। यही वजह है कि राष्ट्रीय हरित अधिकरण को राज्य के लचर और ढीले भू–जल नियमों पर सख्त हथौड़ा चलाना पड़ा और उनके दिशा–निर्देशों को खारिज करना पड़ा। आज स्थिति यह है कि मानसून की थोड़ी सी बारिश भी जयपुर की सड़कों को दरिया बना देती है क्योंकि पानी के पास जमीन के भीतर जाने का कोई रास्ता ही नहीं बचा है।हैरानी और क्षोभ की बात यह है कि इस पूरे जल संकट की बहस को चालाकी से केवल आम आदमी की व्यक्तिगत जिम्मेदारी बताकर छोड़ दिया जाता है। परकोटे के नागरिक से कहा जाता है कि वह नहाते समय बाल्टी का इस्तेमाल करे या ब्रश करते समय नल बंद रखे;जो कि नागरिक चेतना के स्तर पर बिल्कुल सही और जरूरी भी है।

लेकिन जयपुर के आसपास की उन विशाल व्यावसायिक और औद्योगिक इकाइयों का क्या, जो हर दिन जो एक लीटर शीतल पेय, एक कपड़ा या एक टन कागज बनाने के लिए जमीन के सीने से लाखों लीटर पानी डकार जाती हैं? उद्योगों द्वारा फैलाए जा रहे इस जानलेवा जल–निशान पर नीति–निर्माता हमेशा रहस्यमयी चुप्पी साध लेते हैं। वार्षिक भू–जल गुणवत्ता रिपोर्ट के डरावने निष्कर्ष बताते हैं कि जयपुर के कई शहरी और औद्योगिक इलाकों का भू–जल अब सिर्फ खत्म नहीं हो रहा, बल्कि वह फ्लोराइड और नाइट्रेट के अत्यधिक रिसाव के कारण जहरीला और पीने के लिए असुरक्षित हो चुका है।जयपुर का जल संरक्षण केवल पेड़ के नीचे बैठकर आंसू बहाने या हर साल पांच जून को एक औपचारिक कार्यशाला आयोजित करने से नहीं होगा। इसके लिए कड़े कानूनी और नीतिगत फैसलों की जरूरत है।

नगर निगम के साथ ही राज्य सरकार को भी अब कड़े कदम उठाने होंगे ताकि पर्यावरण को नुकसान न पहुँचे। भवन निर्माण उप–नियमों के तहत जयपुर की हर नई और पुरानी व्यावसायिक और आवासीय इमारत में वर्षा जल संचयन को केवल कागजी नक्शों में नहीं, बल्कि जमीन पर अनिवार्य किया जाना चाहिए और इसका उल्लंघन करने वालों पर सख्त कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। सरकार को अपने भारी–भरकम बजट का एक बड़ा हिस्सा जयपुर की परित्यक्त बावडियों और जोहड़ों की गाद निकालने और उन्हें पुनर्जीवित करने में लगाना चाहिए। इतिहास गवाह है कि दुनिया की बड़ी–बड़ी और महान सभ्यताएं सोने या हथियारों की कमी से नहीं, बल्कि पानी की कमी के कारण नेस्तनाबूद हुईं। यदि हम आज भी इस भीषण हकीकत को देखकर अपनी आंखें मूंद रहे हैं, तो यकीन मानिए, अगला विश्व युद्ध सीमाओं के लिए नहीं, बल्कि पानी की आखिरी बोतल के लिए लड़ा जाएगा।

कंक्रीट के आलीशान मकान, चमचमाती गाड़ियां और तिजोरियों में बंद पैसा आपकी प्यास नहीं बुझा पाएंगे। प्रकृति हमें अपनी गलतियां सुधारने का आखिरी और अंतिम मौका दे रही है। यदि इस पर्यावरण दिवस पर भी हमारी नीति और नियत नहीं बदली, तो जयपुर का वैभव सिर्फ इतिहास की किताबों के पन्नों पर बचेगा और आने वाली पीढ़ी हमारी इस आपराधिक लापरवाही के लिए हमें कभी माफ नहीं करेगी।

–मणिमाला शर्मा
वरिष्ठ पत्रकार और विश्लेषक

"कॉकरोच जनता पार्टी"......डरना जरूरी नहीं है

राम निवास बैरवा

भारतीय उप महाद्वीप में कई देश हो सकते हैं, परन्तु सभी की आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक समस्यायें लगभग एक जैसी ही हैं। इस उप–महाद्वीप के आंदोलन भी लगभग एक समान हैं। श्रीलंका में और बाद में बांग्लादेश में युवाओं का कथित आंदोलन जहां पुरानी राजनीतिक पार्टियों के हाथों चला गया, वहीं नेपाल में एक नई पार्टी बनाकर सत्ता प्राप्त की, लेकिन कुछ मूलभूत समस्याओं के सुधारवादी उपायों के अलावा नेपाल में और कोई खास परिवर्तन नहीं किए जा सके।

भारत में भी उन्हीं समस्याओं को लेकर आम आदमी पार्टी बनी, और दिल्ली में सरकार बनाकर केंद्र में बैठी भारतीय जनता पार्टी की सरकार की आँख की किरकिरी बनी। परिणाम किसी से छुपा नहीं है। वहां के मुख्यमंत्री सहित कई मंत्रियों को जेल भेजा गया, बिना किसी प्रमाणित अपराध के। इसी से सीख लेकर तमिलनाडु में परम्परागत द्रमुक और अन्नाद्रमुक की रस्साकस्सी के बीच भाजपा ने फिल्म अभिनेता विजय थलपति (सी. जोसेफ विजय) को आगे करके उसकी टीवीके (Tamilaga Vettri Kazhagam TVK) नाम की पार्टी के जरिए तमिलनाडु की मजबूत पार्टियों को समाप्त करने की कोशिश की और सफल रही।

इसी बीच एक मामूली सी बात को लेकर भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकान्त ने व्यक्तिगत रूप से उलाहना देने वाले शब्द 'कॉकरोच' का इस्तेमाल करके पूरे बेरोजगार युवाओं को 'कॉकरोच' और 'परजीवी' कहकर उसे एक सामूहिक गाली में बदल दिया। "आम आदमी पार्टी" के एक पुराने कार्यकर्त्ता अभिजीत दीपके ने मुख्य न्यायाधीश द्वारा दी गई उस गाली को एक व्यंग के रूप में "कॉकरोच जनता पार्टी" के नाम से सोशल मीडिया पर प्रसारित कर दिया। देखते ही देखते करोड़ों लोगों ने सोशल मीडिया पर समर्थन देकर उसे एक राजनीतिक पार्टी में बदल दिया। दीपके अरविंद केजरीवाल की तरह आम सभाएं नहींकर सकते थे, लेकिन शीघ्रता से प्रचारित–प्रसारित होने वाले सोशल मीडिया के माध्यम से करोड़ों लोगों के बीच पहुँच बना ली। जैसा कि हमेशा ही होता है, सरकार उस व्यक्ति या उन लोगों को व्यक्तिगत निशाना बनाना शुरू कर दिया है– जैसे कि युवा–बेरोजगार इस देश के दुश्मन हों और पाकिस्तान में बैठकर भारत सरकार के खिलाफ कोई राजनीतिक अभियान चला रहे हों।

"युवा कौन होते हैं और उनका भविष्य क्या है?"

दरअसल युवक आबादी का वह हिस्सा होते हैं जिनको देश के भावी कर्णधार बताकर उनकी झूठी तारीफ की जाती है। पर वे सत्ताधारी लोगों और उनकी पार्टियों की नजरों में वही होते हैं जैसा सत्ता के एक प्रमुख अंग, मुख्य न्यायाधीश ने उन्हें संबोधित किया है, 'कॉकरोच', 'परजीवी'।

वे परजीवी, कॉकरोच क्यों हैं?

कृषि अनगिनत बेरोजगारों को अपने में समाहित कर लेती ह उन्हें भूखा नहीं मरने देती है। परन्तु आधुनिक और मॉडर्न शिक्षा पद्धति बेरोजगार पैदा करने की फैक्ट्रियां बनी हुई हैं। वे युवा हैं, बेरोजगार हैं, परंतु वे किसान नहीं हैं, वे मजदूर नहीं हैं, उनकी राष्ट्रीय उत्पादन में कोई भागीदारी नहीं है, उनकी राष्ट्रीय उत्पादन में कोई भूमिका नहीं होती है, इसलिए वे परजीवी हैं, इसलिए वे कॉकरोच हैं। जब वे स्कूल, कॉलेजों नामक फैक्ट्रियों से बाहर निकलते हैं तो वे न तो युवा होते हैं न ही देश के कर्णधार। वे सिर्फ बेरोजगार होते हैं जिन्हें रोजगार की तलाश है। और रोजगार देने वालों के लिए वे हिन्दू होते हैं, रोजगार देने वालों के लिए वे मुसलमान होते हैं, रोजगार देने वालों के लिए वे ईसाई और आदिवासी होते हैं। इससे भी आगे बढ़कर वे अनुसूचित जाति के होते हैं, वे अनुसूचित जनजाति के होते हैं, रोजगार देने वालों के लिए वे बनिया, गुप्ता, माहेश्वरी होते हैं। कहीं वे यादव होते हैं तो कहीं चमार होते हैं। लेकिन रोजगार देने वालों के लिए वे 'कर्मचारी' नहीं होते है, रोजगार देने वालों के लिए वे मजदूर नहीं होते हैं। वे सिर्फ नाकरी मांगने वाले होते हैं। इसीलिए वे एक वेकेंसी के पीछे सैंकड़ों हजारों की संख्या में ऐसे दौड़ते है .... ऐसे दौड़ते हैं ... जैसे कॉकरोच।

जब युवाओं की, देश के भावी कर्णधारों की कोई पहचान ही नहीं है तो वे सामन्तवाद के ताने–बाने से ही अपनी पहचान बनाते हैं। यहीं पहचान उन्हें कॉकरोच बनाती है, यही पहचान उन्हें परजीवी बनाती हैं, जिन्हें परजीवियों की सत्ता अपने मनमुताबिक ढ़ालकर उनका इस्तेमाल करती है। सरकार की नजरों में वे बेशक बेरोजगार हो परन्तु वे दया के पात्र होते हैं, परजीवी हैं। शुक्र है न्यायाधीश महोदय ने उनको कॉकरोच, परजीवी की तो पहचान दी; अन्यथा कॉलेजियम के अनुसार तो वे अदालत के अदब तक नहीं जानते।

आखिर वे अदाब कहां से सीखंगे, जब रोजगार देने के नाम पर ली जाने वाली परीक्षाएं एक मजाक बन कर रह जाती हैं। वैसे तो हर साल, कई वर्षों से परीक्षाओं के पेपर समय से पहले ही लीक कर दिये जाते हैं और नौकरियों के लिए चयन प्रक्रियाएं अधर में लटका दी जाती है। इसी वर्ष, 2026 में नीट–यूजी की परीक्षाओं के पेपर लीक करवा के लाखों डॉक्टर– इंजिनियर बनने का सपना देखने वाले बेरोजगारों को कॉकरोच – परजीवी बनाने का ही तो तरीका है। ... और, ग्लोबलाइजेशन की कई शर्तों में से एक शर्त यही तो है कि प्रशासनिक खर्चों में 30 प्रतिशत की कमी करना होगा जिनमें नौकरियों को समाप्त करना भी शामिल है। नौकरियां कैसे खतम हों, खाली पदों का लालच दो पर उन्हें पूरा नहीं करो। नौकरियों के इंतजार में युवा ओवरएज होकर राजनीतिक दलों और माफियाओं के लिए काम करने वाले बनने को मजबूर होंगे ही।

सी.बी.एस.ई. के एक लडके वेदांत ने जब पूरी सरकार और सी.बी.एस.ई. के परीक्षा तंत्र और नाकामियों को उजागर किया तो पूरी सरकार, उसका मीडिया, पूरा सी.बी.एस.ई तंत्र उस बच्चे को गलतसाबित करने की कोशिशें की और उनका ब्रह्मास्त्र भी चला कर उसे पाकिस्तानी कह दिया। युवाओं में सरकार को गलत साबित करने की पूरी क्षमता भी है, परंतु सरकारी तंत्र के सामने बेबस होर रह जाते हैं। जब वे सरकारी तंत्र को गलत साबित हैं तो वे महज युवा नहीं होते हैं, बल्कि वे देश की चिंता कर रहे होते हैं, वे एक इमानदार और जिम्मेदार सरकारी तंत्र की चाहत रखते हैं। उनकी इसी चाहत को खतम करने के लिए, उनकी इसी चाहत को जनता की, मजदूरों की, किसानों की अग्रिम वैचारिक पंक्ति नहीं बनने देने के लिए ही उन्हें कॉकरोच और परजीवी की दिया जाता है।

ऐसे में राजनीतिक पार्टियां उन्हें हिन्दू, मुसलमान, ईसाई, आदिवासी, भंगी, चमार, यादव, जाट, ब्राह्मण, बनिया बनाकर उनका इस्तेमाल करती हैं। राजनीतिक पार्टियों के इस्तेमाल किए जाने के लिए पहली शर्त उन युवाओं का बेरोजगार होना जरूरी है। दूसरी शर्त, उनकी क्षमता पर निर्भर करता है कि वे संपत्तियों कितनी तोड़–फोड़ कर सकते हैं, कितना हंगामा कर सकते हैं, कितनी भीड़ जुटा सकते हैं और कितना पैसा इकट्ठा करके पार्टी फंड के नाम से बडे.नेताओं को दे सकते हैं और अपनी खुद की आर्थिक स्थिति को भी अच्छी बनाकर अपनी ही जाति, अपने ही धर्म में सम्मानित व्यक्ति बनकर वार्ड मेंबर, सरपंच, एम.एल.ए, एम.पी. यहां तक कि मंत्री भी बन सकता है और अपने विवेक को अपनी बुद्धि को मेजें थपथपाने और हाथ खड़ा करने में प्रकट करता है।

लेकिन किसी युवा को न तो मजदूर बनने दिया जाता है और न ही किसान। वे अस्थाई मजदूर बन सकते हैं। उनके जीवन में सामाजिक स्थायित्व नहीं आ पाता। इसी कारण वे किसी भी सामाजिक, राजनीतिक या आर्थिक परिवर्तन के संवाहक नहीं बन पा रहे हैं।

युवाओं आंदोलन क्रांति में नहीं बदलते हैं।मजदूरों के, किसानों के आंदोलन अंततः राजनीतिक क्रांति में बदल जाते हैं, जिनका पहला काम अर्थव्यवस्था को बदलना होता है। फ्रांस का 1793 का किसान आंदोलन "रोटी मांगने वाले किसान केक क्यों नहीं खाते" जैसे अबोध बच्ची के कथन को कटाक्ष मानकर फ्रांस के पूरे राजपरिवार को खतम कर चुका था। "कॉकरोच–परजीवी" का कथन अबोध बच्ची जैसा कथन नहीं था, और ना ही मजदूरों–किसानों के लिए था बल्कि एक पीढ़ी, युवा पीढ़ी पर पूरे सरकारी तंत्र द्वारा किया गया कटाक्ष था।

संविधान के अन्तर्गत निर्मित सरकार और उसके विभिन्न अंगों का ढांचा दरअसल बच्चों और युवाओं का संरक्षक होना चाहिए। लेकिन कोई भी सरकारी तामझाम और संवैधानिक प्राधिकारी उन युवाओं का संरक्षक नहीं बन कर उन्हें तिरस्कृत करने में लगा हैं। पीढ़ियों के सामाजिक अन्तर को GEN-Z (जनरेशन–जेड) कहकर उनकी ब्राडिंग कर रहे हैं जबकि भारत के युवाZEN-G (Zen-Generation) यानि कि शांत और गम्भीर पीढी (जेन–जनरेशन) बनी हुई है और संवैधानिक व्यवस्था से अपनी अपेक्षाएं बनाए रखे हुए हैं। वे अभी आखरी पीढ़ी (Gen-Z) नहीं बनना चाहती, यह बात सरकारों और संवैधानिक पदाधिकारियों को समझ लेनी चाहिए।

नीट पेपर लीक मामले की सुनवाई के दौरान जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा और जस्टिस आलोक आराधे की पीठ ने टिप्पणि की कि "क्षमता किसी व्यक्ति में नहीं, बल्कि संस्था में होती है। आपको इसी के लिए तैयारी करनी है।" फिर 'कॉकरोच' और 'परजीवी' कहने वाले जस्टिस सूर्यकांत एक व्यक्ति थे या संस्था?

-राम निवास बैरवा,
पूर्व क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शुक्रवार 5 जून, 2026

द्वितीय ज्येष्ठ मास (अधिक), कृष्ण पक्ष, पंचमी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2083, श्रवण नक्षत्र शनिवार प्रातः 6:03 तक, ब्रह्म योग प्रातः 9:42 तक, कौलव करण दिन 12:26 तक, चन्द्रमा आज मकर राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–वृष, चन्द्रमा–मकर, मंगल–मेष, बुध–मिथुन, गुरू–कर्क, शुक्र–मिथुन, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह

आज सर्वार्थ सिद्धि योग और कुमार योग सूर्योदय से सम्पूर्ण दिन–रात है। आज विश्व पर्यावरण दिवस है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 7:19 तक, लाभ अमृत 7:19 से 10:43 तक, शुभ 12:25 से 2:07 तक, चर 5:32 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 5:37, सूर्यास्त 7:14

मेष
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है।

वृष
नवीन कार्यों के संबंध सकारात्मक संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी।

मिथुन
परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
व्यक्तिगत परेशानियां दूर होने लगेगी। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

सिंह
आज आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। आपसी ईर्ष्या–वैमनस्यता के कारण परेशानी हो सकती है। व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा।

कन्या
घर–परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में चल रहे आपसी मतभेद दूर होने लगेंगे।

वृश्चिक
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

धनु
घर–परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। आज मन में असंतोष बना रहेगा।

कुंभ
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा।

मीन
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी।

जेएलएन अस्पताल में संविदा नर्सिंगकर्मियों का प्रदर्शन, सेवा समाप्ति आदेश वापस लेने की मांग

अजमेर के जेएलएन अस्पताल परिसर में गुरुवार को संविदा नर्सिंगकर्मियों ने सेवा समाप्ति के आदेशों के विरोध में धरना-प्रदर्शन किया।

■ कर्मचारियों ने इस निर्णय को अन्यायपूर्ण बताते हुए सरकार और प्रशासन से आदेश वापस लेने की मांग की

अजमेर, (कासं)। अजमेर के जवाहरलाल नेहरू (जेएलएन) अस्पताल परिसर में गुरुवार को संविदा नर्सिंगकर्मियों ने सेवा समाप्ति के आदेशों के विरोध में धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में शामिल करीब 227 संविदा नर्सिंग कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि वे पिछले दो से तीन वर्षों से अस्पताल में लगातार सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन बिना किसी पूर्व सूचना के उन्हें कार्यमुक्त कर दिया गया है।

कर्मचारियों ने इस निर्णय को अन्यायपूर्ण बताते हुए सरकार और प्रशासन से आदेश वापस लेने की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो वे अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू करने को मजबूर होंगे। **मार्च 2027 तक वित्तीय स्वीकृति होने का दावा:** प्रदर्शन कर रहे नर्सिंगकर्मियों का कहना है कि उनकी सेवाओं के लिए वित्तीय स्वीकृति मार्च 2027 तक जारी है। इसके बावजूद अचानक सेवा समाप्ति के आदेश जारी कर दिए गए, जिससे कर्मचारियों और उनके परिवारों के सामने रोजगार का संकट खड़ा हो गया है। कर्मचारियों का आरोप है कि जेएलएन मेडिकल कॉलेज में राजमैश योजना के तहत 323 नर्सिंग स्टाफ पद आवंटित किए गए हैं, जबकि अजमेर मेडिकल कॉलेज इस योजना के दायरे में नहीं आता। ऐसे में संविदा कर्मचारियों को हटाना उचित नहीं है।

वर्षों से दे रहे हैं निरंतर सेवाएं: नर्सेज कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष विशाल पाराशर व नर्सिंग ऑफिसर संगीता सिसोदिया ने बताया कि संविदा नर्सिंगकर्मी पिछले कई वर्षों से मॉर्निंग, इवनिंग और नाइट शिफ्ट में लगातार सेवाएं दे रहे हैं। सीमित वेतन में कार्य करने के बावजूद कर्मचारियों ने अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं को सुचारू बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उन्होंने कहा कि अचानक सेवाएं समाप्त किए जाने से 227 परिवारों की आजीविका पर संकट आ गया है। सरकार को चाहिए कि या तो राजमैश के तहत नियुक्त कर्मचारियों को अन्यत्र समायोजित किया जाए या फिर वर्तमान संविदा कर्मचारियों की सेवाएं यथावत जारी रखी जाएं।

बोनस अंक और भविष्य की संभावनाओं पर भी असर: नर्सिंग ऑफिसर दशरथ सिसोदिया ने बताया कि कई संविदा कर्मचारियों की सेवा अवधि पूरी होने पर भविष्य की भर्तियों में उन्हें बोनस अंक मिलने थे। सेवा समाप्ति के कारण उनका यह लाभ भी प्रभावित होगा। उन्होंने कहा कि कर्मचारी किसी विशेष सुविधा की मांग नहीं कर रहे हैं, बल्कि केवल अपने कार्यकाल की निरंतरता चाहते हैं ताकि उनका रोजगार और भविष्य सुरक्षित रह सके।

बढ़ी जिम्मेदारियां, नहीं बढ़े स्वीकृत पद: प्रदर्शनकारियों का कहना है कि पिछले दस वर्षों में जेएलएन मेडिकल कॉलेज में नर्सिंग स्टाफ के स्वीकृत पदों में कोई उल्लेखनीय बढ़ोतरी नहीं हुई है, जबकि अस्पताल में कई नए विभाग और सेवाएं शुरू हो चुकी हैं। ऐसे में नर्सिंग स्टाफ की आवश्यकता पहले की तुलना में अधिक हो गई है। कर्मचारियों ने मांग की कि राजमैश योजना के पद अलग से स्वीकृत किए जाएं तथा वर्तमान संविदा नर्सिंग स्टाफ को यथावत बनाए रखा जाए।

मांगें नहीं मानी गईं तो होगा आंदोलन तेज: धरने में शामिल कर्मचारियों ने स्पष्ट किया कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र सुनवाई नहीं हुई और सेवा समाप्ति के आदेश वापस नहीं लिए गए तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। उन्होंने अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू करने की चेतावनी देते हुए सरकार से संवेदनशीलता के साथ मामले का समाधान करने की अपील की।

एडीए के हरीश अग्रवाल की एक प्रेरणादायक पहल

अजमेर(कासं)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देशवासियों से पेट्रोल-डीजल की बचत तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए किए जा रहे आव्हान को सार्थक रूप देते हुए अजमेर विकास प्राधिकरण (एडीए) के अधीक्षण अभियंता हरीश अग्रवाल ने एक प्रेरणादायक पहल की है। उन्होंने अपने निवास स्थान से अजमेर विकास प्राधिकरण कार्यालय तक पैदल पहुंचकर ऊर्जा संरक्षण और स्वस्थ जीवनशैली का संदेश दिया। गुरुवार सुबह हरीश अग्रवाल अपने घर से पैदल रवाना हुए और निर्धारित समय पर एडीए कार्यालय पहुंचे।

इस दौरान उन्होंने बताया कि पेट्रोल और डीजल जैसे जीवाश्म ईंधनों की बचत आज समय की आवश्यकता है। छोटे-छोटे प्रयासों से न केवल ईंधन की खपत कम की जा सकती है, बल्कि पर्यावरण प्रदूषण को भी नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है। उनकी इस पहल की कार्यालय कर्मियों एवं शहरवासियों ने सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक कदम बताया। लोगों का कहना है कि जब प्रशासनिक अधिकारी स्वयं इस प्रकार की पहल करते हैं तो आमजन में भी जागरूकता बढ़ती है। और सकारात्मक संदेश समाज तक पहुंचता है।

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी जोन किशनगढ़ अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

क्रमांक/LU2012/ADA/2026-27/102035 दिनांक : 2/06/2026

लोक सूचना

श्रीमति SMT. SANTOSH पत्नी श्री SHRI LAKSHMAN जाति BHAMBHI निवासी 254, SHREE NAGAR ROAD, NEHRU NAGAR, AJMER. ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का आवासीय प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारी के निस्तारण के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात :-

क्र सं.	ग्राम तहसील और जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल (वर्ग मीटर)	क्षेत्रफल (हैक्टे.)
1.	रामनेर ढाणी, अजमेर (अजमेर)	SMT. SANTOSH	3999/1486	1700	0.17
				कुल	0.17

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन उपरोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर अपनी एसएसओ आईडी से लॉग इन कर 90-A For Development Authority (UDH) आइकॉन पर जाकर समर्थक दस्तावेज को अपलोड कर अपना आक्षेप दर्ज कर सकते हैं। उपयुक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जावेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 02-06-2026 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी जोन किशनगढ़ अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी नगर परिषद मकराना जिला-डीडवाना, कुचामन

क्रमांक-न.पा.म./90ए/26-27/996 **लोक सूचना** दिनांक-04.06.2026

इस कार्यालय में नीचे उल्लेखित भूमि के निम्न खातेदार द्वारा गैर कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृत अधिकारों के निर्वापन के लिए प्रस्तुत किया है।

क्र. सं.	आवेदक का नाम	जिले सहित तहसील का नाम	राजस्व ग्राम	खसरा नं.	क्षेत्रफल	प्रयोजनार्थ
1.	राधेश्याम भाटी पुत्र शंकरलाल जाति बावरी निवासी शिव बस्ती काला नाडा	तहसील मकराना जिला डीडवाना कुचामन	जूसरिय	399/59	6292.82 वर्गमीटर	आवासीय प्रयोजनार्थ

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अनिवृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिवृत्ति अधिकारों के निर्वायन पर कोई आक्षेप है तो यह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक को जारी की गयी।

- आयुक्त, नगर परिषद, मकराना

कार्यालय नगरपालिका गुलाबपुरा जिला-भीलवाडा (राजस्थान)

भीलवाडा रोड रोडवेज बस स्टेण्ड के पास

E-Mail ID-eombgbp@yahoo.in npbgulabpura@gmail.com Telephone No.01483-223079

क्रमांक/न0पा0गु0/कृषि भूमि/2026/231-233 दिनांक- 01/06/2026

- आपत्ति आमंत्रण सूचना-

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि विखण्डन/नामान्तरण/निमार्ण स्वीकृति नियमन के तहत् निम्नानुसार आवेदन प्राप्त हुए है जिसके निस्तारण किए जाने मे किसी आम-खास/संस्था आदि को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो अन्दर मियाद 07 दिवस मे लिखित रूप से आपत्तिकर्ता मय अपने दस्तावेजो के इस कार्यालय मे अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष अपनी आपति दर्ज करवा सकते है। बाद मियाद आवेदक (अन्तिम क्रेता) के पक्ष मे नियमन की कार्यवाही कर दी जावेगी

क्र. सं.	ऑनलाईन आवेदन क्रमांक	नाम आवेदक	भूखण्ड संख्या	साईज	क्षेत्रफल (वर्गगज)	कॉलोनी व भूखण्ड के पड़ौस	फाईल का प्रकार
1.	363900 30.05.2026	श्री गनेश लाल गुर्जर पुत्र श्री भैरू लाल गुर्जर, पाटन(आसीन्द)	52	25'X40'	111.11	नाकोडा नगर, गुलाबपुरा । पूर्व - भूखण्ड संख्या 45 स्थित। पश्चिम- रोड 20 फिट चौडा स्थित। उत्तर- रोड 25 फिट चौडा स्थित। दक्षिण- भूखण्ड संख्या 51 स्थित।	कृषि भूमि नियमन
2.	363904 30.05.2026	श्री गजानन्द शर्मा पुत्र श्री सीता राम शर्मा, गुलाबपुरा	57	25'X40'	111.11	नाकोडा नगर, गुलाबपुरा । पूर्व - रोड 20 फीट स्थित। पश्चिम- भूखण्ड संख्या 64 स्थित। उत्तर- रोड 20 फीट स्थित। दक्षिण- भूखण्ड संख्या 58 स्थित।	कृषि भूमि नियमन
3.	291249 13.10.2025	श्रीमती शारदा देवी पत्नि श्री भंवर लाल गुर्जर, बडला	63	25'X40'	111.11	नाकोडा नगर, गुलाबपुरा। पूर्व - भूखण्ड संख्या 58 स्थित। पश्चिम- आम रास्ता 20 फीट चौडा स्थित। उत्तर- भूखण्ड संख्या 64 स्थित। दक्षिण- भूखण्ड संख्या 62 स्थित।	कृषि भूमि नियमन
4.	363906 30.05.2026	श्री अमित कुमार पुत्र श्री बीरपाल सिंह जाट, गौतम बुद्ध नगर (यू.पी.)	69	25'X40'	111.11	नाकोडा नगर, गुलाबपुरा। पूर्व - रोड 20 फीट चौडा स्थित। पश्चिम- अन्य आराजी स्थित। उत्तर- रोड 25 फीट चौडा स्थित। दक्षिण- भूखण्ड संख्या 70 स्थित।	कृषि भूमि नियमन
5.	363910 30.05.2026	श्रीमती शारदा देवी पत्नि श्री भंवर लाल गुर्जर, बडला	38	25'X40'	111.11	नाकोडा नगर, गुलाबपुरा । पूर्व - भूखण्ड संख्या 35 स्थित। पश्चिम- रोड 20 फीट चौडा स्थित। उत्तर- भूखण्ड संख्या 39 स्थित। दक्षिण- भूखण्ड संख्या 37 स्थित।	कृषि भूमि नियमन
6.	363913 30.05.2026	श्री दीपक शर्मा पुत्र श्री रामकिशोर वर्मा, सुल्तानपुर, (यू.पी.)	39	25'X40'	111.11	नाकोडा नगर, गुलाबपुरा । पूर्व - भूखण्ड संख्या 37 स्थित। पश्चिम- रोड 20 फीट चौडा स्थित। उत्तर- भूखण्ड संख्या 40 स्थित। दक्षिण- भूखण्ड संख्या 33 स्थित।	कृषि भूमि नियमन

-अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका,गुलाबपुरा

NAME CHANGE

I, Muthuirulayi Mother of Army No. 23003445P, GNR(DMT), Maruthupandi M, Residing at Vill & Po:- Melauppiligundu, Tehsil:- Kallikudi, Dist:- Madurai, Tamil Nadu, 625022 have change my name from Muthuirulayi to Muthuirulayi M vide affidavit no. CF 288544 dt 04/06/2026 at court campus Nasirabad

NAME CHANGE

I, Army No. 17029340K, Sep, B K Sahoo, Residing at Vill:- Bhingarpur, Po:-Sasan, Tehsil:-Balianta, Dist:- Khordha, Odisha, 752102 have change my Father's name from Bijay Kumar Sahoo to Bijaya Kumar Sahoo vide affidavit no. CF 288534 dt 04/06/2026 at court campus Nasirabad

NAME CHANGE

I, Army No. 14648734M, Hav(DMT), Ajay Kumar Yadav, Residing at Vill:- Bilrua, Po:-Rudalpur, Tehsil:- Hathua, Dist:- Gopalganj, Bihar, 841426 have change my Wife's name from Poonam Devi to Poonam Yadav vide affidavit no. CF 288533 dt 04/06/2026 at court campus Nasirabad

फलदार एवं छायादार पौधों का वितरण

ब्यावर, (निसं)। विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर भारतीय जनता पार्टी आशापुरा माता मंडल, ब्यावर द्वारा गुरुवार को गुरुद्वारा परिसर में पर्यावरण संरक्षण और जनजागरूकता के उद्देश्य से संगोष्ठी एवं पौधा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ आमजन को 200 फलदार एवं छायादार पौधों का नि:शुल्क वितरण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता पूर्व विधायक एवं पूर्व जिलाध्यक्ष देवीशंकर भूतड़ा ने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण केवल सामाजिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व की अनिवार्य आवश्यकता बन चुका है। उन्होंने कहा कि बढ़ते प्रदूषण, जल संकट और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियां पूरी दुनिया के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं। इनसे निपटने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को पौधारोपण और प्रकृति संरक्षण का संकल्प लेना होगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा संचालित 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की सराहना करते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनके संरक्षण का आव्हान किया।

ब्यावर में मंत्री रावत ने राजियावास तालाब में सुराघाटा फीडर निर्माण को मंजूरी दी

ब्यावर (निसं) ग्राम पंचायत राजियावास के ऐतिहासिक तालाब की पाल पर गुरुवार को वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान कार्यक्रम में पधारे जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने क्षेत्र को बड़ी सौगात दी। मंत्री रावत ने सरपंच/प्रशासक ब्रजपाल सिंह रावत की 63 वर्षों से लंबित मांग को पूरा करते हुए राजियावास तालाब में जल आवक बढ़ाने वाले सुराघाटा फीडर के निर्माण के लिए 6 करोड़ रुपये की स्वीकृति की घोषणा की।

मंत्री ने मौके पर ही विभागीय अधिकारियों को सुराघाटा फीडर का विस्तृत एस्टीमेट तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही प्रशासक ब्रजपाल सिंह रावत की मांग पर राजियावास तालाब को पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना में शामिल करने हेतु कार्ययोजना बनाने के आदेश भी दिए। इन घोषणाओं से कार्यक्रम में उपस्थित सैकड़ों ग्रामीणों में खुशी की लहर दौड़ गई। तालाब का विहंगम दृश्य देख हुए अभिभूत -मंत्री रावत ने तालाब की पाल से लबालब भरे जलाशय का विहंगम दृश्य देखकर ग्रामीणों की सराहना की। उन्होंने ग्रामीणों से तालाब की प्राकृतिक सुंदरता एवं स्वच्छता बनाए रखने तथा जल संरक्षण में सक्रिय भागीदारी की अपील की।

वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान कार्यक्रम में पधारे मंत्री रावत ने क्षेत्र को बड़ी सौगात दी।

इसके पश्चात मंत्री ने तालाब की पाल स्थित शिव मंदिर में पंचामृत से शिवलिंग का अभिषेक किया, दीप प्रज्ज्वलित कर क्षेत्र में समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। पंडित राधेश्याम शर्मा ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ विधि-विधान पूर्वक पूजा अर्चना करवाई तथा पीपल पूजन कर वृक्षारोपण भी किया।

विधायक ने बताया सांझी धरोहर : क्षेत्रीय विधायक शंकरसिंह रावत ने सरपंच ब्रजपालसिंह की दोनों मांगों को जायज बताते हुए मंत्री से इन्हें शीघ्र पूरा करने का आग्रह किया। उन्होंने राजियावास तालाब को राजियावास एवं कालिंजर गांवों की सांझी ऐतिहासिक धरोहर बताते हुए इसके संरक्षण पर जोर दिया।

21 किलो की पुष्पमाला से हुआ भव्य स्वागत: सरपंच/प्रशासक ब्रजपालसिंह रावत के नेतृत्व में ग्रामीणों ने जयघोष के साथ जल संसाधन मंत्री का 21 किलो की विशाल पुष्पमाला पहनाकर भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर भाजपा देहात जिलाध्यक्ष जीतमल प्रजापत, प्रधान गणपतसिंह रावत, सरपंच संघ अध्यक्ष महिपालसिंह, एडीएम ब्रह्मदत्त जाट, मंडल अध्यक्ष जयसिंह सुहावा सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

कार्यालय ग्राम पंचायत दादीया पंचायत समिति अरांई, अजमेर

क्रमांकः ग्रा.प.दा./2026-27/30 ई-निविदा सूचना संख्या /2026-27 दिनांक:03.06.2026

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि एसबीएस/एफएफसी/एसएफसी योजनान्तर्गत ग्राम पंचायत दादिया में कचरा संग्रहण केंद्र निर्माण कार्य की सेवाओं हेतु इच्छुक जी.एस.टी. पंजीकृत निविदादाताओं/फर्मो से निविदाएं आमंत्रित की जाती है। इच्छुक प्रतिष्ठानों से वार्षि दर संविदा/दर अनुबन्ध करने हेतु निर्धारित प्रपत्र ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया से वेबसाइट http://www.rproc.rajasthan.gov.in पर विस्तृत विवरण देखा जा सकता है। निविदाएं निविदा खोलने की दिनांक को उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष क्रय समिति द्वारा खोली जायेगी।

क्र.सं.	ग्राम पंचायत	NIB NO	UBN NO	TENDER Id
1	दादीया	ZAJ2627A0540	ZAJ2627WSRC00548	2026_PRD_564252_1

ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत दादीया, पं.स.अराई, जिला अजमेर — प्रशासक, ग्राम पंचायत दादीया, पं.स.अराई, जिला अजमेर

अजमेर में अस्थायी सफाई कर्मचारियों का आंदोलन तेज

अजमेर, (कासं)। अजमेर नगर निगम के अस्थायी सफाई कर्मचारियों की हड़ताल गुरुवार को लगातार चौथे दिन भी जारी रही। अपनी विभिन्न मांगों को लेकर आंदोलनरत कर्मचारियों ने ठेकेदार के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान कर्मचारियों ने रैली निकालकर ठेकेदार का पुतला दहन किया और अपनी मांगों के समर्थन में जोरदार नारेबाजी की।

आंदोलनरत कर्मचारियों ने ठेकेदार का पुतला फूंककर जताया विरोध।

हड़ताली कर्मचारियों का कहना है कि वे लंबे समय से नगर निगम क्षेत्र में सफाई व्यवस्था का जिम्मा संभाल रहे हैं, लेकिन उन्हें उनके कार्य के अनुरूप उचित पारिश्रमिक और आवश्यक सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि वर्तमान वेतन में परिवार का भरण-पोषण करना कठिन हो गया है, जबकि महंगाई लगातार बढ़ रही है। प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों ने मांग की कि उन्हें प्रतिदिन 500 रुपये के हिसाब से वेतन दिया जाए। कर्मचारियों का कहना है कि वर्तमान भुगतान उनकी मेहनत और कार्यभार की तुलना में काफी कम है। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

कर्मचारियों ने वेतन वृद्धि के साथ-साथ सफाई कार्य के लिए आवश्यक संसाधन और सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराने की भी मांग की। उनका कहना है कि कई बार पर्याप्त उपकरणों के अभाव में उन्हें कठिन परिस्थितियों में कार्य करना पड़ता है, जिससे स्वास्थ्य संबंधी जोखिम भी बढ़ जाते हैं। हड़ताल के दौरान कर्मचारियों ने ठेकेदार के खिलाफ अपना आक्रोश व्यक्त करते हुए उसका पुतला दहन किया। कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि उनकी समस्याओं और मांगों की लगातार अनदेखी की जा रही है। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन से हस्तक्षेप कर जल्द समाधान निकालने की मांग की। कर्मचारियों ने स्पष्ट किया कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वे अपने अधिकारों और सम्मानजनक वेतन के लिए संघर्ष जारी रखेंगे।

श्रीमद भागवत कथा में आस्था का सैलाब उमड़ा

मदनगंज-किशनगढ़, (निस)। धार्मिक परोपकारिणी समिति की और से बालाजी की बगीची में आयोजित भागवत कथा के चौथे दिवस आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा।

विधायक डॉ विकास चौधरी, पूर्व विधायक नाथूराम सिनोदिया, माहेश्वरी समाज अध्यक्ष रामनारायण झंवर, मंत्री किशन बंग, युवा नेता सुभाष चौधरी अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कथा यजमान श्यामसुंदर पूनम अग्रवाल परिवार सहित नन्दलाल सोमानी, अभिषेक बागड, शिवरतन लढा ओमप्रकाश आदि अतिथियों ने लोकप्रिय कथा वाचक अशोक व्यास का माल्यार्पण कर आशीर्वाद लिया। समिति से निरंजन वैद, राधेश्याम बियानी सुभाष सेठी, विनोद बांगड़, प्रेमसागर शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया। कथावाचक अशोक व्यास ने कहा संसार के सभी मोह और बंधन को छोड़कर श्रीमद् भागवत कथा सुनकर भगवान की शरण मे जाने से जीवन का कल्याण होता है।

कार्यालय ग्राम पंचायत देवपुरी पंचायत समिति अरांई, अजमेर

क्रमांकः ग्रा.प.देवपुरी/2026-27/43 ई-निविदा सूचना संख्या 02/2026-27 दिनांक 02.06.2026

ग्राम पंचायत देवपुरी के द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 में महात्मा गांधी ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना एवं अन्य विभिन योजनाओं के संचालित कार्यों के लिए निर्माण सामग्री (यथा ग्रेवल, क्वेरी, रबिश, ईट प्रथम श्रेणी, पत्थर, रेत/बजरी,क्रेशर,ब्रोकन, गिट्टी, सीमेंट, चूना, पट्टियां, वाईडिंग वायर, चिनाई खरन्जा पत्थर, लोहे के दरवाजे एवं खिड़कियां, एनमेल पेंट आदि सामग्री, पानी टेंकर सप्लाई एवं किराये पर सीमेंट कंकरीट मिक्सर, रोड रोलर, सीमेंट कांकरीट इन्टरलॉकिंग ब्लॉक आदि) की वार्षिक दर संविदा/दर अनुबन्ध करने हेतु ई-प्रोक्यूरमेंट पद्धति से निम्नानुसार ऑनलाईन ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है। उपरोक्त निविदाएं हेतु वेब पोर्टल http://www.rproc.rajasthan.gov.in/http://www.eproc.rajasthan.gov.in पर विस्तृत विवरण देखा जा सकता है। निविदाएं निविदा खोलने की दिनांक को उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष क्रय समिति द्वारा खोली जायेगी।

क्र.सं.	ग्राम पंचायत	NIB NO	UBN NO	TENDER Id
1	देवपुरी	ZAJ2627A0542	ZAJ2627GLRC00552	2026_PRD_564305_1

ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत देवपुरी, पं.स.अराई, जिला अजमेर — प्रशासक, ग्राम पंचायत देवपुरी, पं.स.अराई, जिला अजमेर

NOTICE TO SHOW CAUSE
(Appendix H, Form No.4)
In the High Court of judicature for Rajasthan, Bench at Jaipur
D.B.CIVIL REVIEW PETITION NO. 388/2017
IN
D.B.SPECIAL APPEAL(WRITS) NO.1678/2008
RADHEY SHYAM & ORS. VS BOARD OF REVENUE & ORS

To, Respondent No.
4/5, Guddu Sharma 58 years (Daughter) (Resident of 45, Bank Colony, Madhuvan, Alwar (Raj). At Present Residing in Ajmer (Raj.)
Where as the above named Petitioner **Mr. RADHEY SHYAM** has made an application to this court that.
You are hereby warned to appear in the court in person or by a pleader duly instructed on the **03 Day of July 2026 at 10:30 AM** o'clock in the forenoon, to show cause against the application failing wherein, the said application will be heard and determined ex-party. Given under may hand and seal of this court on the **19 Day of May 2026.**

प्रशासनिक अधिकारी न्यायिक
राजस्थान उच्च न्यायालय पीठ, जयपुर

NAME CHANGE

I, Eswrmma Mother of Malleswara Rao Veedhi, Residing at Vill:- Sivarampuram, Po & Tehsil:-Vajrapukotturu, Dist:- Srikakulam, Andhra Pradesh, 532222 have change my name from Eswrmma to Eswarmma Veedhi vide affidavit no. CF 288528 dt 04/06/2026 at court campus Nasirabad

कार्यालय जिला रजिस्ट्रीकरण प्राधिकरण, अजमेर

Email- ajmer.rj-dra@nic.in

सूचना

क्रमांक-CEA/Path lab/2026 दिनांक-04.6.26

आमजन को सूचित किया जाता है कि नैदानिक स्थापन के अन्तर्गत पैथलेब के स्थाई रजिस्ट्रीकरण हेतु न्यूनतम मानक की अनुपालना के संबंध में विस्तृत सूचना प्राधिकरण की वेबसाईट www.clini-caliestablish-ments.gov.in पर उपलब्ध है। उक्त पैथलेब के द्वारा न्यूनतम मानक की अनुपालना की सूचना गलत प्रेषित की गई है, के संबंध में यदि किसी व्यक्ति द्वारा आपत्ति प्रेषित की जानी है, तो उसके द्वारा प्राधिकरण की ई-मेल आई.डी. admh-ha-rj@rajasthan.gov.in पर 30 दिवस में मय प्रमाण के सूचित करें।

-पैथलेब का नाम- समर्पण न्यूरो स्पाइन एंड मल्टीस्पेशियलिटी मेडिकेयर प्रा.लि., पता- सीपी-02-,पुष्कर रोड, सिटी प्राइड गार्डन के पास,हरिभाऊ उपाध्याय नगर एक्सटेंशन, जिला-अजमेर(राज.), प्रकार- बुनियादी।

-डॉ. ज्योत्सना रंगा, संयोजक, जिला रजिस्ट्रकीरण प्राधिकरण एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी अजमेर

'रन फॉर एनवायरमेंट' से पर्यावरण संरक्षण व जल संवर्धन का संदेश दिया

अजमेर, (कासं)। राज्य सरकार के निर्देशानुसार जिले में संचालित वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के अंतर्गत गुरुवार को पर्यावरण संरक्षण एवं जल संवर्धन के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 'रन फॉर एनवायरमेंट' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, विद्यार्थियों, खिलाड़ियों और आमजन ने भाग लेकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ राजा साइकिल चौराहे से मार्टिंडल ब्रिज तक आयोजित दौड़ को हरी झंडी दिखाकर किया गया। इस अवसर पर अजमेर दक्षिण विधायक अनीता भदेल, जिला कलक्टर लोकबंधु तथा जिला वन अधिकारी पी. बाला मुरुगन ने प्रतिभागियों को पर्यावरण संरक्षण और जल बचाने का संकल्प दिलाया।

अनीता भदेल ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। जल, वन और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए प्रत्येक नागरिक को अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान जनभागीदारी के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप प्रदान कर रहा है। पर्यावरण केवल हमारे जीवन का आधार ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की नींव भी है। जिला कलेक्टर लोकबंधु ने कहा कि जल संरक्षण और पर्यावरण संवर्धन एक-दूसरे के पूरक हैं। जल स्रोतों का संरक्षण, वर्षा जल संचयन तथा वृक्षारोपण जैसे प्रयास आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित और समृद्ध पर्यावरण सुनिश्चित कर सकते हैं। उन्होंने आमजन से अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाने का आव्हान किया।

जिला वन अधिकारी पी. बाला मुरुगन ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण सामूहिक सामाजिक दायित्व है। वृक्षारोपण, जल संरक्षण और जैव विविधता के संरक्षण के माध्यम से पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखा जा सकता है। उन्होंने लोगों से प्रकृति के संरक्षण के लिए अपने दैनिक जीवन में सकारात्मक बदलाव अपनाने की अपील की। दौड़ का समापन राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम के सामूहिक गायन के साथ हुआ। इस दौरान प्रतिभागियों ने पर्यावरण संरक्षण एवं जल बचाने का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

कार्यालय नगर पालिका केकड़ी (जिला- अजमेर)

Email ID – npkekri2011@gmail.com Phone (O) : 01467-220002, 220019
web site : www.urban.rajasthan.gov.in/ulbkekri

क्रमांक : न.पा.के../2026-27/784 दिनांक : 02.06.2026

आपत्ति आमन्त्रण सूचना

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि पालिका क्षेत्र में निम्न आवेदको धारा आनॅलाईन हस्तानान्तरण व भवन निर्माण स्वीकृति चाहने के संबंध में आवेदन पत्र प्रस्तुत किये है। जिसमें किसी भी व्यक्ति/सज्जन/पड़ोसी को कोई आपत्ति हो, तो कार्यालय में 7 दिवस में लिखित में मय दस्तावेजों के प्रस्तुत करें अन्यथा बाद मियाद नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी। जिसमें किसी का कोई उजर मान्य नहीं होगा :-

क. सं.	आवेदक/पिता का नाम	आवेदित स्थल	नाप वर्गगज	उत्तर	दक्षिण	पूर्व	पश्चिम
1	श्रीमती पूजा हरिजन पत्नि दिलीप कुमार	सूरजपोल गेट के बाहर हरिजन मौहल्ला केकडी	69.69	आम रास्ता	रतन हरिजन मकान	गली रास्ता	बिरदीचन्द हरिजन
2	श्री जयदीप सिंह पुत्र जोरावर सिंह	जोशी कॉलोनी प्रथम द्वितीय अजमेर रोड केकडी	126.66	30' रोड	प्लॉट नं. 03 का शेष भाग	प्लॉट नं. 02, 26	प्लॉट नं. 04 व 28
3	श्री विष्णु कान्त शर्मा पुत्र मुकेश कुमार शर्मा	13 शांतीनाथ नगर प्रथम कॉलोनी अजमेर रोड केकडी	123.00	30' रोड	प्लॉट नं. 24	30' रोड	प्लॉट नं. 12
4	श्री बुद्धिप्रकाश जैन पुत्र गणेश लाल	42 व 418 भाग सुभाष नगर कॉलोनी सापन्दा रोड केकडी	67.00	42 का भाग उत्तरी	418 का दक्षिणी भाग	30' रोड	कृषि भूमि

क. सं.	आवेदक/पिता का नाम	स्वीकृत योजना	भूखण्ड नम्बर	क्षेत्रफल वर्गमीटर में	प्रयोजनार्थ
1	श्री गोपाल पुत्र भूरा माली	विकास नगर प्रथम केकड़ी	27	104.08	निर्माण स्वीकृति
2	श्री अरविन्द कुमावत पुत्र भंवर लाल	सुभाष कॉलोनी अजमेर रोड केकड़ी	07	111.52	निर्माण स्वीकृति
3	श्रीमती संतोक चौधरी पत्नि सुखलाल, श्रीमती छोटी चौधरी पत्नि रामेश्वर, श्रीमती अनिता चौधरी पत्नि प्रहलाद चौधरी	सुखशांती नगर अजमेर रोड केकडी	1A, 1B, 2A, 2B	387.33	निर्माण स्वीकृति
4	श्री मधुलिका दाधीच पत्नि बुद्धिप्रकाश दाधीच	शास्त्री नगर कॉलोनी अजमेर रोड केकडी	26, 27, 28	55.62	निर्माण स्वीकृति
5	श्री अविनाश विजय पुत्र रामअवतार विजय	विजय कॉलोनी दण्ड का रास्ता केकड़ी	33	111.52	निर्माण स्वीकृति
6	श्री निशांत विजय पुत्र रामअवतार विजय	विजय कॉलोनी दण्ड का रास्ता केकड़ी	34	111.52	निर्माण स्वीकृति
7	श्रीमती कमलेश देवी टेलर पत्नि दशरथ कुमार टेलर	गोकुल धाम कॉलोनी अजमेर रोड केकड़ी	17	98.88	निर्माण स्वीकृति

राज.संवाद/सी/26/4196 — अधिशाषी अधिकारी

भिवाड़ी की दो फैक्ट्रियों में लगी भीषण आग, दो कर्मचारी झुलसे

ऑयल टैंकर में ब्लॉस्ट होने के बाद फैली आग, दूसरी फैक्टरी चपेट में आई

अलवर, (निसं)। भिवाड़ी के यूआईटी औद्योगिक क्षेत्र में गुरुवार दोपहर करीब दो बजे दो फैक्ट्रियों में आग लग गई। एक फैक्टरी के ऑयल टैंकर में ब्लास्ट होने से आग लगना बताया जा रहा है। आग इतनी भीषण की थी कि उसने पास की दूसरी फैक्टरी को चपेट में ले लिया। घटना में दो कर्मचारी झुलसे है, जिन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार रामको मेटल कंपनी के ऊपर रखे ऑयल टैंकर में ब्लास्ट हुआ और आग लग गई। टैंकर से निकला ऑयल ब्लास्ट के साथ अल्शोक एलएलपी कंपनी में फैल गया। जिससे इस कंपनी में भी आग लग गई। अल्शोक कंपनी के कर्मचारी ने बताया किआग की शुरुआत पड़ोस की कंपनी की छत पर रखे एक ऑयल टैंकर से हुई। इसके बाद आग अल्शोक एलएलपी में फैल गई। आग लगने के समय कंपनी के अंदर लगभग 3-4 महिलाएं और इतने ही पुरुष कर्मचारी काम कर रहे थे। इन कर्मचारियों को पीछे के दरवाजे से सुरक्षित बाहर निकाला गया। कुछ अन्य कर्मचारी कंपनी की पिछली दीवार फांदकर बाहर निकलने में सफल रहे। वहीं रामको कंपनी के दो कर्मचारी आग से झुलस गए। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग बुझाने का प्रयास किया। वहीं भिवाड़ी पुलिस भी घटनास्थल पर मौजूद रही और मामले की जानकारी जुटाई। रामको कंपनी में लोहे के चद्दर बनाए जाते है। वहीं अल्शोक कंपनी कॉस्मेटिक सामान बनाती है।

भिवाड़ी के यूआईटी औद्योगिक क्षेत्र में फैक्ट्रियों में लगी आग के बाद मौके पर लोग जमा हो गये।

- **कर्मचारियों को पीछे के दरवाजे से सुरक्षित बाहर निकाला, कुछ अन्य कर्मचारी कंपनी की पिछली दीवार कूदकर बाहर निकलने में सफल रहे**

लापता बुजुर्ग का शव बावड़ी में मिला

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के भीमगंज थाना क्षेत्र स्थित दादाबाड़ी इलाके में गुरुवार सुबह आत्माराम मुक्तिधाम की बावड़ी में एक बुजुर्ग का शव तैरता हुआ मिला। मृतक पिछले चार दिनों से अपने घर से लापता था, जिनकी तलाश में परिजन जुटे हुए थे। बुजुर्ग शव घर से महज 400 मीटर की दूरी पर स्थित एक धार्मिक स्थल (मुक्तिधाम) की बावड़ी में बरामद हुआ है। स्थानीय लोगों द्वारा बावड़ी में शव देखे जाने के बाद पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई।

भीमगंज थाना प्रभारी सुनील चौधरी ने बताया कि कोली मोहल्ला निवासी रामदयाल कोली (74) गत एक जून को अचानक अपने घर से लापता हो गए थे। परिजनों ने उनकी काफी खोजबीन की, लेकिन उनका कहीं कोई सुराग नहीं मिल सका था। गुरुवार सुबह आत्माराम मुक्ति स्थल पर आए लोगों को बावड़ी में एक शव तैरता हुआ दिखाई दिया, जिसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची भीमगंज थाना पुलिस ने शव को बावड़ी से बाहर निकलवाकर उसकी पहचान रामदयाल कोली के रूप में की। थाना प्रभारी सुनील चौधरी के अनुसार, घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। फुटेज की जांच में सामने आया है कि बुजुर्ग रामदयाल कोली अकेले ही बावड़ी की तरफ जाते हुए नजर आ रहे हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर महात्मा गांधी अस्पताल की मोर्चरी में सुरक्षित रखवा दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और मामले की गहन जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा।

सीकर से दो भाई लाखों रुपए का सोना और नगदी लेकर फरार

सीकर, (निसं)। सीकर शहर में दो सगे भाई एक युवक को दुकान में पार्टनर बनाने के नाम पर लाखों रुपए का सोना और रुपए लेकर फरार हो गए। सीकर से फरार होने के बाद दोनों आरोपियों ने जयपुर में भी दो शोरूम संचालकों से ठगी की। सीकर में कोतवाली पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सीकर के युवक ने कोतवाली पुलिस थाने में बुधवार शाम को रिपोर्ट दर्ज कराई। इसमें बताया कि नेहरू पार्क के पीछे रहने वाले देवेश शर्मा और विवेक शर्मा से पुरानी पहचान है। दोनों की सीकर के चिरंजी पनवाड़ी की गली में आरके ज्वेलर्स नाम से दुकान थी। दोनों भाई सोने-चांदी के आभूषणों के विक्रेता थे। देवेश और विवेक ने पीड़ित युवक को अपने साथ बिजनेस में शामिल करने के लिए रुपए और सोना देने को कहा। ऐसे में युवक ने 18 अप्रैल 2025 को 15.50 लाख रुपए दे दिए। इसके बारे में आरके ज्वैलर्स के लेटरपेड पर लिखा गया। इस पर विवेक और देवेश के साइन भी हैं। युवक ने 200 ग्राम सोना 26 मार्च 2025 को दिया। पीड़ित युवक के एक कस्टमर ने 25 मार्च 2025 को 98 ठाम सोने का कड़ा बनाने के लिए देवेश को रुपए दिए थे। तब देवेश ने कहा कि 7 अगस्त 2025 तक कड़ा बनाकर दे देंगे। इसके बाद देवेश और विवेक ने 5.50 लाख रुपए और ले लिए। बाद में जब समय पर सोने का कड़ा नहीं मिला तो कस्टमर पीड़ित युवक से रुपए मांगने लगा। इसके बाद विवेक और देवेश बीमारी का बहाना करके टालमटोल करते रहे। वहीं सितंबर 2025 में दोनों दुकान बंद करके फरार हो गए।

पीड़ित युवक ने बताया कि कुछ महीने बाद मुझे जयपुर में एक शोरूम में दोनों भाई काम करते मिले। तब दोनों ने कहा कि एक महीने में आपको सोना और रुपए वापस लौटा देंगे एक महीने बाद जब मैं वापस वहां गया तो पता चला कि दोनों वहां से भी 15 से 20 लाख रुपए का सोना और रुपए लेकर चले गए। पीड़ित युवक ने बताया कि मुझे जानकारी मिली कि दोनों जयपुर में दूसरे ज्वैलरी शोरूम पर काम कर रहे हैं। जब मैं वहां गया तो दोनों ने दो महीने में रुपए और सोना देने की बात कही। इसके बदले एक चेक भी दे दिया। दो महीने बीतने के बाद जब मैं वहां गया तो पता चला कि देवेश और विवेक वहां से भी फरार हो गए। वहां से भी करीब 10 लाख रुपए का सोना लेकर चले गए। युवक ने जब विवेक का दिया चेक बैंक में लगाया तो वह भी बाउंस हो गया। फिलहाल कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

- **सीकर के युवक ने कोतवाली पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई**
- **सीकर से फरार होने के बाद दोनों ने जयपुर में भी दो शोरूम संचालकों से ठगी की**

बर्फ फैक्टरी से बाल श्रमिक मुक्त कराया

जोधपुर, (कासं)। शहर की राजीव गांधी नगर पुलिस ने बर्फ फैक्टरी से बालश्रमिक को मुक्त करवा सुधार गृह भिजवाया है। बर्फ फैक्टरी संचालक पर जेजे एक्ट में केस दर्ज किया गया है। बच्चे से भारी भरकम बर्फ की सिल्लियां उठवाने का काम करवाया जा रहा था।

राजीव गांधी नगर थाने के एसआई पिंटू कुमार को सूचना मिली कि सनसिटी कॉलोनी चौखा क्षेत्र में अरूण बर्फ फैक्टरी में नाबालिग से काम करवाया जा रहा है। इस पर पुलिस की टीम ने वहां रेड देकर एक बालक को बालश्रम से मुक्त करवाया। बर्फ फैक्टरी संचालक अरूण सिंधी के खिलाफ जेजे एक्ट में प्रकरण बनाया गया। बालक को बाद में चाइल्ड हैल्प लाइन के मार्फत सुधार गृह भिजवाया गया।

- **बच्चे से बर्फ की सिल्लियां उठवाने का काम करवाया जा रहा था**

नाबालिग से भिक्षावृति कराने पर केस दर्ज

जोधपुर, (कासं)। शहर के सरदारपुरा सातवीं सी रोड पर एक महिला अपनी नाबालिग बच्ची से भिक्षावृति कराती मिली। बच्ची को बाद में सुधार गृह भिजवाया गया। वहीं मां के खिलाफ किशोर अधिनियम में केस बनाया गया है।

सरदारपुरा थाने के एसआई दीपलाल को मुखबिर से सूचना मिली कि सरदारपुरा सातवीं सी रोड पर एक महिला द्वारा अपनी बच्ची से भिक्षावृति करवाई जा रही है। इस पर पुलिस की टीम वहां पहुंची और महिला को बच्ची सहित दस्तयाब किया। बच्ची को बाद में सुधार गृह भिजवा दिया गया। मां देसूरी नारलाई हाल सिवांची गेट निवासी मीना भाट के खिलाफ किशोर अधिनियम का केस बनाया गया।

एएनटीएफ की टीम ने फरार ड्रग सप्लायर को झारखंड से पकड़ा

बीकानेर, (निसं)। जयपुर एएनटीएफ की टीम ने देशनोक पुलिस थाने में दर्ज एनडीपीएस के तीन साल पुराने मामले में फरार चल रहे ड्रग सप्लायर को झारखंड के चतरा जिले से पकड़ा है।

वर्ष, 2203 में देशनोक पुलिस थाने में एनडीपीएस का मामला दर्ज हुआ था। इसमें ड्रग सप्लायर झारखंड में चतरा जिले के सलगी गांव निवासी अंकित राज उर्फ अंकित कुमार सिंह फरार चल रहा था जिसकी पुलिस को तलाश थी। बीकानेर आईजी ने उस पर 30000 रुपए का इनाम रखा था। राजस्थान पुलिस की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने आईजी विकास कुमार की देखरेख में झारखंड के घोर नक्सल प्रभावित इलाके से इनामी अंकित को गिरफ्तार किया है। एएनटीएफ की टीम को पता चला था कि अंकित पुलिस से बचने के लिए सुपरवाइजर बनकर रेलवे के सिविल कंस्ट्रक्शन के काम में लगा था। हाल ही में उसकी सगाई हुई थी जिसके बाद वह अपनी मंगेतर की नजरों में आदर्श पति बनना चाहता था। शादी तक कोई रिस्क न लेने के लिए उसने ड्रग्स का धंधा रोककर हजारीबाग में रेलवे अंडरपास के काम में बतौर सुपरवाइजर नौकरी शुरू कर दी थी। एएनटीएफ की टीम रेलवे की सिविल इंजीनियर बनकर साइट पर पहुंच गई। वहां सैकड़ों मजदूरों के बीच आरोपी को पहचानना मुश्किल था। टीम ने दिहाड़ी मजदूरों को श्रम मंत्रालय की योजना के तहत 5-5 हजार खाते में डलवाने का कहकर उनके नाम-पते पूछने शुरू किए। मजदूरों ने इशारा किया कि जेसीबी चलाने वाले साहब ही उनके मुखिया हैं। पुलिस ने अवैध खनन के बहाने पूछताछ कर अंकित को जेसीबी से नीचे उतारा और दबोच लिया। अंकित मणिपुर और झारखंड के स्थानीय किसानों से महज 500 किलो में नशीले पदार्थ खरीदता था। इसे वह राजस्थान के बीकानेर निवासी प्रदीप जैसे तस्करों को 1500 से 2000 प्रति किलो में बेचता था। वह एक बार में कम से कम 20 क्विंटल माल की खेप भेजता था और प्रति ट्रिप करीब 20 लाख का मुनाफा कमाता था।

- **झारखंड में रेलवे का सुपरवाइजर बनकर फरारी काट रहा था ड्रग सप्लायर**

140 किलो डोडा-चूरा बरामद, एक गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो टीम ने मकान पर छापा मार कर 140.620 किलोग्राम अवैध डोडा-चूरा बरामद किया है। टीम ने मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

उप नारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि जिला चितौड़गढ़ के तहसील बेगूं के ग्राम रामपुरिया में एक व्यक्ति अपने मकान में अवैध रूप से डोडा-चूरा संग्रहित कर नशीले पदार्थों की तस्करी में संलिप्त है। सूचना पर केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) कोटा की एक टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने संदिग्ध मकान पर छापेमारी एवं तलाशी अभियान चलाया। टीम ने तलाशी के दौरान मकान के भीतर छिपाकर रखा गया 140.620 किलोग्राम अवैध डोडा चूरा बरामद किया गया। कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद बरामद अवैध डोडा-चूरा जब्त कर लिया गया तथा एनडीपीएस एक्ट में एक आरोपी को गिरफ्तार किया, मामले में आगे की जांच प्रक्रिया जारी है।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DISTT DN KOTA
क्रमांक-318 दिनांक-26.05.2026
Notice Inviting Bid
(NIT NO. 04/2026-27)
Bids for 9no work at Kota are Invitied from interested bidders upto 06.00 PM of 15.06.2026 (Monday). Other Particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rj.nic.in) of the Rajasthan State. The approximate value of the procurement is Rs. 192.09 Lacs.
UBN NO. 1. PWD2627WSOB03410, 2. PWD2627WSOB03411, 3. PWD2627WSOB03413, 4. PWD2627WSOB03416, 5. PWD2627WSOB03419, 6. PWD2627WSOB03423
(अशोक कुमार महावर)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. जिला खण्ड कोटा
मो.नं. 98291-28359
DIPR/C/9464/2026

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DIV. HINDAUN
File No. 442-50 Date:- 27.05.2026
Notice Inviting Bid
Bid (E-NIT No. 03/2026-27) for Restoration Work & Construction of Additional Box Culvert" are invited from Registard & Interested bidders up to 6.00 PM on 13.06.2026. procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state departmental website may be Visited for Other Details of Bid. The approximate value of the procurement is Rs. 31.20 lacs.
UBN No. PWD2627A0810
1. PWD2627WSOB03513
2. PWD2627WSOB03514
(Lalit Kumar Meena)
Executive Engineer
PWD Division Hindaun
DIPR/C/9578/2026

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD ELECT DIV.KOTA
क्रमांक-179 दिनांक-27.05.2026
Notice Inviting Bid No. 06/2026-27
Bid for "Lift work" NIT No. 06/2026-27 are invited from interested bidders up to 6.00 PM on 11.06.2026 Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state departmental website. The approximate value of the procurement is Rs. 139.66 Lac
UBN NO. 1. PWD2627WSOB03510, 2. PWD2627WSOB03511
(Rajendra Kumar Vasanwal)
Executive Engineer
PWD Elect Division Kota
DIPR/C/9574/2026

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि., खण्ड धौलपुर
क्रमांक-893-908 दिनांक-01.06.2026
संशोधन-पत्र
NIB code: PWD2627A0594 and UBN is: PWD2627WSOB02683
NIB code: PWD2627A0594 and UBN is: PWD2627WSOB02688
इस कार्यालय के पत्रांक 731-746 दिनांक 18.05.2026 के द्वारा जारी निविदा सूचना संख्या 01/2026-27, जो दिनांक 26.05.2026 से 01.06.2026 सायं 6.00 बजे तक बेची जाकर दिनांक 02.06.2026 को खोली जाने वाली निविदा अपरिहार्य कारणों से अब दिनांक 08.06.2026 तक बेची जाकर दिनांक 09.06.2026 को सायं 04.00 बजे खोली जावेगी। निविदा की अन्य शर्ते यथावत रहेगी।
(नरेश चन्द मीना)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड धौलपुर
DIPR/C/9694/2026

Rajasthan State Road Development And Construction Corporation Ltd.,JAIPUR
No.NIT/2026-27/2816-30 **निविदा सूचना /2026-27** Date:03.06.2026
निम्नलिखित कार्य के लिए केन्द्र/राज्य सरकार के अभियांत्रिकी विभागों एवं उनके अधिकृत संगठनों में पंजीकृत एवं अनुभवी संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाइन निविदायें आमंत्रित की जाती है

कार्य का विवरण	कार्य की अनुमानित लागत (रु.)	निविदा सूचना संख्या
SITC of Air Conditioning work at Auditorium Building, Pandit Deen Dayal Shekhawati University, Sikar. **UBN: RRC2627WSOB00221**	407.40 Lakh	ई-135/26-27
Remaining work of Construction of CCB in New Hospital & Medical College at Pali. (Risk & Cost) **UBN: RRC2627WLOB00226**	1001.67 Lakh	अल्पकालीन ई-137/26-27
Construction of Building for Department of Commerce and Management at University of Kota. **UBN: RRC2627WLOB00227**	704.46 Lakh	
Construction of Skill Development Centre Building at University of Kota, Kota. **UBN: RRC2627WSOB00228**	495.18 Lakh	अल्पकालीन ई-138/26-27

निविदा से सम्बन्धित प्रपत्र में निविदा शुल्क, धरोहर राशि, डाउनलोड करने व खोलने की तारीख सहित सम्पूर्ण विवरण एवं संशोधन वेबसाईट **http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.nic.in** तथा **http://pwd.rajasthan.gov.in/rsrdc** पर देखा जा सकता है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट **http://eproc.rajasthan.gov.in** पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है।
महाप्रबंधक

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड टोडाभीम
क्रमांक- 680-696 दिनांक-02.06.2026
ई-निविदा सूचना संख्याः 06/2026-27
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से जिला करौली (खण्ड टोडाभीम) में सडक मरम्मत कार्यो के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्रीय सरकार के अधिकत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न सक्षम श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया हेतु ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है।
निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर करवाना आवश्यक है।
NIB CODE: PWD2627A0866, UBN NO. PWD2627WSOB03756, PWD2627WSOB03758
(के.के. मीना)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड टोडाभीम
DIPR/C/9674/2026

राजस्थान सरकार
शिक्षा विभाग
कार्यालय अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक करौली (राज.)
केशवपुरा पुलिया मण्डरायल रोड करौली E-Mail: adpcsamsakarauli@gmail.com
क्रमांक- एडीपीसी/समग्र शिक्षा/करौली/Civil/2026-2788 दिनांक- 25.05.2026
ई-निविदा सूचना संख्या 01 (सिविल)/2026-27
राज्य एवं केन्द्र सरकार के राजकीय/अर्द्धशासकीय/स्वायत्तशासी निकायों में सक्षम श्रेणी में निर्माण/मरम्मत कार्यो हेतु पंजीकृत संवेदकों से बजट घोषणा 2022-23 एवं 2025-26 लेखानुसार RIDFXXVIII, एम.जे.एस.वाई. स्टार्स प्रोजेक्ट, समग्र शिक्षा 2024-25 इत्यादि योजनान्तर्गत स्वीकृत 23 राजकीय विद्यालयों के निर्माण कार्यो हेतु राशि रू. 165.95 लाख (प्रति कार्य की राशि रूपये 1.96 लाख से 24.58 लाख के मध्य) बाबत कार्यवार ई-टेण्डरिंग के माध्यम से ई-निविदाऐं 29.05.2026 प्रात 10.00 बजे से 08.06.2026 को सायं 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है।
निविदा से सम्बन्धित समस्त विस्तृत विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
UBN IS: RSE2627WSOB00304
(सर्वेश कुमार गुप्ता)
अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक
समग्र शिक्षा करौली
DIPR/C/9765/2026

उदयपुर में वाहन की टक्कर से पैंथर घायल

उदयपुर, (कासं)। शहर के चित्रकूट नगर भैरवगढ़ होटल के पास बीती रात करीब 11 बजे एक पैंथर अचानक सड़क पर दौड़ता हुआ आया और वाहन से टकरा गया। घायल पैंथर वहीं मौके पर ही बैठ गया और कुछ देर बाद रेंगता हुआ पास की झाड़ियों में जा छुपा।

वन विभाग को इसकी सूचना दी मिली। अम्बेरी वनपाल पंकज खटीक मौके पर पहुँचे और घायल पैंथर की खोज शुरू की। टॉर्च पड़ते ही झाड़ियों में छुपा पैंथर दूसरी तरफ भागने लगा। इस बीच रेस्क्यू टीम भी मौके पर पहुंची और शूटर अजीतसिंह राणावत ने ट्रेंक्यूलाइज़ गन से शॉट दागा। इसके बाद रेस्क्यू टीम पैंथर के पास पहुंची। अमूमन 20 से 25 मिनट के बाद पैंथर बेहोशी की हालत में चला जाता है लेकिन जब टीम पैंथर के पास पहुंची तो पैंथर पूरी तरह बेहोश नहीं हुआ और उसने रेस्क्यू टीम के सदस्य जितेन्द्र सिंह देवड़ा पर हमला कर दिया। हमले से सकते में आई रेस्क्यू टीम पीछे हट गई और कुछ देर इंतजार किया। थोड़ी देर बाद पैंथर बेहोश हो गया और उसे रेस्क्यू कर सज्जनगढ़ अभ्यारण्य लाया गया, जहां उसका उपचार किया गया।

वनपाल पंकज खटीक ने बताया कि पैंथर के गंभीर चोटें नहीं आई थी केवल घटना के दौरान उसके मुंह के कुछ हिस्से पर चोट लगी जिसका उपचार कर दिया गया। इधर, घायल रेस्क्यू टीम के सदस्य को भी उपचार के लिए हॉस्पिटल ले जाया गया जहाँ उनका उपचार किया गया। पैंथर ने जितेन्द्र के शरीर पर कई जगह पंजे मारे। रात करीब 12.45 बजे ढाई घंटे बाद रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा हुआ।

करंट से मोर की मौत

चिड़ावा, (निसं)। स्थानीय पावर हाउस के पीछे से गुजर रही 33 केवी की हाईटेंशन विद्युत लाइन की चपेट में आने से राष्ट्रीय पक्षी मोर की करंट लगने से मौत हो गई। मामले की जानकारी मिलते ही वन विभाग की वनरक्षक लक्ष्मी और भाजपा नेता राजेश वर्मा तुरंत मौके पर पहुंचे और मृत मोर को अपने संरक्षण में लिया। इस दौरान स्थानीय गौ रक्षक अंकित वर्मा, आयुष जेदिया और पवन महारानियां ने सजगता दिखाते हुए पूरी प्रक्रिया में वन विभाग की टीम का सहयोग किया। इसके बाद वन विभाग की देखरेख में मोर के शव का पोस्टमार्टम व अन्य कानूनी औपचारिकताएं पूरी की गईं। स्थानीय श्मशान घाट में पूरे राजकीय सम्मान के साथ मोर का अंतिम संस्कार किया गया। वन्यजीव प्रेमियों ने विद्युत विभाग से खुले तारों और हाईटेंशन लाइनों पर बर्ड-प्रोटेक्टर लगाने की मांग की है।

चाची पर भतीजी को जिंदा जलाने का आरोप, 14 वर्षीय छात्रा झुलसी

पावटा, (निसं)। जयपुर ग्रामीण के शाहपुरा क्षेत्र में रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली एक घटना सामने आई है। जहां एक ओर चाची से ममता और संरक्षण की उम्मीद की जाती है, वहीं दूसरी ओर 14 वर्षीय नाबालिग भतीजी ने अपनी ही चाची पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगाने का गंभीर आरोप लगाया है। घटना में किशोरी गंभीर रूप से झुलस गई, जिसका जयपुर के एसएमएस अस्पताल की बर्न यूनिट में उपचार चला। उपचार के बाद उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है।

जानकारी के अनुसार शाहपुरा थाना क्षेत्र की राकड़िया वाली ढाणी निवासी लक्षिता सैनी (14), जो मदर टेरेसा मेमोरियल पब्लिक स्कूल में कक्षा 10वीं की छात्रा है, ने 31 मई को शाहपुरा पुलिस थाने में दर्ज कराए बयान में बताया कि 26 मई की शाम करीब 7:30 बजे उसका चचेरा भाई देवांश सैनी उसे कमरे से बाहर बरामदे में लेकर गया। वहां उसकी चाची लता सैनी हाथ में एक कांच की बोतल लिए खड़ी थी। पीड़िता का आरोप है कि उसकी चाची ने बोतल में भरा ज्वलनशील पदार्थ उसके ऊपर डाल दिया और तुरंत माचिस की तीली जलाकर आग लगा दी। देखते ही देखते उसके कपड़ों ने आग पकड़ ली और वह बुरी तरह झुलस गई। आग लगने के बाद वह चीखते हुए घर से बाहर भागी, जबकि आरोपी चाची और उसका बेटा मौके से ऊपर चले गए। लक्षिता ने बताया कि उसकी चीख-पुकार सुनकर उसका भाई युवराज सैनी मौके पर पहुंचा और आग बुझाकर उसकी जान बचाई। इसके बाद परिजन और आसपास के लोगों की मदद से उसे शाहपुरा के एक निजी अस्पताल पहुंचाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे जयपुर के एसएमएस अस्पताल रेफर कर दिया।

पुलिस के अनुसार, चिकित्सकों की अनुमति मिलने के बाद अस्पताल में ही पीड़िता के बयान दर्ज किए गए। पीड़िता बयान देने की स्थिति में थी और उसके कथनों के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। शाहपुरा पुलिस का कहना है कि नाबालिग के बयान के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। घटना के पीछे की वास्तविक वजह, पारिवारिक विवाद और लगाए गए आरोपों की सत्यता की गहन जांच की जा रही है। पुलिस उपलब्ध साक्ष्यों, गवाहों के बयान और अन्य तथ्यों के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई करेगी।

प्रदेश में बकाया राजस्व वसूली के लिए दो माह का अभियान चलायें : नमित मेहता

आबकारी आयुक्त नमित मेहता ने वीसी के माध्यम से अधिकारियों को निर्देश दिए

उदयपुर, (कासं)। आबकारी आयुक्त नमित मेहता ने कहा कि राज्य सरकार की अपेक्षा के अनुरूप राजस्व लक्ष्य को प्राथमिकता देते हुए पूर्ण किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि राजस्व लक्ष्यों की पूर्ति के लिए सजग होकर कार्य करने की आवश्यकता है, इस संबंध में कोताही नहीं होनी चाहिए। आवंटित लक्ष्य के अनुरूप प्रगति नहीं होने पर जिम्मेदारी तय करते हुए नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। आबकारी आयुक्त नमित मेहता वीडियों कांफ्रेंस के माध्यम से विभागीय समीक्षा बैठक में अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रदेश में राजस्व बाकियात की वसूली के लिए 2 माह के अभियान चलाने, बंदोबस्त पूर्ण करने, निरोधात्मक गतिविधियों को गति देने, मुखबिर योजना के बकाया प्रकरणों का निस्तारण करने के निर्देश प्रदान किए।

आबकारी आयुक्त नमित मेहता ने वीसी में कहा कि राजस्व अर्जन विभाग की प्राथमिकता है अत: लक्ष्य के अनुरूप राजस्व के लिए सर्कलवार, दुकानवार रिव्यू करते हुए कार्ययोजना बनाकर नियमित समीक्षा करेंगे तो अपेक्षित लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकेगा। उन्होंने प्रदेश में राजस्व अर्जन में पिछड़ रहे जिलों को निरोधात्मक गतिविधियां बढ़ाने, बाकियात की वसूली करने एवं सर्कलवार समीक्षा के निर्देश दिए जिससे वांछित लक्ष्य प्राप्त किए जा सके। आबकारी आयुक्त ने प्रदेश में राजस्व बाकियात वसूली के लिए 2 माह का अभियान चलाने के निर्देश देते हुए कहा कि प्रदेश में 2250 करोड़ की अनुमानित बाकियात है जिसकी वसूली के लिए जिलेवार लक्ष्य आवंटित किए हैं। बाकियात की वसूली के लिए प्रकरणवार समीक्षा करते हुए समझाईश, समायोजन एवं नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए।

आबकारी आयुक्त नमित मेहता ने कहा कि बंदोबस्त का कार्य अपेक्षा के अनुरूप है लेकिन कुछ जिलों में अपेक्षित प्रगति नहीं होने के कारण कुछ दुकानें शेष रह गई है। जिन जिलों में बंदोबस्त का कार्य पूर्ण नहीं हुआ है वहां संबंधित जिला आबकारी अधिकारी, आबकारी निरीक्षकों की जिम्मेदारी तय कर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। आबकारी आयुक्त ने अगली नीलामी प्रक्रिया में शेष दुकानों का भी बंदोबस्त करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।

मेहता ने प्रदेश में मुखबिर योजना से संबंधित लंबित 46 प्रकरणों का नियमानुसार शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश देते हुए कहा कि निरोधात्मक अभियान के तहत कई जिलों की प्रगति अपेक्षित नहीं रही है, इसके तहत बड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए।

आबकारी आयुक्त नमित मेहता ने वीसी के माध्यम से विभागीय बैठक में अधिकारियों को संबोधित किया।

- **'जिलों में होटल्स, फार्म हाउस में शादियों एवं भव्य आयोजन में अन्य राज्यों की शराब अथवा अवैध मदिरा पर कार्रवाई करें'**

जिलों में होटल्स, फार्म हाउस में शादियों एवं भव्य आयोजन में अन्य राज्यों की शराब अथवा अवैध मदिरा पर कार्रवाई की जानी चाहिए, जिससे राजस्व क्षति को रोका जा सके। वीसी में मदिरा उठाव, राजस्व वसूली के संबंध में चर्चा कर अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

इस अवसर पर अतिरिक्त आबकारी आयुक्त पॉलिसी प्रदीप सिंह सांगावत, अतिरिक्त आबकारी आयुक्त अनिल कुमार शर्मा, अतिरिक्त आबकारी आयुक्त जोन प्रभा गौतम, वित्तिय सलाहकार सुनिता विजय, उपायुक्त ईपीएफ प्रद्युम्न सिंह चुण्डावत सहित प्रदेश के समस्त जोन के अतिरिक्त आयुक्त, उपायुक्त ईपीएफ, जिला आबकारी अधिकारी, सहायक आबकारी अधिकारी, आबकारी निरीक्षक, प्रहराधिकारी मौजूद रहे।

सीकर से नाबालिग व महिला लापता

सीकर, (निसं)। सीकर जिले में 16 साल की नाबालिग लड़की के लापता होने का मामला सामने आया है। वह अपने पिता और भाइयों के साथ यहां रहती है। वह चिप्स का पैकेट लेने गई थी लेकिन वापस नहीं लौटी। पिता ने पुलिस में मुकदमा दर्ज करवाया है। फिलहाल पुलिस नाबालिग की तलाश कर रही है।

नाबालिग के पिता ने पुलिस में शिकायत देकर बताया कि वह अपनी 16 साल की बेटी और दो नाबालिग बच्चों के साथ किराए पर रहते हैं, जबकि उनकी पत्नी दूसरे राज्य में किसी फैक्ट्री में नौकरी करती है। 2 जून की रात करीब 9 बजे बेटी ने कहा कि उसे चिप्स का पैकेट लाना है। इसलिए पिता ने उसे हां कर दिया। लड़की चिप्स लेने के लिए चली गई। लेकिन काफी देर बाद भी वह वापस नहीं लौटी। पिता ने आस-पड़ोस में भी काफी तलाश की लेकिन कुछ पता नहीं चल पाया। फिलहाल नाबालिग लड़की के पिता की रिपोर्ट पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

सीकर जिले में 40 साल की महिला के लापता होने का भी मामला सामने आया है। महिला के जेठ ने पुलिस में शिकायत देकर बताया कि उनके छोटे भाई की पत्नी 29 मई को अपनी मां के घर जाने की बात कह कर निकली थी। वहां पर पहुंचने के बाद अगले दिन 30 मई की सुबह वह पीहर से निकल गई लेकिन ससुराल नहीं पहुंची। फिलहाल पुलिस इस महिला की भी तलाश कर रही है।

सतीश पूनियां और अल्का गुर्जर को राज्यसभा का उम्मीदवार घोषित किया भाजपा ने

यह फैसला राजस्थान की दो प्रभावशाली जातियों जाट और गुर्जर वर्ग को साधने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राज्यसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने राजस्थान के दो उम्मीदवारों के नाम घोषित कर राजनीतिक हलकों में नई चर्चा छेड़ दी है। पार्टी ने पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां और भाजपा की राष्ट्रीय सचिव अलका गुर्जर को उम्मीदवार बनाया है। यह फैसला केवल राज्यसभा सीटों तक सीमित नहीं माना जा रहा, बल्कि इसे प्रदेश की दो प्रभावशाली जातियों जाट और गुर्जर समाज को साधने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। गुरूवार देर शाम डॉ. सतीश पूनिया एवं डॉ. अलका गुर्जर ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से उनके निवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने दोनों नेताओं को राज्यसभा के लिए प्रत्याशी बनाए जाने पर मिठाई खिलाकर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि दोनों नेताओं का व्यापक संगठनात्मक अनुभव, जनसेवा के प्रति समर्पण और राष्ट्रहित के प्रति प्रतिबद्धता संसद में राजस्थान एवं देश की आकांक्षाओं को सशक्त अभिव्यक्ति प्रदान करेगी। इस अवसर पर संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल उपस्थित रहे।

ज्ञात रहे कि सतीश पूनिया वर्तमान में हरियाणा प्रभारी की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं, जबकि अलका गुर्जर लंबे समय से संगठन में सक्रिय रहते हुए राष्ट्रीय स्तर पर भूमिका निभा रही हैं। उम्मीदवार घोषित होने के बाद अलका गुर्जर ने बताया कि वे पार्टी की वर्चुअल बैठक में शामिल थीं, तभी केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल का फोन आया और उन्हें टिकट मिलने की जानकारी दी गई।

भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष रहे सतीश पूनिया लंबे समय से संगठन के महत्वपूर्ण चेहरों में शामिल रहे हैं। विधानसभा चुनाव में हार के बाद भी पार्टी नेतृत्व ने उन पर भरोसा बनाए रखा और उन्हें पहले बिहार तथा बाद में हरियाणा की जिम्मेदारी सौंपी। अब राज्यसभा भेजने का निर्णय संगठन में उनकी भूमिका और नेतृत्व पर केंद्रीय नेतृत्व के भरोसे का संकेत माना जा रहा है।

अलका गुर्जर भी भाजपा की जमीनी राजनीति से जुड़ा बड़ा चेहरा हैं। वे एक बार विधायक रह चुकी हैं और गुर्जर समाज में उनकी अच्छी पकड़ मानी जाती है। उनके पति डॉ. नाथू सिंह गुर्जर भी भाजपा सरकार में मंत्री रह चुके हैं तथा संगठन में कई अहम पदों पर कार्य कर चुके हैं। राजस्थान की तीन राज्यसभा सीटों पर 18 जून को मतदान होगा और उसी दिन परिणाम भी घोषित किए जाएंगे। केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू, भाजपा सांसद राजेंद्र गहलोत और कांग्रेस सांसद नीरज डांगी का कार्यकाल 21 जून को समाप्त हो रहा है, जिसके चलते ये सीटें रिक्त हो रही हैं।

विधानसभा के मौजूदा संख्या बल के अनुसार एक राज्यसभा सीट जीतने के लिए 51 विधायकों के समर्थन की आवश्यकता है। भाजपा के पास दो सीटें जीतने लायक संख्या तो है, लेकिन तीसरी सीट के लिए उसे करीब 35 अतिरिक्त वोटों की जरूरत पड़ेगी। राजनीतिक समीकरणों के अनुसार यदि भाजपा को आरएलडी, निर्दलीय, बसपा और बीटीपी के सभी संभावित वोट भी मिल जाएं, तब भी तीसरे उम्मीदवार की जीत के लिए लगभग 20 वोट कम पड़ेंगे।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा ने फिलहाल दो उम्मीदवार उतारकर सुरक्षित रणनीति अपनाई है। हालांकि तीसरी सीट को लेकर अंतिम समय तक राजनीतिक गतिविधियां तेज रहने की संभावना है। यदि भाजपा तीसरा उम्मीदवार मैदान में उतारती है तो यह चुनाव केवल संख्या बल का नहीं बल्कि राजनीतिक प्रबंधन और रणनीतिक कौशल की परीक्षा बन सकता है।

फिलहाल सतीश पूनिया और अलका गुर्जर की उम्मीदवारी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भाजपा आगामी चुनावी चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए सामाजिक समीकरणों को मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

राज्यसभा के उम्मीदवार घोषित होने के बाद डॉ. सतीश पूनिया एवं डॉ. अलका गुर्जर ने गुरूवार देर शाम मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से उनके निवास पर शिष्टाचार भेंट की।

■ ज्ञात रहे कि सतीश पूनियां वर्तमान में हरियाणा प्रभारी की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं, जबकि अलका गुर्जर लंबे समय से संगठन में सक्रिय रहते हुए राष्ट्रीय स्तर पर भूमिका निभा रही हैं।

पीएम सूर्यघर योजना में श्रेष्ठ उपलब्धि के लिए राजस्थान को 6 पुरस्कार

केन्द्रीय नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री ने डिस्कॉम्स चेयरमैन को चार अलग-अलग श्रेणियों में प्रदान किए अवॉर्ड

केन्द्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने गुरूवार को दिल्ली में आयोजित समारोह में ऊर्जा सचिव एवं राजस्थान डिस्कॉम्स की चेयरमैन आरती डोगरा को चार अलग-अलग श्रेणियों में पुरस्कार प्रदान किए।

जयपुर (कासं)। प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना में श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए भारत सरकार ने राजस्थान को सम्मानित किया है। केन्द्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने गुरूवार को दिल्ली में आयोजित समारोह में यह सम्मान प्रदान किए। ऊर्जा सचिव एवं राजस्थान डिस्कॉम्स की चेयरमैन आरती डोगरा ने चार अलग-अलग श्रेणियों में पुरस्कार ग्रहण किए।

केन्द्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने योजना के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में दिल्ली में एक समारोह का आयोजन किया। इस दौरान 90 लाख से 1.50 करोड़ विद्युत उपभोक्ता वाले राज्यों के अंतर्गत मई माह के दौरान रूफ टॉप सौर ऊर्जा संयंत्रों के सर्वाधिक आवेदन, इंस्टॉलेशन, निरीक्षण तथा वेंडर्स के रजिस्ट्रेशन की कैटिगरी में राजस्थान को द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

इसी तरह सर्वाधिक इंस्टॉलेशन वाले 10 सर्वश्रेष्ठ जिलों की कैटेगरी में जयपुर को 7वें स्थान के लिए पुरस्कृत किया गया। जयपुर डिस्कॉम की अधीक्षण अभियंता (पीएम सूर्यघर) महिमा साराभाई ने यह सम्मान ग्रहण किया। इसके अतिरिक्त वेंडर श्रेणी में मई माह के दौरान उत्तर क्षेत्र के राज्यों में सर्वाधिक रूफ टॉप सोलर इंस्टॉलेशन की कैटिगरी में मिलन सौर ऊर्जा केंद्र को भी द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया। इस प्रकार राजस्थान को इस योजना में कुल 6 पुरस्कार प्राप्त हुए हैं।

उल्लेखनीय है कि इस वर्ष मई माह के दौरान इस योजना के अन्तर्गत जयपुर, जोधपुर एवं अजमेर वितरण निगमों में 39279 आवेदकों ने रजिस्ट्रेशन कराया, 27700 आवेदनों का भौतिक सत्यापन किया गया, 26632 रूफ टॉप सोलर इंस्टॉल हुए और 177 नए वेंडरों को योजना से जोड़ा गया।

कांग्रेस ने नीरज डांगी को पुनः बनाया राज्यसभा उम्मीदवार

जयपुर। कांग्रेस ने राजस्थान से राज्यसभा सदस्य के लिए नीरज डांगी को मैदान में उतारा है। बता दें नीरज डांगी वर्तमान में कांग्रेस की ओर से राजस्थान से ही राज्यसभा सांसद है और उनका कार्यकाल जून 2026 में खत्म होने वाला है। अब एक बार फिर उन्हें ही उम्मीदवार बनाया गया है। नीरज डांगी वरिष्ठ कांग्रेस नेता है, वह वर्तमान में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी में महासचिव पद पर भी कार्यरत है। डांगी पिछले 30 सालों से कांग्रेस से जुड़े हुए हैं और पार्टी में विभिन्न पदों पर भूमिका निभाई है। वे साल 2020 में पहली बार राज्यसभा सांसद बने थे। नीरज डांगी ने अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत यूथ कांग्रेस से की थी। लगातार सक्रियता के चलते साल 2002 में वे राजस्थान यूथ कांग्रेस के उपाध्यक्ष (वाइस प्रेसिडेंट) बने। नीरज डांगी को कांग्रेस ने उन्हें साल 2003 के विधानसभा चुनाव में देसूरी सीट से टिकट दिया, लेकिन वे चुनाव हार गए। इसके बाद साल 2008 में पार्टी ने उन पर भरोसा जताते हुए रेवदर विधानसभा सीट से मैदान में उतारा, मगर वे 13वीं विधानसभा में भी नहीं पहुंच सके। चुनावी हार के बावजूद पार्टी ने उनकी निष्ठा को देखते हुए 2009 में उन्हें यूथ कांग्रेस का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया। इसके बाद 2014 में वे राजस्थान कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव बनाए गए।

जयपुर में 302 सिलेंडर और दो पिकअप जब्त

जयपुर । घरेलू एवं व्यावसायिक गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी,अवैध भंडारण और रिफिलिंग के खिलाफ जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 302 गैस सिलेंडर और दो पिकअप वाहन जब्त किए हैं। राज्य सरकार और खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत यह कार्रवाई जिला कलक्टर संदेश नायक के निर्देशन में की गई।

■ अवैध गैस कारोबार पर जिला प्रशासन का शिकंजा

जिला रसद अधिकारी जयपुर प्रथम प्रियव्रत सिंह चारण ने बताया कि कार्रवाई के लिए दो विशेष सतर्कता दलों का गठन किया गया था। सतर्कता दल 'ए' में प्रवर्तन अधिकारी मुनेश कुमार मीणा और पूजा शर्मा तथा सतर्कता दल 'बी' में प्रवर्तन अधिकारी विनोद कुमार और प्रवर्तन निरीक्षक सुनीता चौधरी को शामिल किया गया।सतर्कता दल 'ए' ने सांगानेर क्षेत्र के गोवर्धन नगर और हनुमान सिटी में दबिश देकर अवैध गैस भंडारण और क्रय-विक्रय का खुलासा किया। यहां से 247 घरेलू एवं व्यावसायिक गैस सिलेंडर तथा दो पिकअप वाहन जब्त किए गए। वहीं सतर्कता दल 'बी' ने 310 फीट रोड स्थित शिक्षा सागर कॉलोनी में कार्रवाई कर 55 गैस सिलेंडर जब्त किए। दोनों स्थानों पर की गई कार्रवाई में कुल 302 घरेलू एवं व्यावसायिक गैस सिलेंडर तथा दो पिकअप वाहन (आरजे-14-जीआर-7835 और आरजे-14-जीएच-5920) जब्त किए गए। मामले में संलिप्त दो व्यक्तियों के खिलाफ संबंधित पुलिस थानों में एफआईआर दर्ज कराने की कार्रवाई की जा रही है।

तीन दिन में 77806 किसानों से सीधा संवाद

जयपुर । कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल ने गुरुवार को पंत कृषि भवन में खेत बचाओ अभियान (1 से 30 जून) और खरीफ-2026 उर्वरक आपूर्ति की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में बताया गया कि अभियान के प्रथम तीन दिनों में प्रदेशभर में 2382 कृषि गतिविधियां आयोजित कर 77806 किसानों से सीधा संवाद स्थापित किया है। इनमें 294 कृषक गोष्ठियां में 13273 किसान लाभान्वित हुए।

बिना सूचना बाल कल्याण समिति में नियुक्ति प्रक्रिया शुरू करने पर मांगा जवाब

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने भरतपुर की जिला बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष व सदस्य पद पर बिना आम सूचना निकाले नियुक्ति प्रक्रिया आरंभ करने पर बाल अधिकारिता विभाग के प्रमुख सचिव, कमिश्नर व सदस्य सचिव सहित सहायक निदेशक से जवाब तलब किया है। इसके साथ ही अदालत ने इन पदों की चयन प्रक्रिया को याचिका के निर्णयाधीन रखा है। जस्टिस मनीष शर्मा की एकलपीठ ने यह आदेश उदय भान सिंह व अन्य की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता दिलीप सिंह कुरका ने अदालत को बताया की याचिकाकर्ता भरतपुर जिले की बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष और सदस्य पद पर आवेदन करना चाहते थे।

विभाग की ओर से अन्य जिलों में नियुक्तियों के लिए आम सूचना जारी की गई, लेकिन भरतपुर जिले की समिति के लिए कोई आम सूचना या भर्ती नोटिस जारी नहीं किया गया। याचिकाकर्ता को हाल ही में जानकारी मिली की जिला समिति के लिए आवेदन लिए जा रहे हैं।

ऐसे में याचिकाकर्ता ने बाल संरक्षण यूनिट के समक्ष आवेदन किया तो उसका आवेदन यह कहते हुए लेने से इनकार कर दिया कि आवेदन की अंतिम तिथि 5 मार्च को निकल चुकी है। इसे चुनौती देते हुए कहा गया कि भर्ती के लिए आम सूचना जारी करना जरूरी है, ताकि आमजन को इसकी सूचना मिले और इच्छुक व्यक्ति इसमें आवेदन कर सके। याचिका में गुहार की गई की आवेदन लेने की अंतिम तिथि बढाई जाए और उसकी आम सूचना जारी करते हुए याचिकाकर्ताओं के आवेदन स्वीकार किए जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब करते हुए नियुक्ति प्रक्रिया को याचिका के निर्णय के अधीन रखा है।

'माइनिंग और पेट्रोलियम सेक्टर में 33 हजार करोड़ रु. के निवेश प्रस्तावों पर कार्य प्रगतिरत'

प्रदेश में अब तक 15 हजार करोड़ रु. का निवेश हो चुका : एसीएस माइंस अपर्णा अरोरा

जयपुर । अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम अपर्णा अरोरा ने बताया है कि राइजिंग राजस्थान के दौरान पेट्रोलियम एवं माइनिंग सेक्टर के निवेश समझौतों में 33 हजार करोड रु. के निवेश प्रस्तावों पर काम प्रगति पर होने के साथ ही 15 हजार करोड़ रु. का निवेश भी हो चुका है। इनमें से 6500 करोड़ के निवेश प्रस्ताव लगभग पूर्णता की और हैं। अरोरा गुरुवार को सचिवालय में राइजिंग राजस्थान के दौरान माइनिंग सेक्टर के निवेश प्रस्तावों की प्रगति समीक्षा कर रही थी।

उन्होंने बताया कि राइजिंग राजस्थान के दौरान प्रदेश में कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस, डीपीएनजी-सीएनजी आधारभूत संरचना विकास, सीमेंट प्लांट, कॉपर व माइनर-मेजर मिनरलों से संबंधित निवेश प्रस्तावों पर एमओयू संपन्न हुए थे। उन्होंने बताया कि करीब 2230 करोड़ रु. के निवेश से अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट का कार्य पूरा होकर शुरु हो गया है। इसी तरह से हिन्दुस्तान कॉपर खेतड़ी में प्लांट क्षमता विस्तार पर 1000 करोड़ का निवेश कार्य पूरा होने को है। इण्डियन ऑयल द्वारा 3600 करोड़ रु. की लागत से मूंदड़ा से कच्चे तेल की पाइप लाइन बिछाने का काम भी लगभग पूरा हो गया है। इसी तरह से माइनिंग सेक्टर में 100 करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्तावों पर भी काम पूरा हो चुका है। नोडल अधिकारी अधीक्षण भूवैज्ञानिक संजय सक्सैना ने विस्तार से प्रगति से अवगत कराया।

एमओयू प्रगति समीक्षा बैठक में विशिष्ट सचिव माइंस नम्रता वृष्णि, निदेशक पेट्रोलियम अवधेश सिंह, अधीक्षण खनि अभियंता एनएस शक्तावत, विशेषाधिकारी श्रीकृष्ण शर्मा ने हिस्सा लिया।

इस वर्ष 20 अरब रु. खर्च करके स्कूलों के नए भवन और क्लास रूम बनेंगे, मरम्मत भी होगी

स्कूलों के सर्वे और री-सर्वे से मिले फीडबैक के आधार पर सुधार कार्य कर रही राज्य सरकार

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । प्रदेश की सरकारी स्कूलों में नए भवन और क्लास रूम बनाने तथा पुराने जर्जर स्कूलों की मरम्मत पर भजनलाल सरकार इस वित्तीय वर्ष में 20 अरब रुपए खर्च करेगी। इसके लिए राज्य सरकार ने प्रदेश के तमाम सरकारी विद्यालयों के भवनों का सुरक्षा की दृष्टि से सर्वे और री-सर्वे करवाया है। इस रिपोर्ट के आधार पर नए भवन निर्माण और मरम्मत कार्य की 5 साल की कार्ययोजना बनाई है। इस वित्तीय वर्ष में लगभग 20 अरब रूपये के बजट से नए भवन निर्माण, अतिरिक्त सुविधाओं के विकास व मरम्मत कार्य होंगे।

गुरूवार को मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने सचिवालय में अधिकारियों की बैठक लेकर इस प्रोजेक्ट की समीक्षा की। उन्होंने स्कूलों में निर्माण व मरम्मत कार्य में नवीनतम तकनीक, उच्चतम गुणवत्ता और समय सीमा की पालना करने के निर्देश दिए।

शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजेश यादव ने बताया कि इस वित्त वर्ष में 500 से ज्यादा राजकीय विद्यालयों के नए भवनों का निर्माण होना है। सर्वे में कुछ ऐसे विद्यालय भवन मिले, जहां कोई कमरा विशेष ही खराब हालत में है और शेष बिल्डिंग पूरे मानकों पर खरी उतरी है। इसके अतिरिक्त कुछ विद्यालयों में नामांकन बढ़ने या अतिरिक्त विषय शुरू होने के कारण अतिरिक्त कक्षा कक्ष निर्माण की जरूरत है। प्रत्येक कक्षा कक्ष निर्माण के लिए 10 लाख रूपये बजट का आंकलन किया है। विद्यालयों में पर्याप्त पानी की व्यवस्था के साथ शौचालय सुविधा भी सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है।

सर्वे में सामने आया कि कुछ विद्यालयों के भवन 50 साल से भी अधिक पुराने हैं, ज्यादातर विद्यालय भवन निर्माण के समय प्लिंथ मानक का ध्यान नहीं रखा गया और ड्रेनेज सिस्टम सुचारू न होने से सीपेज, सीलन की समस्या आ गई है।

एसीएस राजेश यादव ने बताया कि नए भवन निर्माण में राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग की गाइडलाइन, बीआईएस के मानक और विशेष योग्यजन अधिनियम, 2016 के बिन्दुओं की पूर्ण पालना सुनिश्चित की जा रही है। करीब 1 करोड़ रूपये से अधिक के निर्माण कार्य में ऑन साइट क्वालिटी कंट्रोल लैब, 30 लाख रूपये से अधिक के कार्य में सार्वजनिक निर्माण विभाग और नेशनल एक्रीडेशन बोर्ड द्वारा चिन्हित एजेंसी द्वारा स्वतंत्र गुणवत्ता परीक्षण करवाया जाना सुनिश्चित किया है। बिजली बचत और बच्चों के स्वास्थ्य विशेषकर आई साइट के लिए पर्याप्त प्राकृतिक रोशनी की व्यवस्था की गई है। स्ट्रक्चर डिजाइन को राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज द्वारा परीक्षण करने के बाद की स्वीकृति दी जा रही है। भवन की सुरक्षा और उत्तरजीविता सुनिश्चित करने के लिए आरसीसी फ्रेम डाला जा रहा है। दीवार और छत को वाटरप्रूफ बनाया जा रहा है, जिससे सीपेज और सीलन न हो। उपयुक्त ड्रेनेज सिस्टम की व्यवस्था के बाद ही निर्माण कार्य शुरू करने के निर्देश दिए है।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने बताया कि विद्यालयों भवनों के निर्माण और मरम्मत के लिए अतिरिक्त बजट मिलने से अधिक महत्वपूर्ण है, जनप्रतिनिधियों, अभिभावकों, सिविल सोसायटी, भामाशाह और इंडस्ट्री का विद्यालयों की ज्यादा से ज्यादा निगरानी और उनसे जुडाव। उन्होंने सांसद-विधायकों से भी आग्रह किया है कि अपने स्थानीय फंड से यह कार्य करवाएं, इससे निगरानी की गुणवत्ता में सुधार होगा। इसके साथ ही पंचायती राज संस्थाओं और स्थानीय निकायों को अपने फंड और विभिन्न योजनाओं से ये कार्य सीधे या कंवर्जेंस के माध्यम से करवाने के लिए बातचीत की गई है। मगरा, डांग जैसी क्षेत्रीय विकास योजनाओं के फंड से भी ये कार्य करवाने का प्रस्ताव है। साथ ही डीएमएफटी और सीएसआर से भी फंड जुटाने का लक्ष्य है।

बैठक में समग्र शिक्षा अभियान की राज्य परियोजना अधिकारी डॉ. रश्मि शर्मा व अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट वीसी के माध्यम से बीकानेर से जुड़े।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने गुरूवार को सचिवालय में अधिकारियों की बैठक लेकर स्कूलों के मरम्मत कार्य और नए निर्माण की समीक्षा की।

6 जून को राजस्थान आएंगे अजेय कुमार

जयपुर । भारतीय जनता पार्टी के नव नियुक्त राजस्थान संगठन महामंत्री अजेय कुमार 6 जून को पहली बार राजस्थान प्रवास पर आएंगे। उनके दौरे को लेकर प्रदेश भाजपा संगठन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। अजेय कुमार के आगमन को संगठनात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि हाल ही में उन्हें राजस्थान भाजपा के संगठन महामंत्री का दायित्व सौंपा गया है।

सूत्रों के अनुसार, अजेय कुमार जयपुर में प्रदेश भाजपा पदाधिकारियों, जिला प्रभारियों और संगठन से जुड़े प्रमुख कार्यकर्ताओं की बैठक लेंगे। बैठक में संगठन विस्तार, आगामी कार्यक्रमों, बूथ सशक्तिकरण अभियान तथा कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय को लेकर विस्तृत चर्चा की जाएगी। इसके अलावा विभिन्न जिलों में चल रहे संगठनात्मक कार्यों की समीक्षा भी की जाएगी।

भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के साथ होने वाली इस बैठक में आगामी राजनीतिक गतिविधियों और चुनावी रणनीति पर भी मंथन होने की संभावना है। विशेष रूप से राज्यसभा चुनाव को लेकर पार्टी की तैयारियों और संभावित रणनीति पर चर्चा होने की जानकारी सामने आ रही है। अजेय कुमार के दौरे को प्रदेश भाजपा के लिए नई ऊर्जा और संगठनात्मक मजबूती के रूप में देखा जा रहा है। कार्यकर्ताओं में भी उनके प्रथम राजस्थान प्रवास को लेकर उत्साह का माहौल है।

वंदे गंगा अभियान में जयपुर जिला प्रदेश में अव्वल

40 हजार कार्यक्रमों में 27 लाख लोगों ने भागीदारी कर रचा इतिहास

जयपुर (कासं)। राज्य सरकार के निर्देशानुसार जयपुर जिले में गत 25 मई से आयोजित हो रहे वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान-2026 ने सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। जिला कलक्टर संदेश नायक ने गुरूवार को मीडिया संगोष्ठी में बताया कि गंगा दशमी के पावन पर्व से शुरू होकर 5 जून (विश्व पर्यावरण दिवस) तक चलने वाले इस 12 दिवसीय महाअभियान के तहत जयपुर जिले ने पूरे प्रदेश में सर्वाधिक सक्रियता दिखाते हुए पहला स्थान प्राप्त किया है।

■ मानसून से पूर्व खोदे गए 20 लाख गड्ढे, मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान में 26 करोड़ के नए कार्य स्वीकृत

■ उत्कृष्ट कार्य करने वालों को आज मिलेगा जल गौरव सम्मान

अभियान के दौरान जिले की ग्राम पंचायतों और शहरी वार्डों में कुल 40 हजार से अधिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें 27 लाख से अधिक नागरिकों ने प्रत्यक्ष रूप से भाग लेकर जल संरक्षण को एक जन-आंदोलन का रूप दिया है। अभियान की महत्ता को रेखांकित करते हुए इसका जिला स्तरीय शुभारंभ 25 मई को पवित्र गलता तीर्थ पर हुआ था। गंगा दशमी के शुभ अवसर पर गलताजी में भव्य गंगा आरती, कलश पूजन और महिलाओं द्वारा कलश यात्रा निकाली गई। इस अवसर पर अतिथियों और आमजन ने गलता तीर्थ के प्राचीन जल कुंड के जीर्णोद्धार और सफाई के लिए ऐतिहासिक श्रमदान किया। इसी तर्ज पर जिले के सभी ब्लॉक मुख्यालयों पर सांसद, विधायक और स्थानीय जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में ब्लॉक स्तरीय कार्यक्रमों का आयोजन कर इस अभियान को गति दी गई।

मानसून से पूर्व 20 लाख गड्ढे खोदे गए हैं, मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान में 26 करोड़ के नए कार्य स्वीकृत हुए है। इस प्रोजेक्ट में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को 5 जून को जल गौरव सम्मान से नवाजा जाएगा।

अलवर में दिल्ली निवासी पादरी पर 15 लोगों को धर्मांतरण कराने का आरोप

मौके पर पहुंची पुलिस ने पादरी को हिरासत में लिया, 15 लोग मौके से फरार हो गए

अलवर, (निसं)। अलवर में धर्मांतरण के आरोप पर लोगों ने पादरी से मारपीट कर दी। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के कार्यकर्ता सूचना मिलने पर एक घर में घुसे, जहां ईसा मसीह की प्रार्थना चल रही थी। कार्यकर्ताओं ने पादरी को घर से बाहर निकाला, जबकि 15 लोग मौके से फरार हो गए। भीड़ ने पादरी के कपड़े भी फाड़ दिए। मारपीट का वीडियो भी सामने आया है। वीडियो महिला पादरी को लात मारती हुई दिख रही है।

विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि पादरी दिल्ली से आता है। संगठन को सूचना मिली थी कि इस घर में धर्मांतरण कराया जा रहा था। मौके से धार्मिक साहित्य और प्रार्थना से जुड़ी किताबें मिली हैं। मोबाइल की जांच में धार्मिक गतिविधियों से जुड़े वीडियो और अन्य सामग्री भी मिली है। पूछताछ में पादरी ने बताया कि अब तक 15 से ज्यादा लोगों का धर्मांतरण करवा चुका है। यह मामला अखेपुरा थाना क्षेत्र स्थित तंवर कॉलोनी का है। गुरुवार दोपहर 1 से 3 बजे तक हंगामा चला। मौके पर पहुंची पुलिस ने पादरी को हिरासत में लिया। कार्यकर्ता आरोपी को पैदल ले जाने की माँग पर अड़ गए और पुलिस की गाड़ी के आगे खड़े हो गए।

अलवर में धर्मांतरण के आरोप में विहिप कार्यकर्ताओं ने घर से बाहर निकाल पादरी से मारपीट कर दी।

विहिप के प्रांत संयोजक प्रेम सिंह राजावत ने बताया कि संगठन को सूचना मिली थी कि तंवर कॉलोनी में धर्मांतरण की गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। सूचना पर कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे। घर में कुछ लोग एकत्रित होकर ईसा मसीह से जुड़ी प्रार्थना और धार्मिक पाठ में शामिल थे। विहिप कार्यकर्ताओं के पहुंचने के बाद करीब 15 जने मौके से फरार गए। कार्यकर्ताओं ने जब पादरी की तलाशी ली, तो उसके पास से धार्मिक साहित्य और प्रार्थना से जुड़ी किताबें मिलीं। मोबाइल की जांच में भी धार्मिक गतिविधियों से जुड़े वीडियो मिले है।

- मोबाइल की जांच में धार्मिक गतिविधियों से जुड़े वीडियो और अन्य सामग्री भी मिली

नितिन ने बताया कि मैं दूसरी बार इस कार्यक्रम में शामिल होने आया था। घर में ईसा मसीह का पाठ कराया जा रहा था। लोगों के लिए प्रार्थना की जा रही थी। सभा में दावा किया जा रहा था कि इस प्रार्थना को करने से सभी बीमारियां दूर हो सकती हैं। साथ ही, हिंदू देवी-देवताओं से दूर रहने की बातें भी कही जा रही थीं।

पूछताछ में पादरी राजकुमार ने बताया कि मैं दिल्ली का रहने वाला हूं। पिछले चार-पांच सालों से अलवर आता-जाता रहा हूं। लोगों को ईसा मसीह से संबंधित धार्मिक पाठ और प्रार्थना करवाता हूं। दिल्ली में मेरी कपड़ों की दुकान है। विहिप कार्यकर्ताओं के पूछने पर पादरी ने कहा कि मैं अब तक यहां करीब 15 लोगों का धर्म परिवर्तन करवा चुका हूं।

हंगामे की सूचना मिलते ही अखेपुरा थाना पुलिस एसएचओ महेश के नेतृत्व में मौके पर पहुंची। पुलिस जब पादरी को वाहन में बैठाकर थाने ले जाने लगी, तो कुछ समय के लिए विहिप कार्यकर्ताओं ने विरोध जताया। कार्यकर्ताओं की मांग थी कि आरोपी को पैदल ले जाया जाए। बाद में पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच समझाइश के बाद स्थिति शांत हुई। पुलिस आरोपी को हिरासत में लेकर थाने पहुंची।

अखेपुरा थाना प्रभारी महेश ने बताया कि संबंधित व्यक्ति को हिरासत में ले लिया गया है। मामले की गहनता से जांच की जा रही है। सभी पहलुओं की पड़ताल के बाद ही पूरी स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल पुलिस मामले से जुड़े तथ्यों और आरोपों की जांच में जुटी हुई है।

कोटा में कोचिंग छात्र ने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या की

कोटा, (निसं)। जवाहर नगर थाना इलाके में कोटा में रहकर इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर रहे कोचिंग छात्र ने बुधवार देर रात्रि को कमरे में फांसी का फन्दा लगाकर आत्महत्या कर ली।

जानकारी के अनुसार सालभर से जवाहर नगर इलाके के राजीव गांधी नगर में एक पीजी में रह रहे यूपी निवासी कोचिंग छात्र ने कमरे में फांसी का फन्दा लगा लिया, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और छात्र को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बुधवार रात्रि को मृतक के शव को एमबीएस अस्पताल के पोस्टमार्टम रूम में रखवाया और मृतक के परिजनों को सूचित किया गया।

- यूपी निवासी कोचिंग छात्र कोटा में रहकर इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर रहा था

जवाहर नगर थानाधिकारी रामलक्ष्मण गुर्जर ने बताया कि उत्तरप्रदेश के संत कबीर नगर निवासी आर्यन ओझा (17) कोटा में रहकर इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर रहा था, छात्र ने राजीव गांधी नगर स्थित पीजी पर अपने कमरे में फांसी का फन्दा लगा लिया, सूचना पाकर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। थानाधिकारी ने बताया कि मृतक के परिजनों के कोटा पहुंचने के बाद गुरूवार को मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया, फिलहाल आत्महत्या के पीछे कोई कारण सामने नहीं आया है।

पुलिस उप अधीक्षक योगेश शर्मा ने बताया कि छात्र फरवरी माह में ही कोटा आया था तथा जेईई की तैयारी कर रहा था। प्रारंभिक तौर पर सामने आया है कि छात्र ने अभी कोई एग्जाम नहीं दिया था। छात्र के परिजन कोटा पहुंचे, परिजनों के कोटा पहुंचने पर परिजनों के कहने पर बिना पोस्टमार्टम के ही छात्र का शव उनको सौंपा गया है। वह शव को लेकर चले गए हैं। परिजनों की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर मामले में अनुसंधान किया जा रहा है। मामले में हर एंगल पर जांच की जाएगी।

मंदिर में हुई चोरी का खुलासा

बिसाऊ, (निसं)। झुंझुनूं पुलिस ने शिव मंदिर में हुई चोरी की वारदात का महज छह घंटे में खुलासा कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने चोरी किया गया संपूर्ण सामान भी बरामद कर लिया है।

बिसाऊ थाना प्रभारी शेरसिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने आरोपी को गिरफ्तार किया। जानकारी के अनुसार, कस्बा बिसाऊ स्थित राजपूत समाज के मुक्तिधाम में बने शिव मंदिर में 1 जून की रात अज्ञात चोर ने मंदिर का ताला

- चोरी का माल सहित दो जने गिरफ्तार

तोड़कर आरती मशीन, शिवलिंग का तांबे का कलश, शेषनाग-त्रिशूल स्टैंड, 200 फीट केबल रोल, प्लास्टिक बाल्टी, पीतल की घंटी, पीतल का दीपक तथा एक ओरिएंट पंखा चोरी कर लिया। इतना ही नहीं, आरोपी ने मंदिर में स्थापित मूर्ति को भी हटाकर मुख्य द्वार के पास पटक दिया, जिससे श्रद्धालुओं में आक्रोश व्याप्त हो गया। घटना की सूचना मिलने पर मंदिर समिति से जुड़े नरेन्द्र सिंह ने पुलिस थाना बिसाऊ में रिपोर्ट दर्ज कराई। मामला दर्ज होते ही पुलिस हरकत में आई और आसपास के लोगों से पूछताछ तथा सीसीटीवी कैमरों की जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी जाकिर खान (42) निवासी वार्ड संख्या 13, बिसाऊ को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें उसने चोरी की वारदात कबूल कर ली।

हनुमानगढ़ में 15 हजार की रिश्वत लेते पटवारी गिरफ्तार

परिवादी के पिता के नाम इंतकाल दर्ज करने के बदले 30 हजार की रिश्वत मांगी

हनुमानगढ़, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो हनुमानगढ़ इकाई ने गुरुवार को कार्रवाई करते हुए चाहूवाली पटवार मंडल, तहसील टिब्बी के राजस्व पटवारी श्रीराम को 15 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। आरोपी पटवारी पर परिवादी के पिता के नाम इंतकाल (नामांतरण) दर्ज करने की एवज में 30 हजार रुपए की रिश्वत मांगने का आरोप है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस गोविन्द गुप्ता ने बताया कि एसीबी चौकी हनुमानगढ़ को एक शिकायत प्राप्त हुई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि राजस्व पटवारी श्रीराम, निवासी डबली खुर्द, टिब्बी, परिवादी के पिता के नाम इंतकाल दर्ज करने के बदले 30 हजार रुपए की रिश्वत मांग रहा है। शिकायत मिलने के बाद एसीबी ने उसका सत्यापन किया, जिसमें आरोप प्रथमदृष्टया सही पाए गए।

एसीबी ने राजस्व पटवारी श्रीराम को रिश्वत लेते गिरफ्तार किया।

इसके बाद एसीबी टीम ने ट्रैप कार्रवाई की योजना तैयार की। एसीबी के उपमहानिरीक्षक पुलिस नारायण टोगस के सुपरविजन में हनुमानगढ़ इकाई की अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुधा पालावत के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। टीम ने योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई करते हुए आरोपी पटवारी को 15 हजार रुपए की रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। कार्रवाई के दौरान एसीबी की टीम ने मौके पर आवश्यक साक्ष्य भी एकत्रित किए।

गोगुंदा में जेवर सहित चार लाख का सामान चोरी

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर के जिले के गोगुंदा में उन्डीथल ग्राम पंचायत के कड़ेचावास में बीती रात चोरों ने एक सूने मकान को निशाना बनाया। चोरों ने यहां जमकर उत्पात मचाया और घर के अंदर रखे कीमती सामान और जेवरों से भरी पेटियां चुरा ली। शातिर चोर इन पेटियों को घर से करीब 300 मीटर दूर एक आम के पेड़ के नीचे ले गए। वहां उन्होंने आराम से पेटियों के ताले तोड़े और उसमें रखे सोने-चांदी के जेवर व नकदी समेटकर फरार हो गए।

जानकारी के अनुसार कड़ेचावास के रहने वाले मांगीलाल सेन के घर में देर रात अज्ञात चोर घुस आए। चोरों ने कमरों में रखे पूरे सामान को पूरी तरह बिखेर दिया। इसके बाद वे भारी-भरकम पेटियां उठाकर ले गए। मांगीलाल ने बताया कि परिवार के लोग सुबह जागे तो घर का नजारा देखकर उनके होश उड़ गए। पूरा सामान अस्त-व्यस्त पड़ा था। जब खोजबीन की गई तो घर से 300 मीटर दूर आम के पेड़ के नीचे पेटियां टूटी हुई हालत में मिली, जिनमें से सारा कीमती सामान गायब था। पीड़ित मांगीलाल सेन ने बताया कि चोर उनके घर से सोने व चांदी के जेवर चुरा ले गए। जेवरों के अलावा चोरों ने घर में रखी 40 हजार रुपये की नकदी और दो मोबाइल फोन पर भी हाथ साफ कर दिया। शुरुआती अंदाजा लगाया जा रहा है कि चोरी गए इस पूरे माल की कीमत 4 लाख रुपये से भी ज्यादा है। मामले की जानकारी मिलते ही गोगुंदा पुलिस की टीम जाब्ते के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया।

सीकर विधायक की गाड़ी और बाइक की टक्कर, एक युवक घायल

सीकर, (निसं)। सीकर विधायक की गाड़ी और एक बाइक की टक्कर में बाइक सवार युवक घायल हो गया। विधायक घायल युवक को फौरन नवलगढ़ के जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे सीकर रेफर कर दिया। घटना झुंझुनूं जिले के नवलगढ़ थाना क्षेत्र के वीर बालाजी मंदिर के पास की है। घायल युवक की पहचान रामकुमार सैनी निवासी अंटावली ढाणी (नवलगढ़) के रुप में हुई।

सीकर विधायक राजेंद्र पारीक ने

- विधायक घायल युवक को लेकर नवलगढ़ अस्पताल पहुंचे, जहां से सीकर रेफर किया

बताया कि गुरुवार सुबह नवलगढ़ में एक शोकसभा में शामिल होने के लिए आए थे। सुबह 11:45 बजे वीर बालाजी मंदिर के पास सामने से आ रहा एक बाइक सवार कार की साइड से टकरा गया और बेकाबू होकर सड़क पर गिर गया। घटना के फौरन बाद उसे अपनी गाड़ी से नवलगढ़ के जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां घायल युवक रामकुमार सैनी को प्राथमिक उपचार दिया गया। बेहतर इलाज के लिए उसे सीकर ले जाने का फैसला किया गया। इस पर कार्यकर्ताओं के साथ उसे सीकर भेजा गया है। घायल के इलाज में जो भी खर्च आएगा, वह मेरी ओर से वहन किया जाएगा। इसके बाद विधायक शोकसभा के लिए रवाना हो गए।

शादी कराने का झांसा देकर ठगी

सुलताना, (निसं)। जिले की सुलताना थाना पुलिस ने विवाह करवाने के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से धोखाधड़ी कर हड़पी गई राशि भी बरामद कर ली है।

पुलिस के अनुसार किठाना निवासी सत्यवीर पुत्र बदरूराम जाट ने 2 जून को सुलताना थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि उसकी पहचान अशोक पुत्र महेश कुमार निवासी घरडाना खुर्द से थी। अशोक ने उसके पुत्र की शादी करवाने का भरोसा दिलाते हुए कुछ रूपये खर्च होने की बात कही। शादी की बात तय होने के बाद 4 अप्रैल 2026 की रात एक महिला दुल्हन बनकर उनके घर पहुंची, लेकिन अगले ही दिन वह घर में रखे जेवर और 10 हजार रूपये नकद लेकर फरार हो गई। पीड़ित को जब अपने साथ हुई ठगी का एहसास हुआ तो उसने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई। थानाधिकारी रविन्द्र कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने सूचनाएं जुटाने के बाद पुलिस ने गिरोह से जुड़े किशनलाल तथा अशोक पुत्र महेश कुमार जाट को पकड़ लिया।

बाइक टच होने के विवाद में युवक से मारपीट

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के गांधीनगर थाना क्षेत्र में एक ब्लिंकिट डिलीवरी बॉय के साथ मारपीट, अपहरण, तोड़फोड़ और लूटपाट का मामला सामने आया है। सिर्फ गाड़ी टच होने के मामूली विवाद को लेकर कुछ युवकों ने वारदात को अंजाम दिया। घटना के विरोध में आक्रोशित होकर बड़ी संख्या में ब्लिंकिट के डिलीवरी पार्टनर्स गांधीनगर थाने के बाहर एकत्रित हो गए और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन कर रहे साथी कर्मचारी बबलू सिंह ने बताया कि ब्लिंकिट कंपनी का डिलीवरी बॉय गजेंद्र सिंह गुरुवार सुबह पुलिस लाइन इलाके में एक ऑर्डर की डिलीवरी देने गया था। इसी दौरान उसकी बाइक एक अन्य वाहन से टच हो गई। गजेंद्र सिंह ने अपनी गलती के लिए माफी मांगी और वाहन को हुए नुकसान की भरपाई करने की बात भी कही, लेकिन इसके बावजूद संबंधित व्यक्ति शांत नहीं हुआ और विवाद बढ़ता चला गया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि दूसरे वाहन चालक ने पहले तो गजेंद्र के साथ सरेराह गाली-गलौच की और फिर फोन करके अपने अन्य साथियों को भी मौके पर बुला लिया। इसके बाद आरोपी युवक गजेंद्र सिंह को जबरन अपने साथ उठाकर एक घर में ले गए। वहां बंधक बनाकर उसके साथमारपीट की गई, जिससे गजेंद्र सिंह को गंभीर चोटें आई हैं। आरोपियों ने गजेंद्र सिंह का मोबाइल फोन तोड़ दिया और उसकी बाइक को भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। आरोपियों ने उसके पास रखे चार हजार नगद भी जबरन छीन लिए। जब डिलीवरी बॉय के साथियों को इस घटना का पता चला और उन्होंने इस मामले की शिकायत पुलिस में करने की बात कही, तो दबंग आरोपियों ने उन्हें खुलेआम धमकी दी। आरोपियों ने कहा कि "उनका कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता"। जिसके बाद सभी एकजुट होकर गांधीनगर थाने पहुंचे और तत्काल कार्रवाई की मांग को लेकर धरने पर बैठ गए। उन्होंने दोटूक शब्दों में चेतावनी दी है कि जब तक सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ सख्त से कार्रवाई नहीं की जाती, तब तक प्रदर्शन और कामबंद हड़ताल लगातार जारी रहेगी।

विषाक्त दवा के सेवन से युवक की मौत

सूरजगढ़, (निसं)। क्षेत्र के भूडनपुरा गांव निवासी एक युवक की विषाक्त दवा के सेवन के बाद उपचार के दौरान मौत हो गई। युवक को गंभीर अवस्था में आदर्श राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, सूरजगढ़ में भर्ती कराया गया था, जहां चिकित्सकों के प्रयासों के बावजूद उसकी जान नहीं बचाई जा सकी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नितिन पुत्र बाबूलाल निवासी भूडनपुरा विषाक्त दवा के सेवन के बाद बेहोशी की हालत में मिला। उसे तत्काल उपचार के लिए सूरजगढ़ के सरकारी अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसकी हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार शुरू किया। अस्पताल प्रशासन और डॉक्टरों ने युवक को बचाने के हरसंभव प्रयास किए, लेकिन उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। युवक की मौत की सूचना मिलते ही अस्पताल परिसर में लोगों की भीड़ जुट गई। घटना की जानकारी पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। साथ ही परिजनों को घटना की सूचना देकर उनके बयान दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार प्रथम दृष्टया मामला विषाक्त दवा के सेवन का प्रतीत हो रहा है, लेकिन युवक ने यह कदम किन परिस्थितियों में उठाया, इसकी जांच की जा रही है। पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की पड़ताल कर रही है फिलहाल मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। घटना के बाद भूडनपुरा सहित आसपास के क्षेत्र में शोक का माहौल है तथा परिजन गहरे सदमे में हैं।

महिला पटवारी ने पांच हजार की रिश्वत ली

जयपुर/अलवर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की अलवर प्रथम टीम ने गुरुवार को कार्रवाई करते हुए खैरथल-तिजारा जिले की सांथलका तहसील टपूकड़ा की एक महिला पटवारी को पांच हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। आरोपित महिला परिवादी के पिता के निधन के बाद इंतकाल खोलने और राजस्व रिकॉर्ड में नाम दुरुस्त करने की एवज में रिश्वत मांग रही थी।

एसीबी डीजी गोविंद गुप्ता ने बताया कि परिवादी ने शिकायत दी थी कि उसके पिता के निधन के बाद स्वयं एवं अन्य परिजनों के नाम इंतकाल दर्ज कराने तथा राजस्व रिकॉर्ड में पिता का नाम सही करवाने के लिए महिला पटवारी आशा देवी तीस हजार रुपये रिश्वत की मांग कर रही हैं। शिकायत के सत्यापन के दौरान 25 मई को एसीबी ने पाया कि आरोपित महिला पटवारी रिश्वत की मांग कर चुकी थी तथा परिवादी से पहले ही 10 हजार रुपये ले चुकी थी। इसके अलावा वह 5 हजार रुपये और देने का दबाव बना रही थी। इसके बाद एसीबी चौकी अलवर प्रथम के प्रभारी शब्बीर खान के नेतृत्व में ट्रैप कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान महिला पटवारी आशा देवी को परिवादी से 5 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार कर लिया।

पावटा की साबी नदी के किनारे भारी मात्रा में "राजस्थान सरकार" लिखी दवाइयां मिलीं

पावटा, (निसं)। ग्राम राजनौता क्षेत्र की साबी नदी के किनारे बड़ी मात्रा में सरकारी दवाइयां मिलने से स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया। नदी क्षेत्र में खुले में पड़ी दवाओं की सूचना मिलने पर ग्रामीण मौके पर पहुंचे, जहां दवा की शीशियां बिखरी हुई दिखाई दी। दवाओं की पैकिंग पर "राजस्थान सरकार" अंकित होने के कारण मामला गंभीर हो गया है और सरकारी दवा वितरण व निस्तारण व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दवाइयां नदी किनारे झाड़ियों और खुले स्थानों पर फैली हुई थीं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि ये दवाइयां सरकारी स्टॉक की है तो उनका इस तरह खुले में पहुंचना गंभीर लापरवाही का मामला है। लोगों ने आशंका जताई कि दवाओं को नियमों के तहत नष्ट करने के बजाय सुनसान क्षेत्र में फेंका गया हो सकता है। ग्रामीणों ने सवाल उठाया कि जहां कई बार सरकारी अस्पतालों में मरीजों को आवश्यक दवाइयों की कमी का सामना करना पड़ता है, वहीं दूसरी ओर सरकारी दवाओं का खुले में मिलना व्यवस्था की खामियों को उजागर करता है। साथ ही खुले में पड़ी दवाइयों से बच्चों, पशुओं और पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचने की आशंका जताई जा रही है। मामले की जानकारी मिलने के बाद चिकित्सा विभाग हरकत में आया।

पावटा के ग्राम राजनौता क्षेत्र की साबी नदी के किनारे सरकारी दवाइयां मिलने से हड़कंप मच गया।

ब्लॉक मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (बीसीएमएचओ) कृष्ण सिंह ने बताया कि घटना की सूचना प्राप्त हुई है। प्रारंभिक स्तर पर संबंधित चिकित्सक द्वारा इन दवाइयों को अस्पताल के स्टॉक से जुड़ा होने से इनकार किया गया है, लेकिन मामले की गहन जांच कराई जाएगी। दवाओं के बैच नंबर, सप्लाई रिकॉर्ड और स्टॉक रजिस्टर की जांच के आधार पर यह पता लगाया जाएगा कि दवाइयां किस स्थान से आईं और नदी क्षेत्र तक कैसे पहुंचीं। बीसीएमएचओ ने कहा कि जांच में यदि किसी स्तर पर लापरवाही या अनियमितता सामने आती है तो जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

- मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कृष्ण सिंह ने मामले को लेकर जांच करवाने के आदेश दिये

इधर स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन से पूरे मामले की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि सरकारी दवाओं के रखरखाव, वितरण और निस्तारण की व्यवस्था की भी समीक्षा होनी चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। साबी नदी किनारे मिली सरकारी दवाओं की यह खेप अब केवल लापरवाही का मामला नहीं, बल्कि सरकारी स्वास्थ्य संसाधनों की निगरानी और जवाबदेही से जुड़ा बड़ा सवाल बन गई है। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही पूरे मामले की वास्तविक तस्वीर सामने आ सकेगी।

अजमेर के पीसांगन क्षेत्र में कथित 'लव जिहाद' मामले में ग्रामीणों का प्रदर्शन

नाबालिग बालिका को वापस परिजनों को सौंपने और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग

अजमेर, (कासं)। पीसांगन तहसील क्षेत्र के एक गांव में नाबालिग बालिका से जुड़े कथित 'लव जिहाद' प्रकरण को लेकर गुरुवार को बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने जिला मुख्यालय पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने अजमेर जिला कलैक्ट्रेट के बाहर एकत्रित होकर प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और मामले में त्वरित कार्रवाई की मांग उठाई।

- ग्रामीणों ने अजमेर कलैक्ट्रेट के बाहर प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा
- ग्रामीणों का आरोप है कि उनके गांव की एक नाबालिग बालिका को आदिल नामक युवक ने प्रेम संबंधों के जाल में फंसाकर उससे निकाह कर लिया

नरेन्द्र कुमार सेन समेत ग्रामीणों का आरोप है कि उनके गांव की एक नाबालिग बालिका को आदिल नामक युवक ने प्रेम संबंधों के जाल में फंसाकर उससे निकाह कर लिया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि बालिका अभी नाबालिग है, इसलिए पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जानी चाहिए और उसे सुरक्षित रूप से उसके परिजनों को सौंपा जाना चाहिए। प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने कहा कि बालिका के परिवार को न्याय दिलाने के लिए वे लंबे समय से प्रशासनिक स्तर पर गुहार लगा रहे हैं, लेकिन अब तक संतोषजनक कार्रवाई नहीं हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि मामले में शामिल सभी व्यक्तियों की भूमिका की जांच की जाए तथा यदि कोई संगठित गिरोह सक्रिय है तो उसके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि इस प्रकार की घटनाओं के पीछे यदि कोई नेटवर्क या गिरोह कार्य कर रहा है तो उसकी भी गहन जांच होनी चाहिए। साथ ही यह भी पता लगाया जाए कि ऐसे लोगों को आर्थिक सहायता या फंडिंग कहां से प्राप्त हो रही है।

प्रदर्शन के बाद ग्रामीणों के प्रतिनिधिमंडल ने जिला प्रशासन के अधिकारियों से मुलाकात कर अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में नाबालिग बालिका की सुरक्षा सुनिश्चित करने, मामले की निष्पक्ष जांच कराने, दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने तथा पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की गई। ग्रामीणों ने प्रशासन से आग्रह किया कि मामले को गंभीरता से लेते हुए सभी तथ्यों की जांच कर उचित कानूनी कार्रवाई की जाए, जिससे भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही उनकी मांगों पर कार्रवाई नहीं हुई और परिवार को न्याय नहीं मिला, तो क्षेत्रभर के लोगों को साथ लेकर एक बड़ी महापंचायत आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को लेकर ग्रामीण समाज में भारी आक्रोश है और लोग प्रशासन से त्वरित एवं निष्पक्ष कार्रवाई की अपेक्षा कर रहे हैं। ज्ञापन सौंपने के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों ने ग्रामीणों की बात सुनी और मामले को संबंधित विभागों तक पहुंचाकर जांच करवाने का आश्वासन दिया।

इस समय वह टेनिस छोड़ने तक के बारे में सोच रही हैं। हालांकि उन्होंने उम्मीद जताई कि कुछ दिनों में वह मानसिक रूप से फिर मजबूत होकर वापसी कर सकेंगी। – आर्यना सबालेंका

बेलारूस की स्टार खिलाड़ी, अपने खेल (टेनिस) को छोड़ने के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

विनेश फोगाट

महिला पहलवान विनेश फोगाट और भारतीय कुश्ती महासंघ के बीच चल रहे चयन विवाद में सुप्रीम कोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने भारतीय कुश्ती महासंघ की उस याचिका का समाधान कर दिया है, जिसमें दिल्ली उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी गई थी जिसके तहत विनेश फोगाट को वर्ष 2026 एशियाई खेलों के चयन ट्रायल में हिस्सा लेने की अनुमति दी गई थी। चयन ट्रायल की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और विनेश फोगाट उसमें सफल नहीं हो सकीं हैं। इसी कारण सुप्रीम कोर्ट ने माना कि याचिका पर आगे सुनवाई करने का कोई व्यावहारिक उद्देश्य नहीं बचा है।

क्या आप जानते हैं ?... प्रथम हैट्रिक: अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल मैच में भारत के लिए हैट्रिक बनाने वाले पहले खिलाड़ी आर. लुम्सडेन थे, जिन्होंने 1938 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की थी।

// भारतीय टीम में बड़े बदलाव की सुगबुगाहट //

सूर्यकुमार से छिन सकती है टी-20 की कप्तानी, श्रेयस और तिलक रेस में सबसे आगे

नई दिल्ली, 4 जून। भारतीय क्रिकेट में इस समय एक बहुत बड़े प्रशासनिक और रणनीतिक बदलाव की तैयारी चल रही है। कड़े फैसले लेने के लिए मशहूर मुख्य कोच गौतम गंभीर और राष्ट्रीय चयन समिति अब एक बेहद चौंकाने वाला कदम उठाने जा रहे हैं। खबरों की मानें तो स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को भारतीय टी20 टीम की कप्तानी से हटाया जा सकता है। ब्रिटेन दौरे के लिए टीम का चयन होने से ठीक पहले इस बड़े फैसले के बारे में बीसीसीआई की शीर्ष परिषद को सूचित किया जा सकता है। उम्मीद है कि बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया इस बात की पूरी जानकारी परिषद को देंगे कि राष्ट्रीय चयनकर्ता और मुख्य कोच गौतम गंभीर इस फैसले पर एकमत हैं या नहीं।यह साफ है कि अगर सूर्यकुमार को कप्तानी से हटाया जाता है तो लगभग 18 महीनों तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाने के कारण उन्हें टीम में एक खिलाड़ी के तौर पर भी नहीं रखा जाएगा। बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया, ''सूर्यकुमार को कप्तानी से हटाया जाना लगभग तय है। चयनकर्ता आईपीएल के आखिर तक इंतजार करना चाहते थे, ताकि यह देख सकें कि क्या वह अपनी पुरानी लय में लौट पाते हैं या नहीं। लेकिन, वह पूरी तरह से लय से बाहर दिखे। वह रन ही नहीं बना रहे थे बल्कि उनकी बल्लेबाजी में भी वह धार नहीं दिख रही थी। इसलिए अब एक कड़ा फैसला लेना जरूरी हो गया है।'' सूत्र ने कहा, ''चयनकर्ता उन्हें लंबी सूची से बाहर कर देंगे और उन्होंने संकेत दे दिया है कि सूर्यकुमार अब उनकी योजनाओं का हिस्सा नहीं हैं।'' सूत्र ने कहा, ''श्रेयस अय्यर और तिलक वर्मा अगले टी20 कप्तान बनने के दावेदार हैं।'' हालांकि कप्तानी का चुनाव इतना सीधा नहीं है। जैसा कि पिछले सप्ताह बताया था कि कुछ विकल्प मौजूद हैं। सूर्यकुमार के बाहर होने के बाद श्रेयस अय्यर एक स्वाभाविक पसंद लगते हैं। लेकिन एक अप्रत्याशित विकल्प तिलक हो सकते हैं, जिनके बारे में चयन समिति के कई सदस्यों का मानना है कि अपनी उम्र को देखते हुए वह एक आदर्श उम्मीदवार हैं। सूत्र ने कहा, ''तिलक को श्रीलंका में ए सीरीज के लिए कप्तान बनाया गया है, ताकि उनकी कप्तानी की काबिलियत को परखा जा सके।'' ऐसा समझा जाता है कि गंभीर को श्रेयस को लेकर कुछ आपत्तियां हैं जो 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान थे जब मौजूदा भारतीय मुख्य कोच टीम के मेंटोर थे। उस समय श्रेयस ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि उनकी काबिलियत को कम आंका जा रहा है और यह बात किसी की नजर से छिपी नहीं रही। सभी को पता है कि गंभीर की पहली पसंद संजू सैमसन हैं जिन्होंने टी20 विश्व कप के नॉकआउट चरण में शानदार प्रदर्शन किया था। लेकिन चयनकर्ताओं को इस बात का पूरा भरोसा नहीं है कि सैमसन या ईशान किशन में से कोई भी लंबे समय तक लगातार अच्छा प्रदर्शन कर पाएगा।

रोहित का अफगानिस्तान वनडे सीरीज में खेलना संदिग्ध, चोट के चलते बाहर होने का खतरा

नई दिल्ली, 4 जून। आईपीएल 2026 के दौरान हैमस्ट्रिंग में चोट लगने के कारण भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा का अफगानिस्तान के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज में खेलना संदिग्ध बना हुआ है। रोहित और हार्दिक पांड्या दोनों को वनडे टीम में शामिल किया गया था, लेकिन बीसीसीआई के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने स्पष्ट कर दिया है कि उनकी उपलब्धता पूरी तरह से उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगी। टीम में शामिल होने से पहले दोनों क्रिकेटरों को बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीईओ) में फिटनेस टेस्ट पास करना होगा। रोहित अभी तक बेंगलुरु स्थित सीई में नहीं पहुंचे हैं और रिपोर्ट के अनुसार, संभावना है कि वह सीरीज से बाहर रह सकते हैं।

वहीं दूसरी ओर, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सूत्रों के अनुसार, विराट कोहली हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। अहमदाबाद में गुजरात टाइटन्स (जीटी) के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के फाइनल के आखिरी चरणों में विराट कोहली को दौड़ते समय संघर्ष करते देखा गया, लेकिन उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को 156 रनों के मुश्किल लक्ष्य का पीछा करने में 42 गेंदों में 75 रन बनाकर जीत दिलाई।

हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण अफगानिस्तान वनडे सीरीज से बाहर हुए विराट कोहली

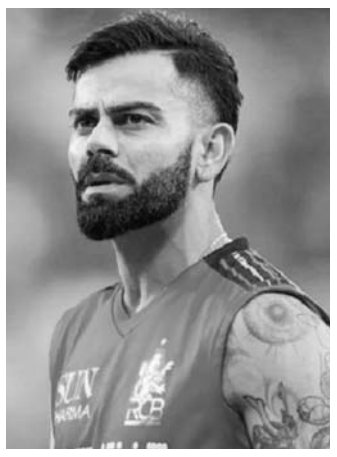

नई दिल्ली, 4 जून। भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों के लिए एक बेहद निराशाजनक खबर सामने आई है। भारतीय बल्लेबाजी के सुपरस्टार और पूर्व कप्तान विराट कोहली हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण सोमवार को अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली आगामी तीन मैचों की वनडे श्रृंखला से बाहर हो गए हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के एक विश्वसनीय सूत्र ने इस बात की पुष्टि करते हुए कहा, ''कोहली हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे श्रृंखला से बाहर हो गए हैं।'' दोनों देशों के बीच तीन मैचों की यह वनडे सीरीज 13 जून को धर्मशाला के खूबसूरत मैदान पर शुरू होने वाली है। भारत का यह पूर्व कप्तान अब केवल वनडे प्रारूप में ही खेलता है लेकिन अब भी वह दुनिया भर के क्रिकेट प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। अब यह देखना बाकी है कि रोहित शर्मा अफगानिस्तान के खिलाफ पूरी श्रृंखला के लिए उपलब्ध रहते हैं या नहीं। वह भी कोहली की तरह अब केवल वनडे प्रारूप में ही भारत की तरफ से खेलते हैं। आईपीएल के दौरान रोहित की हैमस्ट्रिंग में भी खिंचाव आ गया था और उन्हें कुछ मैच से बाहर रहना पड़ा था। उन्हें फिटनेस के आधार पर ही टीम में शामिल किया गया है।

// आरसीए की एडहॉक कमेटी में बड़ा बदलाव //

डूंगरपुर के सुशील जैन बने एडहॉक कमेटी के नए सदस्य

जयपुर, 4 जून। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की एडहॉक कमेटी को लेकर राज्य सरकार ने अहम फैसला लिया है। सरकार ने डूंगरपुर जिला क्रिकेट संघ के सचिव सुशील जैन को एडहॉक कमेटी का नया सदस्य नियुक्त किया है। इस नियुक्ति के बाद अब आरसीए की एडहॉक कमेटी पांच की बजाय छह सदस्यीय हो गई है। यह कमेटी आगामी दिनों में राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के चुनाव कराने के साथ-साथ प्रशासनिक निर्णयों की जिम्मेदारी भी संभालेगी।

सुशील जैन के कमेटी में शामिल होने को आरसीए के भीतर चल रही गतिविधियों और आगामी चुनावी प्रक्रिया के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पिछले कुछ समय से कमेटी के एक सदस्य की नियुक्ति विवादों में आने के बाद सरकार नए सदस्य की तलाश में थी। ऐसे में अब सुशील जैन की एंट्री से कमेटी को फिर से पूर्ण रूप से सक्रिय करने की कोशिश की गई है। एडहॉक कमेटी का सदस्य बनाए जाने पर सुशील जैन ने राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार प्रदेश में क्रिकेट के विकास और खिलाड़ियों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वह मौजूदा कमेटी के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर प्रदेश में क्रिकेट को नई दिशा देने और खिलाड़ियों की समस्याओं के समाधान के लिए काम करेंगे।

सुशील जैन ने कहा कि उनका प्रयास रहेगा कि राजस्थान के क्रिकेटरों को किसी भी प्रकार की प्रशासनिक या संसाधन संबंधी परेशानी का सामना नहीं करना पड़े और उन्हें बेहतर खेल वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। वर्तमान में आरसीए की एडहॉक कमेटी में मोहित यादव कन्वीनर के रूप में जिम्मेदारी निभा रहे हैं। उनके अलावा धनंजय सिंह खींवसर, अरिष्ट सिंघवी, आशीष तिवाड़ी और अर्जुन बेनीवाल सदस्य के रूप में शामिल थे। यह कमेटी राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के प्रशासनिक कार्यों के संचालन और चुनाव प्रक्रिया की तैयारियों में जुटी हुई है।

आईसीसी ने रॉड टकर को 100वें टेस्ट में अंपायरिंग पूरी करने पर दी बधाई

नई दिल्ली, 4 जून । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने ऑस्ट्रेलिया के वरिष्ठ अंपायर रॉड टकर को उनके 100वें टेस्ट मैच में ऑन-फील्ड अंपायरिंग पूरी करने पर बधाई दी है। टकर ने यह ऐतिहासिक उपलब्धि लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच खेले जा रहे आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप शृंखला के पहले टेस्ट मैच के दौरान हासिल की। रॉड टकर टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में 100 टेस्ट मैचों में अंपायरिंग करने वाले केवल चौथे अंपायर बन गए हैं। इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में पूर्व आईसीसी टेस्ट अंपायर इयान गोल्ड ने उन्हें स्मृति चिह्न के रूप में एक क्रिस्टल ट्रॉफी भेंट की। आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने रॉड टकर को बधाई देते हुए कहा कि वह विश्व क्रिकेट के सबसे सम्मानित अंपायरों में शामिल हैं और अपनी निरंतरता, निष्पक्षता और दबाव में शांत रहकर मैच संचालन करने की क्षमता के लिए पहचाने जाते हैं।

द राजस्थान क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 4 जून। अंडर-16 समर कप में देवेंद्र शेखावत क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 39.2 ओवर में 123 रन 10 विकेट के नुकसान पर बनाएं। सुजल कुमार ने 39 और पुनीत यादव ने 32 रन का योगदान दिया। द राजस्थान क्रिकेट अकादमी की ओर से मनीष ने 4 और रुतबा चौधरी ने 3 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी द राजस्थान क्रिकेट अकादमी ने 20 ओवर में 129 रन 5 विकेट के नुकसान पर बनाकर जीत हासिल कर ली। राज्यवर्धन ने 50 और मुकुल ने 36 रन का योगदान दिया। देवेंद्र शेखावत क्रिकेट अकादमी की ओर से पुनीत यादव ने 3 विकेट लिए।

राजस्थान स्टेट माईन्स एण्ड मिनरल्स लिमिटेड

संशोधित निविदा सूचना - 02 दिनांक :- 03/06/2026

निविदा संख्या एवं दिनांक	कार्य का विवरण
आर.एस.एम.एम. / एसबीयू एण्ड पीसी-एल.एस / प्रमुख एवं प्रभारी -एलएस / संविदा- 01 / 2026-27 दिनांक 22.04.2026 UBN No. MML2627SLOB00016	सानू माईन्स, जैसलमेर के लिये दो हार्ड टॉप महेन्द्रा एण्ड महेन्द्रा बोलेरो जीप (BOLERO B-6) (7-सीटर एसी डीजल टैक्सी परमिट) वाहन मॉडल वर्ष 2026 या उसके बाद की 24 घण्टे प्रतिदिन कार्य हेतु न्यूनतम 4000 किमी प्रति जीप प्रति माह चलाने हेतु आवश्यकता है। (कुल 8000 किमी प्रति माह) अनुमानित मूल्य (रू.) 33.00 लाख, धरोहर राशि (रू.) – 66000 / –, निविदा राशि – 1180 / – निविदा प्रस्तुत करने की संशोधित तिथि 11.06.2026 को सांय 3.00 बजे तक, निविदा के तकनीकी प्रस्ताव खुलने की संशोधित तिथि 12.06.2026 को सांय 3.30 बजे।

उपरोक्त निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाईट www.rsmm.com अथवा www.sppp.rajasthan.gov.in अथवा प्रबन्धक (अनुबंध) से उपरोक्त पते पर सम्पर्क करें।
राज.संवाद/सी/26/4128 उप महाप्रबन्धक (का.एवं प्रशा.)

राजस्थान सरकार
कार्यालय नगर पालिका, सादड़ी (जिला-पाली) राज.
पता: मैन बस स्टेण्ड, सादड़ी (आपकी सेवा में सदैव तत्पर)
Ph.-02934-285022 email: npsadri1979@yahoo.com, gmail.com
क्रमांक : न.पा.सा. / 2026 / 1092-1094 दिनांक 01.06.2026

-:: Notice Inviting Bid ::-

Bid for subject matters of procurement are invited from intreseted bidders upto (date)& (time). Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal. (https://sppp.rajasthan.gov.in, eproc.rajasthan.gov.in) of the state departmental website.
UBN NO :- DLB2627WSOB06159
राज.संवाद / सी / 26 / 4163 अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका सादड़ी

कार्यालय नगर परिषद सुजानगढ़ (चूरू) राजस्थान
E-mail id:- nps222419@gmail.com Phone no. 01568-222419
क्रमांक :-न.प.सु/स्टोर शाखा/2026/1792 दिनांक :- 02.06.2026

-: ई-निविदा सूचना-2026-27 :-

नगर परिषद सुजानगढ़ द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यों के लिये उपयुक्त सक्षम श्रेणी के राज्य सरकार के विभागों में प्रजीकृत ठेकेदारों/फर्मों से निविदा दिनांक 09.06.2026 तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रपत्रों को वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कि जा सकता है एवं निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.sppp.raj.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है। निविदा का बीड क्रमांक DLB2627GLOB06166 है। कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगर परिषद सुजानगढ के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकती है।
राज.संवाद / सी / 26 / 4176 आयुक्त नगर परिषद, सुजानगढ

कार्यालय नगरपालिका मण्डल बसेडी, धौलपुर (राज.)
Email id :- baseri.jaipur21@gmail.com
क्रमांकः- न.पा.ब. / निर्माण / 2026 / 724 दिनांकः- 02.06.2026

ई-निविदा सूचना संख्या 03/2026-27
आमंत्रण सूचना

नगरपालिका द्वारा निम्न कार्य हेतु केन्द्र सरकार व राज्य सरकार के विभागो में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया के अन्तर्गत ऑनलाइन आमन्त्रित की जाती है। निविदा डाउनलोड एवं अपलोड करने की तिथि 02.06.2026 समय दोपहर 02.00 बजे से प्रारम्भ की जाकर निविदा अपलोड करने की अन्तिम तिथि 10.06.2026 समय सांय 06.00 बजे तक होगी। एवं निविदा दिनांक 12.06.2026 को खोली जावेंगी। तकनीकी निविदा में सफल संवेदकों की ही वित्तीय बिड खोली जावेंगी।
निविदा फॉर्म ऑनलाईन बेवसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर अपलोड व डाउनलोड की जायेंगी। तथा ऑनलाईन बेवसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in पर भी निविदा शर्तें देखी जा सकती है।

Sr.No.	UBN no.	Tender Id	Estimated Cost
1	DLB2627WSOB06157	2026_DLB_564113_1	40.53 LACS

राज.संवाद / सी / 26 / 4152 अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका बसेडी

शॉन टेट ने समय से पहले छोड़ा तेज गेंदबाजी कोच का पद

नई दिल्ली, 4 जून। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाजी कोच शॉट टेट ने गुरुवार को कहा कि उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। बांग्लादेश के तेज गेंदबाजी कोच शॉन टेट ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। वह पहले ही कह चुके है कि वे इस पद पर आगे काम नहीं करेंगे। बांग्लादेश के पूर्व तेज गेंदबाज तल्हा जुबैर ऑस्ट्रेलिया सीरीज के लिए अंतरिम पेस बॉलिंग कोच के रूप में टीम के साथ जुड़ने वाले हैं।

टेट ने इस्तीफा देने की वजह नहीं बताई - क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार शॉट टेट ने कहा, ''हां, मैंने इस्तीफा दे दिया है।'' लेकिन उन्होंने इसके बारे में और कुछ नहीं बताया। टेट का बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के साथ अनुबंध 2027 वनडे विश्व कप तक था। उन्होंने मई 2025 में टीम जॉइन की थी और बांग्लादेश के साथ उनका कार्यकाल बेहद सफल रहा। युवा तेज गेंदबाज नाहिद राणा को तराशने में उनकी भूमिका की तारीफ हुई है।

नाहिद अपनी जबरदस्त रफ्तार की वजह से हाल के सालों में बांग्लादेश क्रिकेट के सबसे उभरते सितारों में से एक बन गए हैं। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के एक सूत्र ने पुष्टि की है कि शॉन टेट ने बोर्ड को अपना इस्तीफा पहले ही दे दिया था। उनके जाने के पीछे मुख्य कारण पारिवारिक बताए जा रहे हैं। हालांकि ऑस्ट्रेलिया सीरीज से पहले ट्रेनिंग कैंप में शामिल होने का कार्यक्रम पहले से तय था, लेकिन अब यह अनिश्चित है कि वे रिपोर्ट करेंगे या नहीं।

ऑस्ट्रेलिया 9 से 21 जून तक छह मैचों की सफेद गेंद सीरीज के लिए बांग्लादेश का दौरा करेगा। तीन एकदिवसीय मैच ढाका के शेर-ए-बांग्ला नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में 9, 11 और 14 जून को खेले जाएंगे। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले दो वनडे मैचों के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। इस टीम में ऑलराउंडर मोसद्देक हुसैन चार साल बाद वापसी कर रहे हैं। वहीं विकेटकीपर-बल्लेबाज काजी नुरुल हासन भी टीम में लौटे हैं। उन्होंने अफीफ हुसैन और महिदुल इस्लाम अंकन की जगह ली है।

बांग्लादेश की टीम इसके बाद जिम्बाब्वे का दौरा करेगी। दोनों टीमें दो जगहों पर एक टेस्ट, तीन वनडे और तीन टी20 मैच खेलेंगी। बांग्लादेश सबसे पहले एक अकेला टेस्ट मैच खेलेगा, जो 28 जून को हरारे में शुरू होगा। पिछली बार (2025) जब वे किसी टेस्ट सीरीज में आमने-सामने हुए थे।

श्रीलंका ने पहले वनडे में विंडीज को 41 रन से हराया

किंगस्टन, 4 जून। श्रीलंका ने वेस्टइंडीज दौरे के पहले एकदिवसीय मुकाबले में बुधवार देर रात दमदार प्रदर्शन करते हुए 41 रन से जीत दर्ज की। कप्तानी में वापसी कर रहे कुसल मेंडिस ने शानदार अर्धशतक जड़ा, जबकि गेंदबाजों ने लक्ष्य का सफल बचाव करते हुए टीम को जीत दिलाई।

पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका की शुरुआत थोड़ी सतर्क रही, हालांकि पथुम निसांका को शुरुआती जीवनदान मिला जिसका उन्होंने पूरा फायदा उठाया। दूसरे छोर पर कुसल मेंडिस ने शुरुआत में समय लिया, लेकिन फिर तेजी से रन बनाते हुए पारी को गति दी।

कुसल ने विशेष रूप से स्पिनर गुडाकेश मोती पर हमला बोला और लगातार बड़े शॉट लगाए। उन्होंने 62 गेंदों पर 72 रन की तेज पारी खेली। कुसल और निसांका के बीच महत्वपूर्ण साझेदारी ने श्रीलंका को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।

निसांका ने 79 रन बनाए जबकि मध्यक्रम में चरिथ असलंका ने 45 और जनिथ लियानागे ने नाबाद 44 रन जोड़कर टीम को 50 ओवर में 303/7 तक पहुंचाया। लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज ने तेज शुरुआत की। जॉन कैंपबेल और जस्टिन ग्रीव्स ने शुरुआती ओवरों में आक्रामक बल्लेबाजी की, लेकिन रन आउट ने टीम की लय तोड़ दी। इसके बाद श्रीलंकाई गेंदबाजों ने लगातार दबाव बनाया।

इंडोनेशिया ओपन में विश्व ओलंपिक चैम्पियन से हारी सिंधु, आयुष भी बाहर

जकार्ता, 4 जून । भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु का इंडोनेशिया ओपन 2026 अभियान प्री-क्वार्टरफाइनल में गुरुवार को समाप्त हो गया। सिंधु को लगातार दूसरे सप्ताह विश्व नंबर-1 और मौजूदा ओलंपिक चैंपियन एन से यंग के हाथों हार का सामना करना पड़ा।

महिला एकल के राउंड ऑफ 16 मुकाबले में सिंधु ने कुछ समय तक अच्छी चुनौती पेश की, लेकिन अंततः उन्हें 17-21, 14-21 से हार झेलनी पड़ी। इससे एन से यंग के खिलाफ सिंधु की हार का सिलसिला 10 मैचों तक पहुंच गया और भारतीय स्टार अब भी दक्षिण कोरियाई खिलाड़ी के खिलाफ पहली जीत की तलाश में हैं।

मुकाबले की शुरुआत बेहद कड़ी रही और पहले गेम के दौरान दोनों खिलाड़ी 10-10 की बराबरी पर थीं। सिंधु ने आक्रामक खेल दिखाते हुए एक समय 15-14 की बढ़त भी बनाई, लेकिन इसके बाद एन से यंग ने लगातार अंक जुटाकर वापसी की।

दक्षिण कोरियाई खिलाड़ी ने 41 शॉट की लंबी रैली जीतकर पहला गेम अपने नाम किया। दूसरे गेम में भी एन से यंग ने शुरुआत से दबदबा बनाए रखा और 13-6 की बढ़त हासिल कर ली। सिंधु ने वापसी की कोशिश की, लेकिन एन की शानदार कोर्ट कवरेज और निरंतरता के आगे टिक नहीं सकीं।

पुरुष एकल में भारत के आयुष शेट्टी भी प्री-क्वार्टरफाइनल से आगे नहीं बढ़ सके। आयुष ने पहला गेम जीतकर अच्छी शुरुआत की थी, लेकिन इसके बाद हांगकांग के ली चियुक यिउ ने शानदार वापसी करते हुए मुकाबला 16-21, 21-13, 21-14 से जीत लिया।

फ्रेंच ओपन : चोटिल बेरेटिनी के हटने से अर्नाल्डी पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचे

पेरिस, 4 जून । फ्रेंच ओपन 2026 में इटली के मातेओ अर्नाल्डी ने अपने करियर का पहला ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल खेलना सुनिश्चित कर लिया। बुधवार को खेले गए क्वार्टरफाइनल में उन्हें हमवतन मातेओ बेरेटिनी के चोट के कारण मुकाबले से हटने का फायदा मिला। मुकाबले के समय अर्नाल्डी 7-5, 5-2 से आगे चल रहे थे, तभी बेरेटिनी ने चोट के चलते मैच छोड़ने का फैसला किया। दूसरे सेट के शुरुआती खेलों के दौरान उन्हें कूल्हे में परेशानी महसूस हुई और उन्होंने चिकित्सकीय सहायता भी ली।

जी आर एकेडमी व अरावली क्लब क्वार्टर फाइनल में पहुंची

स्टेट लेवल यूथ कप अंडर-17

जयपुर, 4 जून। राजस्थान यूथ क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय यूथ कप अंडर 17 क्रिकेट प्रतियोगिता में आज खेले गए पहले प्री क्वार्टर फाइनल मैच में जी आर एकेडमी ने कोड़ाई एकेडमी को 69 रनो से हराया। तथा दूसरे मैच में अरावली क्लब ने केशर एकेडमी को 43 रनो से हराया।

जी आर ग्राउंड पर खेले गए मैच में कोड़ाई एकेडमी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सुमित मीणा के 57 रन, शिवांजल अग्रवाल के 71 रन, वशिष्ठ शर्मा के 52 रनो से 50 ओवर में 9 विकेट 252 रन बनाए। जी आर एकेडमी के लिए प्रतीक चौधरी ने 34 पर 3, यथार्थ भारद्वाज ने 48 पर 2, सुरेश चौधरी, राजवीर चौधरी व युवराज ने एक - एक विकेट लिया।

जवाबी पारी जी आर एकेडमी की टीम ब्रजेश यादव के 19 रन, रेयांश भाटिया के 16 रन, तुषार चेलानी के 14 रन, यथार्थ भारद्वाज के 70 रन, केविन नीरज चड्ढा के 32 रन नाबाद व किशन गुर्जर के नाबाद 28 रनो से 20.1 ओवर में 4 विकेट पर 192 रन बनाए थे कि बारिश से मैच रोकना पड़ा। कोड़ाई एकेडमी के लिए सात्विक जैन ने 53 पर 2, चर्चित निर्वाण व शिवांजल अग्रवाल ने एक - एक विकेट लिया। मैच का परिणाम वी जे डी नियम से निकला गया जिसमें जी आर एकेडमी ने कोडाई एकेडमी को 69 रनो से जीत दर्ज की।

दूसरे मैच में अरावली ग्राउंड पर अरावली क्लब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अमन शर्मा के 26 रन, राम के 27 रन, जे सिंह के 112 रन (84 गेंद, 13 चौके व 1 छक्के), आजाद के 65 रन, व दिव्यांशु के 29 रनो से 50 ओवर में 9 विकेट पर 324 रन बनाए। केशर एकेडमी के लिए प्रदीप गुर्जर ने 50 पर 3, आशीष चौधरी ने 71 पर 2, दीपक बड़ैतिया ने 42 पर 2 विकेट किए। जवाबी पारी में केशर एकेडमी ने एस चौहान के 103 रन, पराक्रम सिंह के 85 रन, दीपक बड़ैतिया के 35 रनो से 47.4 ओवर में 281 रन बनाकर आउट हो गई। अरावली क्लब के लिए दिव्यांशु खंडेलिया ने 56 पर 3, दक्ष शर्मा, मिलन व परम सिंह ने एक एक विकेट लिया।

दूसरी अंडर-13 राजस्थान बॉयज फुटबॉल लीग रॉयल फुटबॉल क्लब ने एलीट फुटबाल क्लब को 8-0 से हराया

जयपुर, 4 जून। राजस्थान फुटबॉल संघ के तत्वाधान में पूर्णिमा यूनिवर्सिटी जयपुर के फुटबॉल मैदान पर रविवार को अंडर - 13 राजस्थान लीग के मैच खेले गए। राजस्थान फुटबाल संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि आज खेले गए चार मुकाबलों में पहले मुकाबले में रॉयल फुटबॉल क्लब ने जयपुर एलीट क्लब को 8-0 से पराजित किया। एलीट की तरफ से नंदीश 16 समर 17,33 मोहम्मद मुद्दों 23 अमन 43 अंशु 31,54,58 मिनट पर गोल किए।

दूसरे मुकाबले में ब्रदर्स यूनाइटेड जयपुर ने ए एस एल फुटबाल क्लब जयपुर को 5-0 से पराजित किया। गोल जसन 20,52 मिनट, नकुल 36,38 मिनट व अब्बास ने 55 मिनट पर गोल किया। तीसरे मैच में ने रेड स्टोन फुटबॉल क्लब ने राजस्थान फुटबाल स्कूल को 3-1 से पराजित किया । रेड स्टोन से कृष्ण कुमार ने 28,38,43 मिनट पर ओर राजस्थान फुटबाल स्कूल से आयन ने 17 मिनट पर गोल किया। चौथा आखरी मैच जयपुर बॉयज और गर्ल्स फुटबॉल क्लब ने जयपुर फुटसाल फुटबॉल क्लब को 5-0 से पराजित किया कुणाल कलाल ने 47, 72 मिनट पर ओर आयन गुजर 41 हम जिगर ने 43 कृष ने 45 मिनट पर गोल किया।

कार्यालय नगरपरिषद, करौली राज0
फोन न0 07464-294024 ई-मेल आईडी np.karauli@yahoo.com
क्रमांक : 1297 दिनांक : 02.06.2026

ई-निविदा सूचना

सर्वसाधारण एवं उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों को सूचित किया जाता हैं कि नगरपरिषद करौली मय डिफेक्ट लाईबिलिटी पीरियड (कार्य दोष निवारण अवधि)के शहर करौली निम्न विकाय कार्य कराना चाहती हैं, जिस हेतु उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से ई टैण्डरिंग के माध्यमसे ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विवरण व शर्तें www.sppp.raj.gov.in पर देखा जा सकता हैं।

कुल निविदा कार्य 02	नगरपरिषद क्षेत्र करौली में रमेश के घर से बनवारी के घर से होते हुए रामदयाल के घर तक सीसी सड़क निर्माण कार्य	नगरपरिषद क्षेत्र करौली में शिवजी पंडित के घर से रमेश मास्टर के घर तक सीसी सड़क निर्माण कार्य
निविदा की लागत	20.41 लाख	11.82 लाख
धरोहर राशि	प्रत्येक कार्य हेतु लागत का 2 प्रतिशत	
निविदा शुल्क	1000/- रूपये	1000/- रूपये
निविदा प्रोसेसिंग शुल्क	500/-रूपये	500/-रूपये
ऑनलाईन निविदा फॉर्म मिलने /डाउनलोड की तारीख	दिनांक 04.06.2026 5:00 पीएम से 18.06.2026 समय 6:00पीएम0 तक	
ऑनलाईन निविदा फॉर्म व निविदा शुल्क जमा कराने की अन्तिम तिथि	18.06.2026 समय 6:00 पीएम0 तक	
ऑनलाईन बिड खोलने की तारीख	19.06.2026 समय 03.00 पीएम0 पर	
निविदा प्रपत्र व शर्तें डाउनलोडिंग बेबसाईट	eproc.rajasthan.gov.in	
कार्य दोष निवारण (डिफेक्ट लाईबिलीटी पीरियड)	05 वर्ष	
कार्य की समयावधि	03 माह	
UBN. -	DLB2627WSOB06227	DLB2627WSOB06228

राज.संवाद/सी/26/4173 आयुक्त नगरपरिषद, करौली

पिछली सरकार की 30 हजार किमी की तुलना में हमने 48 हजार किमी सड़कें बनाईं- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने पीडब्ल्युडी के अधिकारियों को परियोजनाओं की प्रभावी मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए

जयपुर, 4 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सड़कों का निर्माण पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ करने के स्पष्ट निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण की निरंतर जांच की जाए एवं निम्नस्तरीय सड़क पर अधिकारी-

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रस्तावित ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने जालौर, झालावाड़, श्रीगंगानगर, कोटपूटली, अजमेर, बाँसवाड़ा के बीच कनेक्टिविटी को यथा शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास पर सार्वजनिक निर्माण विभाग की बैठक ली। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय अखिल अरोड़ा व अतिरिक्त मुख्य सचिव सार्वजनिक निर्माण विभाग प्रवीण गुप्ता मौजूद थे।

अभियंता की जिम्मेदारी तय करते हुए उनके विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जाए।

मुख्यमंत्री गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास पर सार्वजनिक निर्माण विभाग की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण एवं सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों को, उच्च गुणवत्ता के मापदण्डों को ध्यान में रखते हुए आपसी समन्वय से तय समयसीमा में पूरा किया जाए। विकास एवं परियोजनाओं के कार्यों की प्रभावी मॉनिटरिंग भी सुनिश्चित हो।

उन्होंने प्रस्तावित ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे की विस्तृत समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने जालौर-झालावाड़, श्रीगंगानगर-कोटपूतली, अजमेर-बांसवाड़ा के मध्य बेहतर कनेक्टिविटी के संबंध में चर्चा करते हुए दिशा-निर्देश दिए। बैठक में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को प्रगतिरत कार्यों के बारे में अवगत करवाते हुए बताया कि वर्तमान सरकार के 2 वर्ष 5 माह के कार्यकाल में अब तक 33 हजार 195 करोड़ रुपये का व्यय कर 48 हजार 748 किमी लम्बाई में सड़कों का विकास कार्य पूर्ण किया गया है। जिसमें से 17 हजार 934 किमी लम्बाई की नवीन सड़कों का निर्माण कार्य हुआ है।

उल्लेखनीय है कि पूर्ववर्ती सरकार में समान समयावधि के दौरान 13 हजार 400 करोड़ रुपये व्यय कर 30 हजार 641 किमी लम्बाई में सड़कों का निर्माण कार्य ही किया गया था। वहीं, नवीन सड़कें भी केवल 4 हजार 671 किमी लम्बाई में निर्मित की गई थीं। साथ ही, केवल 280 गांव ही सड़कों से जुड़ पाए थे।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय अखिल अरोड़ा व अतिरिक्त मुख्य सचिव सार्वजनिक निर्माण विभाग प्रवीण गुप्ता सहित, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और सार्वजनिक निर्माण विभाग के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मुजफ्फरपुर के अस्पताल में आग लगी, पांच की मौत

मुजफ्फरपुर, 04 जून। बिहार के मुजफ्फरपुर शहर के ब्रह्मपुरा थाना क्षेत्र स्थित प्रसाद अस्पताल में लगी भीषण आग की घटना में अब तक 05 लोगों की मौत हो चुकी है। नगर आयुक्त ऋतुराज प्रताप सिंह ने इसकी पुष्टि की है। आग तड़के करीब 3 बजे अस्पताल के आईसीयू वार्ड में लगी थी। इसके बाद देखते ही देखते पूरे अस्पताल में धुआं फैल गया। इससे अस्पताल परिसर के अंदर अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर

- **अभी तक की जांच में शॉर्ट सर्किट से आग लगना बताया जा रहा है।**

पहुंची दमकल टीम ने तेजी से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया।

नगर आयुक्त ऋतुराज प्रताप सिंह ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि घटना में अब तक 05 लोगों की मौत हो चुकी है। उन्होंने बताया कि अभी तक की जांच में शॉर्ट सर्किट से आग लगना सामने आया है। प्रदेश के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने घटना पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि मुजफ्फरपुर के एक निजी अस्पताल में आग लगने से व्यक्तियों की मृत्यु अत्यंत दु:खद है।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुग एमपी से राज्यसभा के उम्मीदवार घोषित

भाजपा ने अरुणाचल प्रदेश, गुजरात, मध्यप्रदेश, मणिपुर व राजस्थान से प्रत्याशियों की घोषणा की

नई दिल्ली, 04 जून। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की केन्द्रीय चुनाव समिति ने पांच राज्यों में होने वाले राज्यसभा द्विवार्षिक चुनाव-2026 तथा ओडिशा में होने वाले राज्यसभा उपचुनाव के लिए उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। पार्टी ने मध्य प्रदेश की दो सीटों से पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुग और प्रदेश भाजपा के वरिष्ठ संगठनात्मक नेता रजनीश अग्रवाल को उम्मीदवार बनाया है। इसके अलावा, बीजद छोड़ कर हाल ही में भाजपा में शामिल हुए देवाशीष सामंतराय को ओडिशा उपचुनाव में पार्टी का उम्मीदवार बनाया गया है।

भाजपा महासचिव अरुण सिंह की ओर से गुरुवार को अरुणाचल प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश, मणिपुर, राजस्थान की 10 सीटों के लिए होने वाले राज्यसभा चुनाव और ओडिशा की एक

- **अरुणाचल से ताई तागाक, गुजरात से राजूभाई शुक्ला, मुकेशभाई राठवा, राजस्थान से डॉ. सतीश पूनिया और अलका गुर्जर, मणिपुर से शारदा देवी को उम्मीदवार बनाया गया है।**

सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए पार्टी उम्मीदवारों की सूची जारी की गई। इसमें अरुणाचल प्रदेश से ताई तागाक, गुजरात से राजूभाई शुक्ला, मुकेशभाई राठवा, मानसिंह परमार और जितेन्द्र मेघजीभाई कंजारिया, मध्य प्रदेश से तरुण चुग और रजनीश अग्रवाल, मणिपुर से ए शारदा देवी तथा राजस्थान से डॉ. अलका गुर्जर और डॉ. सतीश पूनिया को राज्यसभा चुनाव के लिए उम्मीदवार घोषित किया गया है।

मध्य प्रदेश से उम्मीदवार बनाए गए तरुण चुग भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव हैं और संगठन के प्रमुख रणनीतिकारों में गिने जाते हैं। पंजाब के अमृतसर से आने वाले चुग जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और तेलंगाना सहित कई राज्यों में संगठनात्मक जिम्मेदारियां संभाल चुके हैं।

दूसरे उम्मीदवार रजनीश अग्रवाल लंबे समय से मध्य प्रदेश भाजपा संगठन से जुड़े हुए हैं। वे वर्तमान में प्रदेश सचिव के रूप में कार्यरत हैं।

उल्लेखनीय है कि 12 राज्यों की 26 राज्यसभा सीटों के लिए 18 जून को मतदान होगा। मतदान समाप्त होने के बाद, उसी दिन मतगणना होगी और परिणाम घोषित किए जाएंगे।

मालविया नगर अग्निकांड के मृतक के परिजनों को 10 लाख रु. की सहायता

दिल्ली की मुख्यमंत्री ने सभी मरीजों को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिये

नई दिल्ली, 04 जून। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को मालवीय नगर अग्निकांड में घायल लोगों का हाल चाल जानने के लिए साकेत स्थित अस्पताल का दौरा किया। उन्होंने अस्पताल में भर्ती घायलों से मुलाकात की, उनके परिजनों से बात की और डॉक्टरों से उपचार की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि अग्निकांड में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को 10 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। वहीं, गंभीर रूप से घायल लोगों को 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि जिन मृतकों के परिजन अन्य राज्यों या विदेशों में रहते हैं, उनके

- **मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राजधानी के होटलों, व्यवसायिक परिसरों व अन्य सार्वजनिक भवनों में अग्नि सुरक्षा मानकों की विशेष ऑडिट कराने के निर्देश दिये।**

पार्थिव शरीर को सम्मानपूर्वक उनके घर तक पहुंचाने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं तुरंत की जाएं। अस्पताल में भर्ती घायलों से बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री ने उन्हें ढांढस बंधाते हुए कहा कि दिल्ली सरकार उनके साथ है और उनके शीघ्र स्वस्थ होने के लिए हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने चिकित्सकों से प्रत्येक मरीज की स्थिति की व्यक्तिगत जानकारी ली और उपचार प्रक्रिया की निरंतर निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ मरीज गंभीर स्थिति में हैं और कुछ को वेंटिलेटर पर रखा गया है। प्रभावितों में, भारत के अलावा बांग्लादेश, नेपाल, कैमरून, लीबिया सहित अन्य देशों के नागरिक भी हैं। उन्होंने अस्पताल प्रशासन को निर्देश दिया कि सभी मरीजों को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए और विदेशी नागरिकों के मामलों में भी आवश्यक समन्वय सुनिश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रारंभिक जानकारी में सुरक्षा संबंधी कई गम्भीर कमियां सामने आई हैं। कई भवनों में आपातकालीन निकास मार्ग, फायर सेफ्टी सिस्टम और सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी लोगों तक पर्याप्त रूप से नहीं पहुंच पाती। उन्होंने संबंधित विभागों को घटना की विस्तृत जांच कराने और राजधानी के होटलों, व्यावसायिक परिसरों तथा अन्य सार्वजनिक भवनों में अग्नि सुरक्षा मानकों का विशेष ऑडिट कराने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां भी लापरवाही या नियमों के उल्लंघन की पुष्टि होगी, वहां जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

'ईरान वॉर से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ट्रंप प्रशासन का ज़ोर देकर कहना है कि ईरान के खिलाफ युद्ध पहले ही समाप्त हो चुका है, जबकि, दोनों पक्षों की सेनाओं के बीच लगातार गोलीबारी जारी है और शांति वार्ता में वास्तविक प्रगति के संकेत नहीं दिख रहे हैं।

डैमोक्रैट्स ट्रंप पर संविधान का उल्लंघन करने का आरोप लगाते हैं, क्योंकि उन्होंने फरवरी के अंत में कांग्रेस की अनुमति के बिना इज़रायल के साथ मिलकर ईरान पर हमले शुरू किए थे।

"युद्ध शक्तियां अधिनियम (वॉर पावर्स एक्ट) के तहत, अमेरिकी सेना को किसी भी संघर्ष में उतारने के बाद राष्ट्रपति के पास कांग्रेस की मंज़ूरी लेने के लिए 60 दिन का समय होता है। वह समय सीमा कई सप्ताह पहले ही बीत चुकी है, और डैमोक्रैट्स का कहना है कि ट्रंप अब कानून तोड़ रहे हैं।

वाइट हाउस इस व्याख्या को स्वीकार नहीं करता और उसका तर्क है कि अप्रैल में हुए संघर्ष-विराम के कारण यह समय सीमा अस्थाई रूप से रूक गई थी।

लेकिन ट्रंप ने बार-बार हमले फिर से शुरू करने की धमकी दी है, और इस सप्ताह तनाव और भी बढ़ गया है।

रातों-रात, अमेरिका ने बताया कि उसने ईरानी ड्रोन को मार गिराया है और ईरान के एक ज़मीनी नियंत्रण केन्द्र पर हमला किया है, वहीं दूसरी ओर, तेहरान की सेनाओं ने खाड़ी क्षेत्र के कई पड़ोसी देशों पर ड्रोन और मिसाइलें दागी हैं।

ट्रंप का समर्थन करने वाले रिपब्लिकन नेताओं ने तर्क दिया कि यह प्रस्ताव ऐसे समय में अमेरिका को कमज़ोर करेगा, जब ईरान दबाव में है। लेकिन नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनावों से पहले युद्ध का राजनीतिक बोझ बढ़ने के कारण, उनकी नाराज़गी भी अब अधिक स्पष्ट दिखाई देने लगी हे।

सीजेपी को रैली ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कर ली है और लाखों समर्थक जुटा लिए हैं। राजनीतिक विश्लेषक इसकी तुलना हाल के वर्षों में दुनिया भर में उभरे उन ऑनलाइन आंदोलनों से कर रहे हैं, जिन्होंने राजनीति पर प्रभाव डाला था। इस सन्दर्भ में, 2010-12 के "अरब स्प्रिंग आंदोलन" और 2011 के "ऑक्युपाई वॉल स्ट्रीट" आंदोलन का भी उल्लेख किया जा रहा है। पिछले एक दशक में हांगकांग, ब्राज़ील और फिलीपींस से कई हैशटैग आंदोलनों की खबरें आई हैं। इसी तरह के युवा आंदोलनों ने भारत के पड़ोसी देशों, जैसे श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल में भी बड़े राजनीतिक बदलावों को जन्म दिया है। अब यह देखना बाकी है कि दिपके और उनके सहयोगी अपने ऑनलाइन अभियान को जमीन पर वास्तविक जन आंदोलन में बदल पाते हैं या नहीं। सीजेपी जिन मुद्दों को उठा रही है, वे काफी महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं। इनमें धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा, शासन में अधिक जवाबदेही, भ्रष्टाचार विरोधी कदम, गोदी मीडिया की जांच और राजनीतिक दल-बदल की जांच जैसी मांगें शामिल हैं। सीजेपी राजनीति में महिलाओं की अधिक भागीदारी और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने की भी वकालत करती है। इसके अलावा, पार्टी संस्थागत ईमानदारी को मजबूत करने और मतदाताओं को प्रभावित किए जाने की धारणाओं को कम करने की बात भी करती है।

चने की दाल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रतिभाशाली दीक्षा कुशवाह उत्कृष्ट विद्यालय की कक्षा 12वीं में अध्ययनरत हैं। वह शहर के शहर के फ्रीगंज स्थित एक आर्ट क्लास की भी छात्रा हैं।

'हिजबुल्लाह हथियार नहीं छोड़ेगा'

बेरूत, 04 जून। इज़रायल और लेबनान के बीच हाल ही में हुए युद्धविराम समझौते को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया। लेबनान के शक्तिशाली संगठन हिज्बुल्लाह ने इस समझौते को स्वीकार करने से इनकार करते हुए कहा है कि मौजूदा प्रस्ताव उसे स्वीकार्य नहीं है और इससे क्षेत्र में स्थायी शांति स्थापित नहीं हो सकेगी।

हिज्बुल्लाह प्रमुख नईम कासिम ने स्पष्ट किया है कि जब तक दक्षिणी लेबनान में इज़रायली सेना की मौजूदगी बनी रहेगी, तब तक उनका संगठन प्रतिरोध जारी रखेगा। उन्होंने कहा कि किसी भी युद्धविराम की शर्त यह होनी चाहिए कि इज़रायल पूरी तरह लेबनानी क्षेत्र से अपनी सेना वापस बुलाए और सैन्य कार्रवाई पूरी तरह समाप्त करे। कासिम ने लेबनानी सरकार और इजराइल के बीच चल रही बातचीत पर भी सवाल उठाए।

इंडिया ब्लॉक की बैठक में शामिल नहीं होगी डीएमके

चेन्नई, 04 जून। द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) ने आठ जून को नई दिल्ली में होने वाली इंडिया गठबंधन की बैठक में भाग न लेने का फैसला किया है। पार्टी ने कांग्रेस पर तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के बाद विश्वासघात करने का आरोप लगाया है। बता दें कि विधानसभा चुनावों के बाद कांग्रेस, डीएमके का साथ छोड़कर टीवीके के साथ गठबंधन में शामिल हो गई थी, जिसे डीएमके ने धोखा करार दिया था। बता दें कि डीएमके इंडिया गठबंधन की प्रमुख सहयोगियों में से एक थी।

बयान में डीएमके ने कहा कि वह लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता और राज्यों के अधिकारों की रक्षा के लिए हमेशा प्रतिबद्ध रही है। पार्टी ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट), निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन, नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए), चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली, वन नेशन, वन इलेक्शन प्रस्ताव, वक्फ अधिनियम में संशोधन और विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) में बदलाव जैसे मुद्दों पर अपने विरोध का उल्लेख किया। डीएमके ने स्पष्ट किया कि तमिलनाडु चुनावों के बाद कांग्रेस के व्यवहार को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं में गहरी नाराजगी है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

दिल्ली ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पुलिस ने कहा कि वे एफआईआर की कॉपी देंगे। तीन जून को दिल्ली के मालवीय नगर स्थित एक होटल में भीषण आग लग गई। इस दर्दनाक हादसे में बेसमेंट में फंसे 21 लोगों की धुएं और आग की चपेट में आने से मौत हो गई। मरने वालों में कई विदेशी नागरिक भी शामिल थे।

आज पत्ते खोलेंगे अन्नामलाई

चेन्नई, 04 जून। तमिलनाडु भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई से जुड़ी बड़ी खबर आ रही है। उन्होंने शुक्रवार, पांच जून 2026 को दोपहर 12:00 बजे एक बड़े सोशल मीडिया संवाद की घोषणा की है। इस एक एलान ने राजनीतिक हलकों में अटकलों का बाजार बेहद गर्म कर दिया है। राजनीतिक विश्लेषक अब उनके अगले कदम को लेकर कई तरह के कयास लगा रहे हैं। सियासी गलियारों में चर्चा है कि अन्नामलाई भाजपा से दूरी बनाने या पार्टी छोड़ने की पूरी तैयारी कर चुके हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, वे पिछले कुछ दिनों से दिल्ली में डेरा डाले हुए हैं। वहां उन्होंने केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव बीएल संतोष और राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन समेत शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात की है। कयास लगाए जा रहे हैं कि वे केन्द्रीय आलाकमान को अपना इस्तीफा भी सौंप चुके हैं।

खान सर के कोचिंग सैंटर पर हमले में नया मोड

खान सर व कोचिंग सैंटर के गार्ड्स से पूछताछ की गई

पटना, 04 जून। खान सर के कोचिंग में हमले के मामले में अब उनसे भी पुलिस पूछताछ कर रही है। वहीं इसी बीच खान सर की कोचिंग जीएस ग्लोबल स्टडीज में हुए पथराव वाले दिन जो गार्ड ड्यूटी पर थे, पुलिस ने उन्हें हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ की थी, उन दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन पर फायरिंग का आरोप है। दोनों

- **गार्ड्स के हथियारों की प्रामाणिकता भी जांची जा रही है।**

गार्ड्स के हथियार भी जब्त कर लिए गए हैं और उनके लाइसेंस का वेरिफिकेशन कराया जा रहा है। खान सर के जिन दो बॉडीगार्ड्स को गिरफ्तार किया गया है, उनके नाम प्रदीप और तालेश्वर हैं।

खान सर से पुलिस ने उनकी कोचिंग जीएस ग्लोबल स्टडीज में ही पूछताछ की है, ये पूछताछ काफी देर तक चली है। बताया जा रहा है कि अभी खान सर से और भी पूछताछ हो सकती है। इस मामले में पुलिस उनसे हर जानकारी ले रही है। दरअसल खान सर की कोचिंग में हुए हंगामे में तोड़ फोड़ और फायरिंग की खबर के बाद, खान सर ने खुद फायरिंग की बात से मना किया था। एफआईआर में भी फायरिंग की बात दर्ज नहीं थी।

लेकिन खान सर के इनकार करने के बाद एक और वीडियो वायरल हुआ। इस वीडियो में हवा में दो लोग फायरिंग कर दिख रहे थे।

टीएमसी के विधायकों ने जो ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अभिषेक बनर्जी के प्रति अपने गहरे रोष, यहाँ तक कि घृणा, को खुलकर व्यक्त कर रहे हैं। ऐसी कहानियाँ भी सामने आ रही हैं कि चुनावी पराजय के बाद वरिष्ठतम विधायकों को भी इस विवादित हस्ती के सम्मान में खड़े होकर तालियाँ बजाने के लिए मजबूर किया गया था।

अगर ऐसा होता है, जैसा कि कई लोग मानते हैं कि यह भी समय की बात है, तो तृणमूल कांग्रेस के अधिकांश सांसदों का ऋतब्रत बनर्जी गुट में जाना केवल उस व्यापक स्थिति का परिचायक होगा, जिससे पार्टी गुजर रही है।

तृणमूल कांग्रेस के निर्वाचित प्रतिनिधि, एक के बाद एक, पार्टी और अपने पदों को छोड़ रहे हैं। ऐसा ही एक नाम बिधाननगर नगर निगम की मेयर कृष्णा चक्रवर्ती का है, जिन्होंने आज अपना इस्तीफा दे दिया। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में पुष्टि की कि मौजूदा परिस्थितियों में काम करना अब संभव नहीं रहा है।

हालाँकि उसी बिधाननगर क्षेत्र से निर्वाचित एक भाजपा विधायक ने दावा किया कि वे इसलिए पद छोड़ रही हैं, क्योंकि उन्हें अपनी कथित रूप से अत्यधिक बढ़ी हुई संपत्ति के उजागर होने का डर है। बताया जाता है कि उनके पास 17-18 संपत्तियाँ हैं, जो वर्तमान में गेस्ट हाउस के रूप में संचालित हो रही हैं।

इसके अलावा, उन्होंने अन्य अचल संपत्तियाँ भी अर्जित की हैं। पत्रकारों से बात करते समय वे दशकों की जनसेवा के बाद पद छोड़ने की बात करते हुए भावुक हो गईं और उनकी आँखों में आँसू थे।

यह असल में, तृणमूल कांग्रेस के विधायकों, पार्षदों, पदाधिकारियों और पद के दावेदारों के लिए एक बड़ी मुश्किल बन गई है। केन्द्रीय जाँच एजेंसियाँ इस समय तृणमूल कांग्रेस के कथित रूप से भ्रष्ट कार्यकर्ताओं की जाँच में तेजी से जुटी हुई हैं।

उदाहरण के लिए, एनआईए पूरे दिन तृणमूल के कुख्यात बाहुबली सौकत मोल्ला को पकड़ने की कोशिश करती रही। मोल्ला पर चुनाव से पहले कोलकाता के निकट भांगड़ क्षेत्र में हुए एक कथित बम हमले में शामिल होने का संदेह है, जिसमें एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई थी और कई अन्य घायल हुए थे।

सौकत मोल्ला की तलाश के दौरान, एनआईए को उनके विशाल संपत्ति साम्राज्य का भी पता चला, जिसमें मकान, कैफे, रेस्तराँ, इमारतें तथा कथित रूप से एक बारहमासी नदी की भूमि पर अवैध कब्जा शामिल है।

आरोप है कि सौकत ने नदी के पानी का प्रवाह रोककर, उसके किनारे विशाल क्षेत्र में भूमि विकसित कर ली थी, जिसका क्षेत्रफल हजारों एकड़ बताया जाता है। उनके बेटे ने उस भूमि पर एक कैफे बना लिया है और उनके भाई उसी क्षेत्र में एक पाँच सितारा होटल का निर्माण कर रहे हैं।

स्थानीय ग्रामीण कथित रूप से हत्या और धमकी के डर से विरोध नहीं कर सके।

कहा जाता है कि स्थानीय पुलिस भी सौकत मोल्ला और उनके पुत्र के प्रभाव में थी। एनआईए ने अब सौकत को 8 जून को तलब किया है, लेकिन माना जा रहा है कि वे उपस्थित नहीं होंगे।

पश्चिम बंगाल में अब कथित भ्रष्टाचार, सत्ता के दुरुपयोग, और दबंगों तथा पूर्व शासन - संरक्षित लोगों द्वारा किये गये अत्याचारों को लेकर व्यापक आक्रोश और विरोध दिखाई दे रहा है। ऐसे मामलों की संख्या इतनी अधिक बताई जा रही है कि किसी भी बेहद समर्पित व निष्पक्ष सरकार के लिए भी इनसे एक साथ निपटना मुश्किल है।

जनता की अपेक्षाएँ बहुत ऊँची हैं और यह एक पहेली बनी हुई है कि इन सभी समस्याओं का समाधान कैसे किया जाएगा।

केरल में मानसून ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कारण दृश्यता काफी कम हो गई, जिससे लोगों को आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद तापमान में आई गिरावट से लोग राहत महसूस कर रहे हैं और झुलसा देने वाली गर्मी से छुटकारा मिलने पर संतोष जता रहे हैं।

स्थिति को देखते हुए, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 4 जून से 5 जून तक के लिए क्षेत्र में पुन: "येलो अलर्ट" जारी किया है। क्षेत्रीय मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, अगले दो दिनों तक दिल्ली-एनसीआर में आसमान मुख्यत: बादलों से ढका रहेगा। पूर्वानुमान के अनुसार, इस अवधि में हल्की से मध्यम बारिश, बार-बार गरज के साथ छींटे पड़ने तथा 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है, विशेषकर दिन के उत्तरार्ध में। दक्षिण भारत में मानसून के समय से पहले पहुंचने के कारण, उत्तर भारत के वातावरण में नमी की मात्रा बढ़ गई है, जिससे प्री-मानसून गतिविधियां तेज हो गई हैं। जैसे-जैसे यह नम हवा उत्तर की ओर बढ़ रही है, वह दिल्ली-एनसीआर की स्थानीय मौसमी परिस्थितियों के साथ मिलकर तेज हवाओं, धूलभरी आंधियों और अनियमित गरज-चमक वाले तूफानों को जन्म दे रही है। मौसम विभाग के अनुसार, यह स्थिति 6 जून तक बनी रह सकती है। इन मौसमी गतिविधियों के कारण शहर के तापमान में 4 से 6 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट आने की संभावना है, जिससे लोगों को राहत मिलेगी और सप्ताहांत तक लू की स्थिति काफी हद तक समाप्त हो जाएगी। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने गुरुवार को आधिकारिक रूप से केरल में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगमन की घोषणा की। यह महत्वपूर्ण घटना देश की चार महीने लंबी वर्षा ऋतु की शुरुआत का संकेत देती है, जो कृषि गतिविधियों और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था, दोनों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है। मानसून का आगमन सामान्य समय के अनुरूप हुआ है। यह 1 जून की सामान्य तिथि के आसपास, निर्धारित सात-दिवसीय अवधि के भीतर ही केरल पहुंच गया।

जल जीवन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अलावा, जितेन्द्र शर्मा, मुकेश गोयल और संजीव गुप्ता के फरार होने के चलते अदालत ने उनके गिरफ्तारी के स्थायी वारंट जारी कर रखे हैं।

ओटीएस चौराहे पर फ्लाईओवर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हाईकोर्ट ने नाराजगी जताते हुए कहा कि इस प्रकरण में प्रथमद्रष्टया प्रभारी अधिकारी की ओर से अदालत में गलत बयानबाजी की गई है, जिसके तथ्य रिकॉर्ड से अलग पाए गए हैं। इसे नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। ऐसे में सक्षम अधिकारी कानून के अनुसार उचित कार्रवाई करें। अदालत ने कहा कि राज्य सरकार को निष्पक्ष और तर्कसंगत तरीके से काम करना होगा। राजनीतिक कारणों से सरकार अपने संविदात्मक दायित्वों से बच नहीं सकती है। जेडीए एक तरफ कह रहा है कि कंपनी की वजह से देरी हुई, लेकिन दूसरी ओर जेडीए ने बिना जुर्माना लगाए कंपनी को उसकी बैंक गारंटी लौटा दी। यह कृत्य अदालत को गुमराह करने वाला है।

याचिका में कहा गया कि जेडीए ने ओटीएस चौराहे को सिग्नल फ्री और सौंदर्यीकरण कराने को लेकर टैंडर निकाले थे। याचिकाकर्ता जेसीएल इंफ्रा प्रा. लि. को टैंडर मिलने के बाद कंपनी को 6 जनवरी 2023 से 5 जनवरी 2024 तक काम पूरा करना था। इसी बीच सरकार बदलने के बाद जेडीए ने अनुबंध की शर्तों का हवाला देते हुए 24 अप्रैल 2024 को ठेका वापस ले लिया। इसके बाद 16 दिसंबर को याचिकाकर्ता की बैंक गारंटी भी वापस कर दी। वहीं 3 अप्रैल, 2025 को ओटीएस चौराहे पर फ्लाईओवर निर्माण की डी.पी.आर. बनाने के लिए 83 करोड़ रुपए का नया टैंडर जारी कर दिया।

अधिवक्ता एस.एस.होरा ने कहा कि याचिकाकर्ता कंपनी को दिया हुआ ठेका बिना किसी कारण और सुनवाई किए जेडीए ने वापस लिया है, जबकि कंपनी ने ड्रॉइंग्स और डिज़ाइन तैयार कर अनुमोदन के लिए पेश कर दिए थे। कंपनी ने प्रोजेक्ट के लिए पर्याप्त संसाधन जुटा लिए थे, लेकिन जरूरी अनुमतियां व साइट पर जमीन मुहैया नहीं करवाने के कारण काम आगे नहीं बढ़ सका। उन्होंने कहा कि यह निर्णय उन कारणों की वजह से लिया गया है, जो याचिकाकर्ता के नियंत्रण में नहीं है। उन्होंने बताया कि एमएनआईटी व ओटीएस द्वारा प्रोजेक्ट बदलने के 2023 में दिये गये ज्ञापनों पर जेडीए के अधिकारियों ने नया प्रोजेक्ट तैयार कर लिया था। अधिवक्ता एस.एस. होरा ने कहा कि नई डी.पी.आर. के लिए टैंडर निकालना पहले से तैयार डी.पी.आर. और प्रोजेक्ट को निरस्त करने जैसा है, जबकि कंपनी ने 64 बार पत्र लिखकर प्रोजेक्ट के ड्रॉइंग अप्रूवल के लिए लिखा था।

उधर जेडीए के अधिवक्ता अमित कुडी ने कहा कि याचिकाकर्ता को कई मौके देने के बाद भी काम शुरू नहीं होने पर नियमानुसार ठेका निरस्त किया गया है। इसके अलावा अब वहां 184 करोड रुपए के बजाए 83 करोड़ रुपए की लागत से फ्लाईओवर बनना है। जेडीए की तरफ से कहा गया कि जेसीएल इन्फ्रा ने समय पर प्रौजेक्ट पूरा करने के लिए जरूरी डिमांड व ड्राइंग जेडीए को उपलब्ध नहीं कराए थे और अनुबंध के अनुसार, उपयुक्त अधिकारी (स्थानीय एक्सईएन) ने समयावधि पूरी होने के बाद उचित प्रक्रिया से अनुबंध निरस्त किया था। दोनों पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने फ्लाईओवर बनाने के लिए जारी डीपीआर को रद्द कर पुराने अनुबंध के आधार पर प्रोजेक्ट पूरा करने को कहा है।

राज्यसभा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रदेश से पूर्व सांसद और वरिष्ठ कांग्रेस नेत्री मीनाक्षी नटराजन को टिकट दिया गया है। राजस्थान से नीरज डांगी को दोबारा राज्यसभा भेजने का फैसला किया गया है, जबकि तमिलनाडु से अर्थशास्त्री और पार्टी के रणनीतिकार प्रवीण चक्रवर्ती को उम्मीदवार बनाया गया है। झारखंड से प्रणव झा को पार्टी ने राज्यसभा चुनाव के लिए मैदान में उतारा है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908